बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुख्य संवाददाता : इन्द्रजीत सिंह मो. 9582093548

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 20 ● अंक: 86 ● नई दिल्ली ● सोमवार 15 नवम्बर 2021 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष

मो. 08750202102

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

हर घर दस्तक टीकाकरण अभियान का असर, 7 दिनों में 12 हजार लोगों को लगी वैक्सीन

फतेहाबाद। स्वास्थ्य विभाग ने एक सप्ताह पहले हर घर दस्तक टीकाकरण अभियान- हाउस टू हाउस कैंपेन की शुरूआत की है। इसके लिए टीम भी लगाई गई है। टीम डोर-टू-डोर जाकर लोगों को वैक्सीन भी लगा रही है। अब इसका असर भी देखने को मिल रहा है। जो लोग हेल्थ सेंटर में नहीं जा रहे थे वो अब टीम के जाने के बाद वैक्सीन लगा रहे है। यहीं कारण है कि एक सप्ताह के दौरान 12,519 लोगों को वैक्सीन की पहली व दूसरी डोज लगाई गई है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले समय में अभियान जल्द ही पूरा हो जाएगा। 15 जनवरी से शुरू हुआ था टीकाकरण अभियान जिले में इस साल 15 जनवरी से टीकाकरण अभियान शुरू हुआ था। सबसे पहले हेल्थ वर्करों को वैक्सीन लगाई गई। उसके बाद फ्रंटलाइन वर्कर को वैक्सीन लगी। उसके बाद आमजनों के लिए वैक्सीन लगाने का कार्य शुरू किया गया। लेकिन पिछले कुछ दिनों से वैक्सीन लगवाने वालों की रफ्तार कम थी। यहीं कारण है कि स्वास्थ्य विभाग ने डोर-टू-डोर जाकर अभियान की शुरूआत कर दी है।

प्रदूषण का असर : दिल्ली में सोमवार से स्कूल और सरकारी दफ्तर बंद, केजरीवाल बोले- हालात बिगड़े तो लॉकडाउन भी विकल्प

नई दिल्ली । दिल्ली की जहरीली होती हवा के बीच दिल्ली सरकार ने आपातकालीन कदमों को एलान किया है। सोमवार से एक हफ्ते तक दिल्ली के सभी स्कूल बंद रहेंगे। सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम पर भेज दिया गया है। सरकार निजी दफ्तरों के लिए भी इससे जुड़ी एडवाइजरी भेजेगी। 17 नवंबर तक निर्माण से जुड़ी सभी गतिविधियां बंद रहेंगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि सरकार अभी हम लॉकडाउन नहीं लगा रही है। हालात ज्यादा खराब होने पर केंद्र सरकार समेत सभी एजेंसियों को भरोसे में लेकर ही यह कड़ा कदम उठाया जाएगा। इससे पहले शनिवार शाम मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के दमघोंटू प्रदूषण से निपटने से आपात बैठक बुलाई। इसमें सभी संबंधित विभागों के मंत्री व आला अधिकारी मौजूद रहे। इसमें मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और अधिकारियों के साथ दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की। इस दौरान चार बड़े फैसले लिए गए हैं। उम्मीद है कि इससे प्रदूषण को नियंत्रित करने के साथ लोगों को भी राहत दी जा सकेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि सोमवार से एक हफ्ते के लिए सभी स्कूल भौतिक रूप से (फिजिकल) बंद किए जा रहे हैं, लेकिन वर्चअल कक्षाएं चलती रहेंगी। इससे बच्चों को घर से बाहर नहीं निकलना पड़ेगा। प्रदूषण पर निगरानी रखने वाली एजेसियों का कहना है कि 17 नवंबर तक हवाएं नहीं चलेंगी और पड़ोसी राज्यों से पराली का धुंआ दिल्ली में आता रहेगा। ऐसे से स्थिति थोड़ी ज्यादा खराब हो सकती है। इसलिए इस दौरान निर्माण गतिविधियों को पूरी तरह से बंद किया जाएगा। इसके साथ जितने भी सरकारी दफ्तर हैं, उन सभी का 100 फीसद वर्क फ्रॉम होम किया जा रहा है। इस दौरान सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे, लेकिन छुट्टी नहीं है। सभी को घर पर रहकर कार्य करना है और अगर कोई इमरजेंसी कॉल है, तो सभी को उपलब्ध करना होगा। प्राइवेट दफ्तरों को एक एडवाइजरी जारी की जा रही है कि वे लोग भी ज्यादा से ज्यादा वर्क फ्रॉम होम कर सकें।

मीटिंग में इन खास बिंदुओं पर लिए ये फैसले

- ईंट के भठ्ठे दिल्ली और एनसीआर में अगले आदेश तक बंद रहेंगे.
-हॉट मिक्स प्लांट और स्टोन क्रेशर पूरे दिल्ली एनसीआर में बंद रहेंगे.
- डीजल जेन सेट बंद रहेंगे.
- दिल्ली एनसीआर में पार्किंग शुल्क 3-4 गुना बढ़ाए जाने की जरूरत.
- खुले में कूड़ा जलाने पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा.

लॉकडाउन लगाने का कड़ा कदम भी संभव

अरविंद केजरीवाल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के अंदर बीच-बीच में एक सुझाव निकल कर आ रहा था कि अगर बहुत ज्यादा हालात खराब हो जाते हैं, तो क्या दिल्ली को पूरी तरह से लॉकडाउन किया जा सकता है। इसका वर्क आउट किया जा रहा है। अभी हम लॉकडाउन लगा नहीं रहे हैं। इसका एक प्रस्ताव बना रहे हैं और इस प्रस्ताव को हम सुप्रीम कोर्ट के सामने रखेंगे। साथ ही केंद्र सरकार समेत सभी एजेंसियों से बातचीत की जाएगी। वजह यह कि यह बहुत ही बड़ा कदम होगा। इसलिए केंद्र सरकार, सीपीसीबी, सफर समेत सभी एजेंसी को भरोसे में लेकर अगर ऐसे हालात बनते हैं, तो उसमें दिल्ली के अंदर सारे प्राइवेट वाहन, निर्माण, ट्रांसपोर्ट, औद्योगिक गतिविधियां बंद की जा सकती हैं।

30 सितंबर तक दिल्ली की हवा लगभग साफ

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में प्रदूषण काफी बढ़ा है। एयर इंडेक्स का डेटा दिखाता है कि 30 सितंबर तक दिल्ली की हवा लगभग साफ थी। इसके बाद से लगातार दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। दिल्ली के आसपास के राज्यों में किसान मजबूर होकर जो पराली जलता है और उसका धुंआ दिल्ली में आ रहा है, उसकी वजह से प्रदूषण बढ़ रहा है। यह समय एक-दूसरे पर उंगली उठाने का नहीं है और हमारा वह मकसद भी नहीं है।

पहले भी सरकार उठा रही कड़े कदम

इससे पहले दिल्ली सरकार ने कई कदम उठाए हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने 9 नवंबर को दिल्ली सचिवालय में संबंधित विभागों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की थी। धूल व धुएं से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए अभियान चल रहा है।

इसकी 10 विभागों को जिम्मेदारी दी गई है। इन विभागों ने 550 टीमें गठित की हैं, जिसमें 304 टीमें दिन में और 246 टीमें रात में पेट्रोलिंग कर ओपेन बर्निंग के मामलों को रोकेंगी। इसके अलावा संबंधित विभागों को दिल्ली में डीजल जेनसेट व कोल भट्ठियां बंद करने, पार्किंग फीस बढ़ाने, मेट्रो व बस के फेरे बढ़ाने और आरडब्ल्यूए से गार्डों को हीटर दिलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में 114 की जगह अब 400 टैंकर से पानी का छिड़काव किया जाएगा। वहीं, 20 नवंबर तक दिल्ली सरकार 4 हजार एकड़ खेतों में पराली गलाने के लिए बायो डि-कंपोजर घोल के छिड़काव का काम पूरा कर लेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण पर ये की थी गंभीर टिप्पणियां

बताते चलें की सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान कई अहम टिप्पणियां कीं. इस दौरान कोर्ट ने यह भी कहा की दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण एक ज्वलंत मुद्दा है. प्रदूषण के हालात इतने खराब हैं कि घर में भी मास्क लगाना पड़ रहा है. प्रदूषण के हालात बेहद खराब हैं, आपातकालीन स्थिति बन गई है. कोर्ट ने तो यहां तक टिप्पणी कर दी की सख्त कदम उठाने की जरूरत है तो अगर जरूरत पड़े तो लॉकडाउन भी लगाया जाए. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार ने स्कूल खोल दिए हैं. बच्चों को स्कूल जाने पर मजबूर किया जा रहा है. ऐसे में उनके फेफड़े खराब हो सकते हैं. इस पर भी दिल्ली सरकार विचार करना चाहिए. वहीं दिल्ली सरकार के द्वारा लगाए गए स्मॉग टावर का क्या हुआ.

सेना के काफिले पर आतंकी हमला, कर्नल और 4 जवान सहित सात की मौत

इंफाल। मणिपुर में सेना के काफिले को शनिवार को निशाना बनाया गया. आतंकियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में भारतीय सेना के एक कर्नल, उनकी पत्नी और बेटे तथा चार अन्य जवान मारे गए हैं. रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी. यह हमला इस क्षेत्र में वर्षों में हुए सबसे घातक हमलों में से एक है. मणिपुर पुलिस के खुफिया सूत्रों की मानें तो इस हमले के पीछे इलाके में सक्रिय 3-4 आतंकवादी समूहों की एक संयुक्त टीम का हाथ हो सकता है. पहले आईईडी ब्लास्ट हुआ और फिर सड़क के दोनों ओर से भारी फायरिंग हुई. मणिपुर मुठभेड़ पर डीजी असम राइफल्स ने अपने बयान में कहा कि 13 नवंबर को 11 बजे असम राइफल्स के एक काफिले पर थिंगघाट, मणिपुर में विद्रोहियों द्वारा घात लगाकर हमला किया गया. 46 असम राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विप्लव त्रिपाठी सहित पांच जवानों ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया है. घटना में कमांडिंग ऑफिसर की पत्नी और बच्चे की भी जान चली गई. डीजी और असम राइफल्स के सभी रैंक ने बहादुर सैनिकों और शहीदों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. सूत्रों ने बताया कि 46 असम राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विप्लव त्रिपाठी शनिवार को एक फॉरवर्ड कैंप गए थे और वहां से वापस लौट रहे थे जब उनके काफिले पर घात लगाकर हमला किया गया. सूत्रों ने कहा कि माना जा रहा है कि इस हमले के पीछे मणिपुर के आतंकी समूह पीपुल्स लिबरेशन आर्मी या PLA का हाथ है. हालांकि अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है. मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने आर्मी अफसर और उनके परिवार की मौत की पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि उग्रवादियों को पकड़ने के लिए काउंटर ऑपरेशन शुरू किया गया है. केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर के कहा, मणिपुर के चुराचांदपुर में असम राइफल्स के काफिले पर हुआ कायर्तापूर्ण हमला बेहद दर्दनाक और निंदनीय है. देश ने सीओ 46 एआर समेत पांच बहादुर जवानों और दो परिवार के सदस्यों को खो दिया है. शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं. जल्द ही दोषियों को के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. मुख्यमंत्री ने ट्वीट में लिखा, 46 असम राइफल्स के काफिले पर कायरतापूर्ण हमले की निंदा करता हूं, जिसमें कमांडिंग ऑफिसर और उनके परिवार के समेत कुछ जवानों की आज मौत हो गई है. राज्य पुलिस और पैरा मिलेट्री आतंकियों को पकड़ने के काम में लगी हुई है. दोषियों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाएगा.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना शनिवार सुबह करीब 10 बजे मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में म्यांमार सीमा के पास हुई. सूत्रों ने कहा कि असम राइफल्स के एक काफिले पर आतंकवादियों के एक अज्ञात समूह ने घात लगाकर हमला किया.

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुठभेड़ में 26 नक्सली मारे गए, तीन जवान भी घायल : पुलिस अधिकारी

मुंबई । महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली जिले में हुई मुठभेड़ में 26 नक्सली ढेर किए गए हैं. उनकी लाशें मुठभेड़ स्थल से बरामद की गई हैं. इस एनकाउंटर में तीन जवान घायल हुए हैं, जिन्हें एयरलिफ्ट कर अस्पताल ले जाया गया है. जिले के एसपी अंकित गोयल ने इसकी पुष्टि की है.हालांकि घटना के बारे में विस्तार से जानकारी रविवार को पुलिस देगी. मुंबई से 900 किलोमीटर दूर पूर्वी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में शनिवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ में कम से कम 26 माओवादी मारे गए. जिला पुलिस अधीक्षक अंकित गोयल ने कहा, हमने जंगल से अब तक 26 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं. गोयल ने कहा कि मुठभेड़ सुबह मर्दिनटोला वन क्षेत्र के कोरची में हुई, जब सी-60 पुलिस कमांडो की एक टीम अतिरिक्त एसपी सौम्या मुंडे के नेतृत्व में तलाशी अभियान चला रही थी. हालांकि मारे गए माओवादियों की पहचान अभी नहीं हो पाई है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक उनमें से एक के शीर्ष विद्रोही नेता होने का संदेह है. अधिकारियों ने पहले कहा था कि कार्रवाई में चार पुलिसकर्मी भी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से नागपुर ले जाया गया. बता दें कि महाराष्ट्र का यह जिला छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित है.

महाराष्ट्र : त्रिपुरा हिंसा के विरोध मामले में 20 प्राथमिकी दर्ज, 20 लोग पकड़े गए, अमरावती में धारा 144 लागू

मुंबई । त्रिपुरा में साम्प्रदायिक हिंसा के विरोध में महाराष्ट्र के पांच जिलों में हुई रैलियों में पथराव की घटना के संबंध में कम से कम 20 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. शुक्रवार को कुछ मुस्लिम संगठनों द्वारा निकाली गई रैलियों के दौरान पथराव की घटनाएं मुख्य रूप से अमरावती, मालेगांव और नांदेड़ शहर में हुई थीं.

अधिकारियों ने कहा था कि पूर्वी महाराष्ट्र के अमरावती शहर में एक ज्ञापन देने के लिए जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर आठ हजार से अधिक लोग इकट्ठा हो गए. इस ज्ञापन में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ अत्याचार को रोकने की मांग की गई थी. जब लोग ज्ञापन सौंप कर निकल रहे थे तब कोतवाली पुलिस थाने के अंतर्गत चित्रा चौक और कॉटन मार्केट के बीच तीन स्थानों पर पथराव हुआ. एक अधिकारी ने बताया कि कोतवाली थाना पुलिस ने दंगे सहित विभिन्न आरोपों में 11 मामले दर्ज किए हैं और दस लोगों को गिरफ्तार किया है. उन्होंने बताया कि किसी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए अमरावती में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, स्थिति अब सामान्य है. मालेगांव में भी शुक्रवार दोपहर विरोध मार्च के दौरान पथराव हुआ.

पुलिस ने बताया कि भीड़ को तितर बितर करने के लिए लाठियां चलानी पड़ीं, घटना में पुलिस का एक वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया. मालेगांव में कम से कम दस पुलिसकर्मी घायल हो गए थे. उन्होंने बताया कि तीन प्राथमिकी दर्ज की गईं हैं और दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है. एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि नांदेड़ में भी पथराव हुआ था जिसमें आठ पुलिसकर्मी घायल हो गए. भीड़ ने पुलिस के चार वाहनों को भी क्षतिग्रस्त किया. महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल ने एक बयान में कहा था कि त्रिपुरा में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ हिंसा के खिलाफ राज्य में निकाले गए विरोध मार्च ने कुछ जगहों पर हिंसक रूप ले लिया लेकिन स्थिति नियंत्रण में है वहीं मुस्लिम संगठन रजा अकादमी ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें त्रिपुरा में हिंसा से प्रभावित लोगों को मुआवजा दिए जाने और क्षतिग्रस्त मस्जिदों के पुनर्निर्माण की मांग की गई.

सुप्रीम कोर्ट : यूपी के अधिकारियों को बताया अभिमानी, वित्त सचिव समेत दो की गिरफ्तारी का रास्ता साफ

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को बेहद अहंकारी करार देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार की अपील शनिवार को खारिज कर दी और राज्य के वित्त सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) की गिरफ्तारी का रास्ता साफ कर दिया। इलाहाबाद हाई हाई कोर्ट ने आदेशों के विलंबित और आंशिक अनुपालन के लिए जमानती वारंट जारी किया। मामला इलाहाबाद में एक संग्रहण अमीन को सेवा नियमित करने और बकाया भुगतान से संबंधित है। हाई कोर्ट ने 1 नवंबर को पाया कि अधिकारी अदालत को खेल का मैदान मान रहे हैं और उन्होंने उस व्यक्ति को वेतन का बकाया देने से इनकार कर दिया है जिसे पहले सेवा के नियमितीकरण के सही दावे से वंचित किया गया था। अदालत ने कहा- चूंकि प्रतिवादियों (अधिकारियों) ने जानबूझकर अदालत को गुमराह किया है और याचिकाकर्ता को बकाया वेतन नहीं देने में अतिरिक्त महाधिवक्ता द्वारा दिए गए वादे का उल्लंघन किया है, यह न्यायालय प्रतिवादियों के निंदनीय आचरण के बारे में व्यथा और पीड़ा को दर्ज करता है। कोर्ट मानता है कि अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) और संजय कुमार, तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट, वर्तमान में सचिव (वित्त) के खिलाफ जमानती वारंट जारी करने का सही मामला बनता है। इन्हें 15 नवंबर को इस न्यायालय के समक्ष पेश होने का आदेश देता है।

बयान : महबूबा मुफ्ती ने भाजपा-आरएसएस को बताया सांप्रदायिक संगठन, कहा- धर्म के नाम पर फैलाते हैं हिंसा

जम्मू । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी(पीडीपी) मुखिया महबूबा मुफ्ती शनिवार को जम्मू स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि आरएसएस और भाजपा देश में हिंदू और मुसलमानों में झगड़ा करवा कर सियासत कर रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की विवादित किताब पर भी महबूबा मुफ्ती ने प्रतिक्रिया दी। पीडीपी मुखिया ने कहा कि भाजपा और आरएसएस दोनों सांप्रदायिक संगठन हैं। दोनों ने हिंदुत्व और हिंदू धर्म को हाईजैक कर लिया है। जो पार्टियां हिंदुओं और मुसलमानों के बीच संघर्ष चाहती हैं, उनकी तुलना न केवल आईएसआईएस से बल्कि इसी तरह के अन्य संगठनों से भी की जा सकती है, क्योंकि वे धर्म के नाम पर लोगों को मारते हैं। महबूबा मुफ्ती शुक्रवार शाम चार बजे श्रीनगर से जम्मू पहुंची थीं। महबूबा 17 नवंबर तक जम्मू में ही रहेंगी। इससे पहले शुक्रवार को जम्मू एयरपोर्ट पर महबूबा मुफ्ती के आने की भनक पाकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वहां पहुंचकर प्रदर्शन किया और महबूबा मुफ्ती वापस जाओ के नारे लगाए। बजरंग दल ने कहा कि महबूबा मुफ्ती आतंकवादियों व पाकिस्तान की समर्थक हैं। उन्हें जेल में बंद करने से कश्मीर में पूर्ण शांति बहाली में बड़ी मदद मिलेगी।

मधुबनी में पत्रकार की हत्या, अधजली लाश बरामद, भाई का आरोप- अस्पताल के खिलाफ खबर लिखने पर कराया मर्डर

मधुबनी । चार दिनों से लापता मधुबनी जिले के बेनीपट्टी के सोशल मीडिया के पत्रकार बुद्धिनाथ झा उर्फ अविनाश झा का अधजला शव शुक्रवार की देर रात पुलिस ने बरामद किया। शव बेनीपट्टी-पुपरी मुख्य पथ एसएच 52 के बगल में उड़ैन गांव के निकट पड़ा था। भाई चंद्रशेखर कुमार ने अपने भाई के गायब होने की एफआईआर कराई थी। बताया था कि उनका भाई वर्षों से बेनीपट्टी में चले रहे फर्जी नर्सिंग होम पर कार्रवाई के लिए कागजी प्रक्रिया कर रहा था। आरोप लगाया है कि एक साजिश के तहत भाई को गायब किया गया है।

मणिपुर हमले को लेकर बोले राहुल गांधी : राष्ट्र की सुरक्षा करने में असमर्थ है मोदी सरकार

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मणिपुर में हुए उग्रवादी हमले को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस घटना से एक बार फिर साबित हुआ कि मोदी सरकार राष्ट्र की सुरक्षा करने में असमर्थ है। आपको बता दें कि मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में शनिवार को उग्रवादियों ने सेना के काफिले पर घात लगाकर हमला किया। जिसमें असम राइफल्स यूनिट के एक कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विप्लव त्रिपाठी उनकी पत्नी और बेटे की मौत हो गई। इसके अलावा अर्धसैन्यबल के चार कर्मियों की भी मौत हुई है। राहुल गांधी ने एक ट्वीट में लिखा कि मणिपुर में सेना के क़ाफ़िले पर हुए आतंकी हमले से एक बार फिर साबित होता है कि मोदी सरकार राष्ट्र की सुरक्षा करने में असमर्थ है। शहीदों को मेरी श्रद्धांजलि व उनके परिवारजनों को शोक संवेदनाएँ। देश आपके बलिदान को याद रखेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमले में शहीद हुए जवानों और परिवार के सदस्यों को मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने एक ट्वीट में लिखा कि मणिपुर में असम राइफल्स के दस्ते पर हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं। इसमें शहीद हुए जवानों और परिवार के सदस्यों को मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

आंदोलनकारी किसानों को अनिल विज की नसीहत, बोले- वार्ता करने में सक्षम नहीं हैं नेता तो उन्हें बदलें

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन को एक साल पूरे होने वाले हैं। ऐसे में हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने किसानों को नसीहत दी है कि उन्हें अपने नेताओं से पूछना चाहिए कि वो जिन मुद्दों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं उसमें कितनी प्रगति हुई है। आपको बता दें कि 26 नवंबर को किसान आंदोलन का एक साल पूरा हो जाएगा। ऐसे में एक बार फिर आंदोलन को गति देने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा ने रणनीतियां तैयार की हैं। जिसके तहत शीतकालीन सत्र के दौरान फिर से केंद्र की मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की जाएगी। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि किसान आंदोलन को 1 साल हो गए हैं अब किसानों को अपने नेताओं से पूछना चाहिए कि जिस मुद्दों को लेकर आप आंदोलन कर रहे हैं उसमें कितनी प्रगति हुई। अगर उनको लगता है कि उनके नेता वार्ता करने में सक्षम नहीं है तो उन्हें नए नेता चुनना चाहिए, जो वार्ताकर समाधान निकाले।

क्या है किसानों की मांग ?

गौरतलब है कि किसानों संगठनों की मांग है कि मोदी सरकार तीनों कृषि कानूनों को वापस लें और इसके साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कानून बनाया जाए। लेकिन केंद्र ने तो पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वो कृषि कानूनों को वापस नहीं लेने वाली है। हालांकि बातचीत के जरिए कानूनों में जरूरी प्रावधान जरूर हो सकता है। ऐसे में दोनों पक्षों के बीच कई दौर की वार्ता भी हुई लेकिन वो विफल साबित हुई।

हवाई यात्रियों के लिए राहत की खबर, इन रूटों पर शुरू हो सकती हैं फ्लाइटें

नई दिल्ली। Covid Mahamari की चौथी लहर के बीच इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करने पर विचार हो सकता है। क्योंकि एक संसदीय समिति के कुछ सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के ऊंचे किराये पर चिंता जताई और नागर विमानन मंत्रालय को अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों को फिर से शुरू करने पर विचार करने का सुझाव दिया। सूत्रों ने कहा कि परिवहन, पर्यटन और संस्कृति पर संसद की स्थायी समिति के सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के बढ़ते किराये को लेकर मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों से पूछताछ भी की। बता दें कि महामारी के चलते अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों के निलंबन को 30 नवंबर तक बढ़ा दिया गया है। हालांकि, वंदे भारत मिशन और द्विपक्षीय एयर बबल व्यवस्था के तहत विशेष अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मई, 2020 से संचालित की जा रही हैं। नागर विमानन सचिव राजीव बंसल, नागर विमानन महानिदेशक और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के अध्यक्ष ने शुक्रवार को संसदीय समिति के सामने अपना पक्ष रखा। सूत्रों ने कहा कि समिति के सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की

ऊंची दरों और दो घंटे से कम समय की घरेलू उड़ानों में भोजन और पेय नहीं परोसे जाने के बारे में पूछताछ की। इससे पहले केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि अगर घरेलू हवाई यात्रा के लिए किराए की सीमा नहीं बढ़ाई गई तो भारत में विमानन कंपनियों के लिए दिक्कत पैदा हो जाएगी, क्योंकि तेल की कीमत बीते 8 महीनों में 22 डॉलर प्रति बैरल बढ़कर 85 डॉलर प्रति बैरल हो गई हैं। उन्होंने कहा था कि देश में विमानन कंपनियों की कुल लागत संरचना में विमानन ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। घरेलू हवाई यात्रा इस साल 12 अगस्त को महंगी हो गई, जब उड्डयन मंत्रालय ने घरेलू किराए पर निचली और ऊपरी सीमा को बढ़ा दिया था। मंत्रालय ने 40 मिनट तक की अवधि वाली उड़ानों के लिए निचली सीमा को 2,600 रुपये से 11.53 प्रतिशत बढ़ाकर 2,900 रुपये कर दिया था। इन उड़ानों के लिए ऊपरी सीमा को 12.82 प्रतिशत बढ़ाकर 8,800 रुपये कर दी गई। सिंधिया ने कहा कि देखिए स्नञ्ज की कीमतों का क्या हुआ है। पिछले आठ महीनों में तेल की कीमतें 22 डॉलर प्रति बैरल बढ़कर 85 डॉलर हो गई हैं। इसलिए, विमानन कंपनियों की लागत चार गुना बढ़ गई है।

अमीरों पर ज्यादा पड़ रही महंगाई की मार, जानें रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट में क्या आया सामने

नई दिल्ली । देश में महंगाई को लेकर रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट कहा कि 20 फीसदी सबसे अमीर आबादी को 20 फीसदी सबसे गरीब आबादी की तुलना में ज्यादा महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही इसमें कहा गया है कि महंगाई का स्तर अभी भी उच्च बना हुआ है, जो कम होता नजर नहीं आ रहा है। अमीर और गरीब दोनों वर्ग इससे प्रभावित हो रहे हैं, हालांकि प्रभावशीलता में अंतर जरूरी है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, देश में 20 फीसदी सबसे गरीब आबादी दूसरे संसाधनों की तुलना में खाद्य वस्तुओं पर अधिक खर्च करती है। अक्तूबर के दौरान के इसमें कमी दर्ज की गई है। वहीं 20 फीसदी सबसे अमीर आबादी गैर-खाद्य वस्तुओं पर अधिक पैसा उड़ाते हैं, जिनके दामों में इजाफा हुआ है। यही कारण है कि अमीरों पर महंगाई की मार ज्यादा पड़ी है। शुक्रवार को आए मुद्रास्फीति के आंकड़ों को देखें तो सितंबर 2021 की तुलना में खुदरा महंगाई अक्तूबर 2021 में बढ़ गई है। बता दें कि खुदरा महंगाई का यह आंकड़ा अक्तूबर 2020 में 7.6 फीसदी के उच्च स्तर पर था।

रेटिंग एजेंसी ने इस तरह किया आकलन

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एनएसएसओ डेटा का उपयोग करते हुए तीन आय समूहों में औसत खर्च पैटर्न का अनुमान लगाया है। इसमें 20 फीसदी गरीब, 60 फीसदी मध्य वर्गीय और 20 प्रतिशत उच्च आय वर्ग आबादी शामिल थी। इसके बाद एजेंसी ने मौजूदा मुद्रास्फीति के रुझान के साथ इन्हें मैप किया ताकि पता लगाया जा सके किस वर्ग पर महंगाई का कितना प्रभाव पड़ा। इसमें पाया गया कि 20 फीसदी गरीब आबादी की तुलना में 20 फीसदी अमीर आबादी महंगाई से ज्यादा प्रभावित रही।

पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ने का असर

रिपोर्ट के मुताबिक, अक्तूबर में शहरी क्षेत्र में महंगाई बढ़ने का प्रमुख कारण पेट्रोलियम पदार्थों में उछाल और कोर इंफ्लेशन है। तेल में तेजी के कारण शहरी क्षेत्र में महंगाई में इजाफा हुआ है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में खाद्ध पदार्थों पर महंगाई कम रहने के कारण महंगाई का असर कम हुआ। सितंबर के मुकाबले अक्टूबर में ग्रामीण भारत में महंगाई दर और कम रही है।

क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, 20 फीसदी ग्रामीण आबादी के लिए अक्तूबर में महंगाई दर 4.4 फीसदी रही, जबकि 20 फीसदी शहरी लोगों के लिए यह आंकड़ा 5 फीसदी रहा। ग्रामीण क्षेत्र में 60 फीसदी मध्यवर्गीय आबादी के लिए महंगाई दर 4 फीसदी, जबकि शहरी 60 फीसदी मध्यवर्गीय आबादी के लिए महंगाई दर 4.9 फीसदी रही। इसके अलावा ग्रामीण एरिया में 20 फीसदी गरीब आबादी के लिए महंगाई 3.9 फीसदी और शहरी क्षेत्र में 20 फीसदी गरीब आबादी के लिए महंगाई का स्तर 4.9 फीसदी रहा।

काम की खबर : होम लोन के लिए कर रहे हैं आवेदन, तो पहले जान लें कहां-कहां करना होगा खर्च

नई दिल्ली । अपने सपनों का घर खरीदना हर किसी का सपना होता है। लोग घर खरीदने के लिए अपनी कमाई से पाई- पाई जोड़ते हैं। इसके बाद भी अगर रकम पूरी नहीं होती तो घर खरीदने के लिए कर्ज (होम लोन) लेने की योजना बनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी होम लोन लेने का मन बना रहे हैं तो उसके खर्च का आकलन पहले कर लेना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। होम लोन के लिए आवेदन करने से पहले कई बैंकों से इसकी पड़ताल करके आप यह जान सकते हैं कि किससे कर्ज लेना ज्यादा सस्ता है। कई बैंक या हाउसिंग कंपनियां ब्याज दर कुछ कम रखती हैं, लेकिन उनका प्रोसेसिंग शुल्क ऊंचा होता है। ऐसे में होम लोन लेने के लिए आवेदन के पहले उसके खर्च के बारे में जानना बेहद जरूरी है।

होम लोन के लिए आवेदन करने से पहले कई बैंकों से इसकी पड़ताल करके आप यह जान सकते हैं कि किससे कर्ज लेना ज्यादा सस्ता है। कई बैंक या हाउसिंग कंपनियां ब्याज दर कुछ कम रखती हैं, लेकिन उनका प्रोसेसिंग शुल्क ऊंचा होता है।

अलग-अलग प्रोसेसिंग शुल्क बसूलते हैं बैंक

होम लोन के लिए बैंक और हाउसिंग कंपनियों का शुल्क अलग-अलग है, जो कर्ज राशि का दो फीसदी तक होता है। एलआईसी हाउसिंग 10 से 15 हजार रुपये की तय शुल्क लेती है। वहीं एचडीएफसी कर्ज राशि का 0.5 फीसदी लेती है लेकिन इसकी सीमा अधिकतम तीन हजार रुपये तक कर रखी है। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक 0.5 फीसदी से दो फीसदी तक शुल्क बसूलता है, जिसकी अधिकतम सीमा दो हजार रुपये है।

लीगल खर्च समेत कई जगह भुगतान

बैंक होम लोन के लिए सिर्फ प्रोसेसिंग शुल्क ही नहीं बसूलता। बल्कि आपको इसके लिए और भी कई खचर्चे करने पड़ते हैं। बैंक होम लोन देने के दौरान बैंक कानूनी (लीगल) खर्च, संपत्ति की पड़ताल, आवेदन की नौकरी समेत कई तथ्यों की जांच करते हैं। इसमें खर्च आता है। बैंक कर्ज लेने वाले से इसका भुगतान सीधे वकील या संबंधित व्यक्ति को करने को कहते हैं। कर्ज के लिए बैंक एक करार करवाते हैं जिसपर स्टांप शुल्क ग्राहक को चुकाना होता है। इसके अलावा नोटरी का खर्च भी शामिल होता है।

पजेशन से पहले प्री-ईएमआई बसूलते हैं बैंक

अगर आपका होम लोन मंजूर हो चुका है, लेकिन बिल्डर ने आपको घर का पजेशन नहीं दिया है। यानी कर्ज मंजूरी के बाद यदि फ्लैट पर मालिकाना हक मिलने में देरी होती है तो बैंक उस स्थिति में प्री-ईएमआई वसूलते हैं। इस आपकी किस्त की केवल ब्याज राशि होती है। इसके लिए बैंक कर्ज देते समय उतनी राशि अनुमान के आधार पहले ही काट लेते हैं।

रोज वैली धनशोधन मामले में ईडी ने सात ठिकानों पर की छापेमारी, इन लग्जरी कारों को किया जब्त

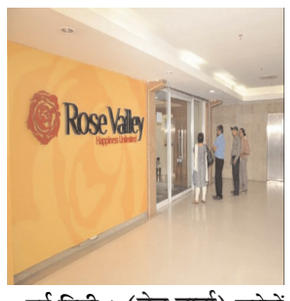

नई दिल्ली । (वेब वार्ता) करोड़ों रुपये के रोज वैली धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने हाल ही में ताजा छापेमारी की है। इस कार्रवाई में ईडी ने सात चार पहिया वाहन जब्त किए हैं। संघीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि उसने 10 नवंबर को पश्चिम बंगाल में सात स्थानों पर छापे मारे, यहां से दो महिंद्रा बोलेरो एसयूवी, एक होंडा सिटी कार, एक टोयोटा इनोवा, एक टाटा इंडिका, एक हुंडई वेरना और एक कार जब्त की गई। इनकी कुल कीमत करीब 1 करोड़ रुपये है।

अब तक 1000 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति कुर्क

इन वाहनों को रोज वैली समूह की कंपनियों द्वारा अपराध की आय से अधिग्रहित किया गया था। गौरतलब है कि रोज वैली समूह की कंपनियों पर विभिन्न नकली और काल्पनिक योजनाओं को चलाकर और पुनर्भुगतान में चूक करके जनता से भारी मात्रा में धन इकट्ठा करने का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में अब तक कुल 1,103.61 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है।

क्या है रोज वैली धन शोधन मामला

प्रवर्तन निदेशालय ने साल 2014 में फर्म, उसके अध्यक्ष गौतम कुंडू और अन्य के खिलाफ धनशोधन का आपराधिक मामला दर्ज किया था। इसके बाद कार्रवाई करते हुए उन्हें कोलकाता में गिरफ्तार किया गया था। कोलकाता में एक विशेष पीएमएलए अदालत ने रोज वैली समूह की एक कंपनी के अधिकारी अरुण मुखर्जी को धनशोधन मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल कड़े कारावास की सजा सुनाई है।

ईडी के अनुसार, रोज वैली समूह ने इन योजनाओं के तहत निवेशकों से 12,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि एकत्र की है।

लगातार नौवें दिन भी स्थिर रहे पेट्रोल-डीजल के दाम, जानें अपने शहर की कीमतें

नई दिल्ली । (वेब वार्ता) सरकारी तेल कंपनियों की ओर से आज नौवें दिन भी पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आज भी पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव न होने से उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली है। बुधवार को आम आदमी को राहत देते हुए तेल के दामों में बड़ी गिरावट की गई थी। इससे पहले कई राज्यों में डीजल के दाम 100 रुपये से ऊपर पहुंच चुके थे। देश में रोजाना बढ़ते पेट्रोल-डीजल के दाम आम आदमी की आमदनी पर असर डाल रहे थे। दिल्ली में पेट्रोल का दाम 103.97 रुपये जबकि डीजल का दाम 86.67 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 109.98 रुपये व डीजल की कीमत 94.14 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 104.67 रुपये जबकि डीजल का दाम 89.79 रुपये लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 101.40 रुपये लीटर है तो डीजल 91.43 रुपये लीटर है। बता दें कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पेट्रोल का भाव 100 रुपये पार हो चुका है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत सबसे अधिक है। पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, आपको अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा।

हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा। बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है। इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं। वे खुद को खुदरा कीमतों पर उपभोक्ताओं के अंत में करों और अपने स्वयं के मार्जिन जोड़ने के बाद पेट्रोल बेचते हैं। पेट्रोल रेट और डीजल रेट में यह कॉस्ट भी जुड़ती है।

आरबीआई : लक्ष्मी कोऑपरेटिव बैंक पर लगाई पाबंदियां, छह माह तक सिर्फ एक हजार रुपये निकाल सकेंगे ग्राहक

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को लक्ष्मी कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड सोलापुर पर कई पाबंदियां लगाई हैं, जिसमें ग्राहकों की वित्तीय स्थिति में गिरावट के कारण निकासी सीमा एक हजार रुपये तय होना शामिल है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत लगाई गई पाबंदियां 12 नवंबर 2021 को कारोबार बंद होने से छह महीने तक लागू रहेंगी और समीक्षा के अधीन हैं। आरबीआई निर्देशों के अनुसार, बैंक, बिना भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्वानुमोदन के किसी भी ऋण और अग्रिमों को अनुदान नहीं करेगा। इसके साथ ही न ही कोई निवेश करेगा, कोई दायित्व नहीं लेगा और किसी भी भुगतान को देने के लिए सहमत नहीं होगा। आरबीआई ने कहा, विशेष रूप से सभी बचत बैंक या चालू खातों या जमाकर्ता के किसी अन्य खाते में कुल शेष राशि के एक हजार रुपये से अधिक की राशि को निकालने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा आगे कहा कि आरबीआई द्वारा निर्देशों के मुद्दे को बैंकिंग लाइसेंस रद्द करने के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। बैंक अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार होने तक प्रतिबंधों के साथ बैंकिंग कारोबार करना जारी रखेगा। बीते सोमवार को भी आरबीआई ने बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक, यवतमाल, महाराष्ट्र पर भी इसी तरह की पाबंदी लगाई थीं।

बंटवारा : जॉनसन एंड जॉनसन उपभोक्ता स्वास्थ्य कारोबार को अलग करेगी, दो वैश्विक कंपनियां बनेंगी

मुंबई । विश्व की अग्रणी दवा व हेल्थ केयर कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन ने अपने उपभोक्ता स्वास्थ्य कारोबार Consumer Health business को अलग करने का फैसला किया है। इसके जरिए वह एक नई सार्वजनिक कारोबार करने वाली कंपनी बनाएगी। इस सुनियोजित बंटवारे से दो वैश्विक कंपनियां स्थापित होंगी। ये नवोन्मेष के माध्यम से ग्राहकों व रोगियों को परिष्कृत स्वास्थ्य उत्पाद मुहैया कराएंगी। कंपनी के सीईओ एलेक्स गोर्स्की ने कहा कि एक व्यापक समीक्षा के बाद बोर्ड और प्रबंधन टीम का मानना है कि उपभोक्ता स्वास्थ्य व्यवसाय का नियोजित पृथक्करण रोगियों, उपभोक्ताओं और स्वास्थ्य पेशेवरों की सेवा करने के हमारे प्रयासों में तेजी लाने, हमारी प्रतिभाशाली वैश्विक टीम के लिए अवसर पैदा करने और सबसे महत्वपूर्ण दुनिया भर के लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल के परिणामों में सुधार लाने का सबसे अच्छा तरीका है। जॉनसन एंड जॉनसन को उम्मीद है कि कंपनी बोर्ड द्वारा अनुमोदित होने पर अगले दो वर्षों में कंपनी का विभाजन हो जाएगा। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि दवाएं और चिकित्सा उपकरण बेचने वाली कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन को अपने नाम के रूप में रखेगी। नयी उपभोक्ता स्वास्थ्य कंपनी में न्यूट्रोजेना, एवीनो, टाइलेनॉल, लिस्टरीन, जॉनसन और बैंड-एड सहित कई ब्रांडों के उत्पादों को रखा जाएगा। इससे साल में लगभग 15 अरब डॉलर का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है।

एक नजर

अनुदान: केंद्र ने राज्यों को जारी किए 8453 करोड़ रुपये, स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर बनाने के लिए होंगे खर्च

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने शनिवार को राज्यों में स्वास्थ्य सुविधाओं के बेहतर बनाने के लिए बड़ी राशि जारी की है। केंद्र ने राज्यों को 8,453.92 करोड़ रुपये का अनुदान स्वास्थ्य सेक्टर के लिए जारी किया है। यह अनुदान 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर जारी किया गया है। सरकार की ओर से यह अनुदान 19 राज्यों में प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य सुविधा प्रणालियों की खामियों को दूर करने के लिए जारी किया गया है। सरकार की ओर से बताया गया कि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाना हमारा लक्ष्य है। केंद्र सरकार की ओर से जारी किए गए बयान में बताया गया कि वित्त वर्ष 2021-22 में 13,192 करोड़ रुपये का अनुदान जारी करने की सिफारिश की गई है। इसमें ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 8,273 करोड़ रुपये और शहरी स्थानीय निकायों के लिये 4,919 करोड़ रुपये शामिल हैं। सरकार ने कहा है कि ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकाय प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। अत्यानुधिक उपचार प्रदान करने में और सर्वकालिक स्वास्थ्य सुविधा के लक्ष्य को पूरा करने में ये बेहतर योगदान दे सकते हैं।

रेल यात्रियों के लिए सबसे बड़ी राहत, ट्रेन किराया घटने के साथ सुहाना होगा रेलवे से सफर

नई दिल्ली। किराये में वृद्धि पर यात्रियों के दबाव का सामना करने के बाद रेलवे ने मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए 'विशेष' टैग हटाने तथा महामारी से पहले के किराये पर तत्काल प्रभाव से लौटने का शुक्रवार को एक आदेश जारी किया। जब से कोरोना वायरस की वजह से लगे लॉकडाउन में ढील दी गई थी, रेलवे केवल विशेष ट्रेनें चला रहा है। इसकी शुरुआत लंबी दूरी की ट्रेनों से हुई थी और अब, यहां तक कि कम दूरी की यात्री सेवाओं को थोड़ा अधिक किराए÷ वाली विशेष ट्रेनों के रूप में चलाया जा रहा है ताकि लोगों को परिहार्य यात्रा से हतोत्साहित किया जा सके। रेलवे बोर्ड ने शुक्रवार को जोनल रेलवे को लिखे पत्र में कहा कि ट्रेनें अब अपने नियमित नंबर के साथ परिचालित की जाएंगी और किराया कोविड पूर्व दर जैसा सामान्य हो जाएगा। बता दें कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसी हफ्ते ट्रेनों से स्पेशल टैग हटाने की बात कही थी। हमारे रांची ब्यूरो के मुताबिक रेलवे बोर्ड के स्पेशल टैग हटाने के फैसले से सिर्फ रांची रेल मंडल अंतर्गत 44 ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों की जेब पर बोझ कम होगा। रेलवे ने सामान्य ट्रेनों को स्पेशल ट्रेन का नाम देकर किराया काफी बढ़ा दिया था। स्पेशल ट्रेनों को लगातार एक्सटेंशन देकर चलाया जा रहा था। इसमें स्लीपर क्लास में ढाई सौ के करीब, थर्ड एसी में सामान्य दर से 550 और सेकंड AC में 750 रुपये तक अधिक बड़ा यात्रियों से वसूला जा रहा है। अब इन किरायों में कटौती होगी। रेल मंत्री ने यह भी कहा था कि वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों और विशेष श्रेणी के यात्रियों को पहले की तरह किराये में रियायत भी मिलने लगेगी। रेल मंत्रालय स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मंत्री ने बताया था कि देश के 25 हजार से अधिक पोस्ट आफिस में रेल टिकटों की भी बिक्री हो रही है। लोग इसमें रुचि दिखा रहे हैं। इसका दायरा और बढ़ाया जाएगा।

अंतरिक्ष में जन्म, धरती पर सैर, जेफ बेजोस की नजर में कुछ ऐसा होगा फ्यूचर

नई दिल्ली। आने वाले वक्त में अंतरिक्ष में इंसान पैदा होगा। वहीं, धरती को हॉलीडे स्पॉट के तौर पर देखा जाएगा। ये अनुमान ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस का है। जेफ बेजोस ने एक कार्यक्रम में भविष्य को लेकर कई अहम बातें कही हैं। जेफ बेजोस का कहना है कि जैसे इंसान हॉलीडे के लिए अलग-अलग देश या प्लेस पर जाता है, उसी तरह अंतरिक्ष में पैदा हुआ इंसान भी सैर के लिए धरती पर आएगा। आपको बता दें कि जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन है। हाल ही में जेफ बेजोस ने अपनी इस कंपनी के जरिए अंतरिक्ष की सैर की थी। जेफ बेजोस ने बताई कैसी होगी बस्ती ¬ बेजोस के मुताबिक लोग अंतरिक्ष में पैदा होंगे, यह उनका पहला घर होगा। वे इन कॉलोनियों में पैदा होंगे, इन कॉलोनियों में रहेंगे, फिर वे पृथ्वी की यात्रा करेंगे। जिस तरह से आप घूमने के लिए पार्क या कहीं और जाते हैं। पृथ्वी के मौसम और गुरुत्वाकर्षण की नकल की जाएगी। ये घर तैरते हुए होंगे और इसमें 10 लाख लोग रह सकेंगे और वहां पर नदियां, जंगल और वन्यजीव भी होंगे। बेजोस ने कहा कि अंतरिक्ष में घरों की तरह बस्तियां होंगी। जेफ बेजोस की दौलत आपको बता दें कि ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के मुखिया जेफ बेजोस की दौलत 200 बिलियन डॉलर के करीब है। वह दुनिया के दूसरे सबसे दौलतमंद अरबपति बने हुए हैं। जेफ बेजोस से आगे एलन मस्क हैं। एलन मस्क दुनिया के सबसे दौलतमंद अरबपति हैं।

लैटेंट व्यू के आईपीओ को रिकॉर्ड आवेदन मिले, फिनो की लिस्टिंग रही फिसड्डी

नई दिल्ली। लैटेंट व्यू एनालिटिक्स लि. के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को आज निर्गम के आखिरी दिन 326.49 गुना अभिदान मिल गया। कंपनी के आईपीओ के प्रति सभी श्रेणी के निवेशकों ने जबर्दस्त उत्साह दिखाया है। दूसरी तरफ फिनो पेमेंट्स की शुरुआत खराब रही है। NSE के आंकड़ों के अनुसार, लैटेंट व्यू के 600 करोड़ रुपये के 1,75,25,703 शेयरों के आईपीओ पर 5,72,18,82,528 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। गैर-संस्थागत निवेशकों के खंड को 850.66 गुना और पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के खंड में 145.48 गुना अभिदान मिला। खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित शेयरों पर 119.44 गुना बोलियां मिलीं। आईपीओ के तहत 474 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं जबकि 126 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई गई है। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 190 से 197 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। लैटेंट व्यू ने एंकर निवेशकों से 267 करोड़ रुपये जुटाए थे। फिनो पेमेंट्स बैंक के शेयरों की शुक्रवार को पहले दिन कमजोर शुरुआत हुई। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 577 रुपये पर करीब छह प्रतिशत के नुकसान के साथ बंद हुआ। बीएसई में कंपनी के शेयर की शुरुआत 548 रुपये पर हुई। यह निर्गम मूल्य पर पांच प्रतिशत की गिरावट है। दिन में कारोबार के दौरान एक समय कंपनी का शेयर 11.47 प्रतिशत के नुकसान से 510.80 रुपये पर आ गया था। अंत में यह 5.50 प्रतिशत के नुकसान से 545.25 रुपये पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी का शेयर 5.65 प्रतिशत के नुकसान के साथ 544.35 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। अंत में यह 5.73 प्रतिशत के नुकसान से 543.90 रुपये पर बंद हुआ।

एक नजर

देश में कोरोना से बढ़ा मौत का आंकड़ा, 24 घंटे में गयी 555 मरीजों की जान

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 11,850 नये मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 3,44,26,036 हो गई। वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर

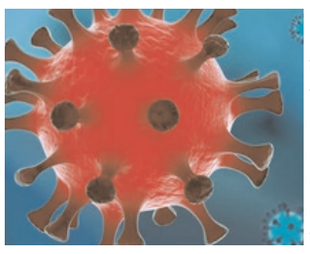

1,36,308 हो गई है जो पिछले 274 दिनों में सबसे कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार को अद्यतन किए गए आंकड़ों में यह जानकारियां सामने आईं। सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक देश में इस अवधि में 555 मरीजों की मौत होने से महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 4,63,245 हो गई है। कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामलों में दैनिक वृद्धि लगातार 36 दिनों से 20,000 से नीचे है और यह 139 दिनों से 50,000 से कम बनी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,36,308 हो गई है जो कुल संक्रमण का 0.40 प्रतिशत है। यह मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.26 प्रतिशत दर्ज की गई है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे ज्यादा है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,108 की कमी दर्ज की गई। दैनिक संक्रमण दर 0.94 प्रतिशत है। यह पिछले 40 दिनों से दो प्रतिशत से नीचे है। साप्ताहिक संक्रमण दर भी 1.05 प्रतिशत दर्ज की गई जो पिछले 50 दिनों से दो प्रतिशत से कम है। बीमारी से स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़कर 3,38,26,483 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.35 प्रतिशत है। देश में राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत कुल 111.40 करोड़ टीके दिए जा चुके हैं।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय बोले- पंजाब हरियाणा में पराली जलाने से राजधानी में प्रदूषण, बीजेपी ने केजरीवाल पर कसा तंज

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एक बार फिर पराली जलाने की घटना को लेकर चिंता जताई है. उन्होंने दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने के लिए पराली जलाने की घटना को मुख्य रूप से जिम्मेदार माना है. दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में जिस तरह से पराली जलाई जा रही है उससे दिल्ली में प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है. पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दावा किया कि 50 हजार से ज्यादा जगहों पर पराली जलाई गई है. इसी वजह से दिल्ली का प्रदूषण स्तर काफी खराब हो गया. उन्होंने कहा कि प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार तेजी के साथ काम कर रही है. पराली जलाने की वजह से ही दिल्ली की हवा खराब हुई. इसे लेकर जो भी कर सकते हैं हमारी सरकार कर रही है. इसके साथ ही दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि केंद्र सरकार ने पता नहीं क्यों चुप्पी साध रखी है ये हमारी समझ के परे है. हमने फिर से पत्र भेजा है. केंद्र सरकार इस मसले पर बैठक बुलाए. उन्होंने लोगों से भी अपील करते हुए कहा कि वो अपने स्तर से जितना हो सके प्रदूषण को कम करने में सहयोग करें. बीजेपी के सोशल मीडिया सेल के इंचार्ज अमित मालवीय ने प्रदूषण के केजरीवाल सरकार को जिम्मेदार ठहराया है. उन्होंने कहा कि यमुना का पानी आज जहरीला हो गया है. दिल्ली में वायु प्रदूषण से लोगों का दम घुट रहा है और इन सबके लिए केजरीवाल ही जिम्मेदार हैं.

साकेत कोर्ट की सातवीं मंजिल पर मिला लिफ्ट ऑपरेटर का शव, मची सनसनी

नई दिल्ली । दिल्ली के साकेत कोर्ट में शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब कोर्ट की इमारत के सातवें मंजिल पर एक शख्स का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान 31 वर्षीय लिफ्ट मैन के रूप में हुई है जो कोर्ट में काम करता था। पुलिस ने कहा कि अभी यह साफ तौर पर नहीं कहा जा सकता कि लिफ्ट ऑपरेटर की मृत्यु स्वाभाविक रूप से हुई है। हालांकि शरीर मृतक के शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं है और हमारी जांच अभी चल रही है। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में गुरुवार सुबह उस वक्त सनसनी मच गई जब यहां के वेस्ट विंग में स्थित एक चेंबर में शव पाया गया। शव की पहचान बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एक अस्थायी सदस्य मनोज (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया है कि उसने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं है। शुरुआती जांच के अनुसार, मनोज शराब पीने का आदी था और टीबी का मरीज था। पास में रखे कूड़ादान में खून की उल्टी की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि मनोज बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया का अस्थायी सदस्य था और अक्सर रात में चैंबर में रुक जाता था। आगे जांच चल रही है।

महिला ने ससुरालियों से मांगी 20 लाख की रंगदारी, गंदे मैसेज भेज ननद की तुड़वाई शादी, दोस्त संग रची साजिश

नई दिल्ली । दिल्ली के गोकलपुरी इलाके में पति से मनमुटाव होने पर एक महिला मायके आकर रहने लगी और एक युवक से दोस्ती कर ससुराल वालों को परेशान करने लगी। प्ले स्टोर के जरिए अंतरराष्ट्रीय व्हाट्सएप नंबर लेकर ससुराल वालों से 20 लाख की रंगदारी मांग ली। शिकायत दर्ज होने के बाद उत्तर पूर्वी जिला की साइबर सेल ने महिला के दोस्त को गिरफ्तार कर लिया, जबकि फरार महिला की तलाश जारी है। जिला पुलिस उपायुक्त संजय कुमार सैन ने बताया कि गिरफ्तार युवक की पहचान शाहबाज (21) के रूप में हुई है। 21 सितंबर को भागीरथी विहार निवासी इमरान ने गोकुलपुरी थाने में 20 लाख की रंगदारी मांगे जाने की शिकायत की। शिकायत में उसने बताया कि कुछ अंतरराष्ट्रीय नंबरों से उनके परिवार वालों के नंबर पर गंदे-गंदे मैसेज किए जा रहे हैं। आरोपियों ने उसके होने वाले बहनोई के मोबाइल नंबर पर भी गंदे मैसेज भेजे। जिसकी वजह से उसकी बहन का रिश्ता टूट गया। उसके बाद अंतरराष्ट्रीय नंबर से उसके पिता के मोबाइल पर मैसेज आया, जिसमें 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और जिले की साइबर सेल ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने व्हाट्सएप के मुख्यालय को पत्र लिखकर नंबरों को सत्यापन करने के लिए कहा। साथ ही आरोपियों के नंबरों को सर्विलांस पर लगाया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि सभी मैसेज ओल्ड मुस्तफाबाद के आमिर के मोबाइल के आईपी एड्रेस से किया गया है। पुलिस ने आमिर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जिसमें उसने बताया कि उसके फोन का इस्तेमाल उसका छोटा भाई शाहबाज कर रहा है। पुलिस ने शाहबाज को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मोबाइल फोन बरामद कर लिया। शाहबाज ने बताया कि इमरान की पत्नी के कहने पर वह उसके साथ मिलकर उसके ससुराल वालों को परेशान करने के लिए साजिश रची थी। पुलिस इमरान की पत्नी की तलाश कर रही है।

नियमों का उल्लंघन पड़ रहा भारी: दिल्ली में फिर बढ़ने लगे कोरोना के मामले, दो दिन में 20 इलाके सील

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण और त्योहारों के दौरान नियमों का उल्लंघन करने की वजह से दिल्ली में लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी कोरोना के मामले अधिक देखने को मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शनिवार को कोरोना के 56 नए मामले सामने आए, वहीं 66 मरीजों को छुट्टी दी गई। राहत की बात है कि किसी मरीज की कोरोना से मौत नहीं हुई। जबकि बीते शुक्रवार को 77 दिन बाद दिल्ली में 62 लोग संक्रमित मिले थे और 22 अक्तूबर के बाद दो मरीजों की जान चली गई थी। फिलहाल दिल्ली में अभी तक 14,40,388 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 14,14,934 मरीजों को छुट्टी दी जा चुकी है, जबकि 25,093 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। विभाग ने बताया कि कोरोना से मृत्युदर 1.74 फीसदी है। इनके अलावा नए मरीजों की संख्या बढ़ने की वजह से अब सक्रिय मामले भी बढ़कर 361 हो गए हैं। इनमें से विभिन्न अस्पतालों में 147 मरीज भर्ती हैं। वहीं कोविड केयर सेंटर में 3 और होम आइसोलेशन में 155 मरीजों का उपचार चल रहा है। विभाग ने बताया कि त्योहार निकलने के बाद जहां एक ओर दिल्ली में टीकाकरण अभियान तेज करने के लिए हर घर दस्तक अभियान शुरू किया गया है। वहीं

पिछले एक दिन में इस अभियान के 78,443 लोगों ने वैक्सीन लिया जिनमें 51,551 लोगों ने दूसरी खुराक ली है। अब तक राजधानी में 2.11 करोड़ से अधिक टीकाकरण हो चुका है जिनमें से 1.32 करोड़ लोग पहली खुराक ले चुके हैं और इनमें से 78.49 लाख लोग दोनों खुराक लेकर टीकाकरण पूरा कर चुके हैं। दिल्ली में कुल व्यस्क आबादी करीब 1.50 करोड़ के आसपास है और अभी भी करीब 18 करोड़ लोग वैक्सीन से दूर हैं। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले एक दिन में 58,483 सैंपल की जांच की गई थी जिनमें 0.10 फीसदी मरीज संक्रमित पाए गए। दूसरी लहर निकलने के बाद यह संक्रमण दर सबसे अधिक है क्योंकि पिछले चार महीने से दिल्ली में 0.03 से 0.05 फीसदी के बीच ही रोजाना सैंपल कोरोना संक्रमित मिल रहे थे। जबकि पिछले तीन दिन की बात करें तो बृहस्पतिवार को यह दर 0.08, शुक्रवार को 0.09 और अब 0.10 फीसदी दर्ज की गई है जो संक्रमण के प्रसार की ओर इशारा कर रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पिछले दो दिन में दिल्ली के 20 नए इलाके सील किए जा चुके हैं। यहां कोरोना संक्रमण के नए मामले मिलने की वजह से कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। इन इलाकों में किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। यहां सिविल डिफेंस, आशा वर्कर और जिला प्रशासन की टीमों को तैनात किया गया है। फिलहाल दिल्ली में ऐसे 117 कंटेनमेंट जोन हो चुके हैं जो लगभग सभी जिलों में मौजूद हैं।

कांग्रेस ने 'बिटक्वाइन घोटाले' में उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच की मांग की, कहा- बीजेपी सरकार इस पर पर्दा डाल रही

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कर्नाटक में एक कथित हैकर की गिरफ्तारी से संबंधित मामले को लेकर शनिवार को आरोप लगाया कि देश का सबसे बड़ा बिटक्वाइन घोटाला हुआ है और राज्य की बीजेपी सरकार इस पर पर्दा डाल रही है. पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की 'चुप्पी' पर भी सवाल किया और कहा कि इस मामले की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाए. उनके आरोप पर फिलहाल बीजेपी या कर्नाटक सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. उल्लेखनीय है कि करीब एक साल पहले बेंगलुरु में कथित हैकर श्रीकृष्णा उर्फ श्रीकी को गिरफ्तार किया गया था. उसके पास से करोड़ों रुपये के बिटक्वाइन जब्त किये गए हैं. श्रीकृष्णा पर सरकारी पोर्टलों की हैकिंग करने, 'डार्कनेट' के जरिए मादक पदार्थ मंगाने और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से उसका भुगतान करने का भी आराप है. कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक

प्रभारी सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, ''यह हिंदुस्तान का सबसे बड़ा बिटक्वाइन घोटाला है. इसके तार 14-15 मुल्कों से जुड़े हैं. इस मामले में हर चीज पर पर्दा डालने के षड्यंत्रकारी प्रयास किए गए. एनआईए और दूसरी एजेंसियों को अंधेरे में रखा गया. कर्नाटक की बीजेपी सरकार इस मामले पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है.'' सुरजेवाला ने दावा किया, ''इस कथित हैकर ने मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दिया. उसने खुद माना कि उसने आठ बार हैकिंग की है और यह स्वीकार किया है कि उसने 5000 बिटक्वाइन चुराए, बहुत सारी जानकारी उसने नहीं दी है.'' उन्होंने कुछ दस्तावेज जारी करते हुए दावा किया, ''दो मौकों पर एक दिसंबर, 2020 और 14 अप्रैल, 2021 को बिटक्वाइन ट्रांसफर किए गए. इस अवधि में कथित हैकर श्रीकृष्णा बेंगलुरू पुलिस की हिरासत में था. इस पूरे मामले में कर्नाटक की सत्ता में मौजूद लोगों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं. प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की चुप्पी पर सवाल खड़े होते हैं.'' सुरजेवाला के मुताबिक, मुख्यमंत्री बसवराव बोम्मई ने पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और खुद कहा है कि उन्होंने इस बैठक के दौरान बिटक्वाइन घोटाले पर चर्चा की. उन्होंने कहा, ''हम प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, मुख्यमंत्री और जेपी नड्डा से पूछना चाहते हैं कि बिटक्वाइन घोटाले के पीछे कौन लोग हैं?''

कांग्रेस नेता ने सवाल किया, ''इंटरपोल को सूचित क्यों नहीं किया गया? कर्नाटक की बीजेपी सरकार नवंबर, 2020 में कथित हैकर की गिरफ्तारी होने के बाद पांच महीने चुप क्यों रही? मुख्यमंत्री की भूमिका और जिम्मेदारी क्या है क्योंकि इस पूरे घटनाक्रम के समय वह राज्य के गृह मंत्री थे? एनआईए, ईडी और दूसरी एजेंसियों तथा रिजर्व बैंक को सूचित क्यों नहीं किया गया?'' उन्होंने कहा, ''इसकी जांच बीजेपी सरकार नहीं कर सकती. यह एक अंतरराष्ट्रीय बिटक्वाइन घोटाला है. इसकी जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की निगरानी में एसआईटी गठित की जाए. इंटरपोटल, दूसरी संबंधित एजेंसियों और रिजर्व बैंक के प्रतिनिधियों को भी इस जांच में शामिल किया जाए.''

ब्रिटेन में खालिस्तान पर जनमत, अजीत डोभाल ने कहा- मंजूर नहीं ऐसी हरकत

नई दिल्ली। हिंद-प्रशांत पर रणनीतिक साझेदार के रूप में भारत और ब्रिटेन एकमत हैं। हालांकि, नई दिल्ली ने लंदन में खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) को पंजाब के विलय पर 31 अक्टूबर को जनमत संग्रह करने देने को लेकर ब्रिटेन को खरी-खरी सुनाई है। लंदन के डाउन-टाउन में तथाकथित जनमत संग्रह पूरी तरह विफल रहा, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अपने ब्रिटिश समकक्ष स्टीफन लवग्रोव के सामने साफ किया कि मोदी सरकार को इस बात पर गहरी आपत्ति है कि ब्रिटेन ने प्रवासी भारतीयों के एक छोटे से हिस्से को हथियार बनाकर तीसरे देश के मामलों पर जनमत संग्रह की अनुमति दी। 3 नवंबर को लंदन में द्विपक्षीय रणनीतिक वार्ता के दौरान ब्रिटेन को भारतीय पक्ष से अवगत कराया गया।

बताया जा रहा है कि भारत ने यह साफ किया कि पंजाब में पूरी तरह शांति है और कट्टरवादी तत्वों को हर पांच साल में होने वाले विधानसभा या लोकसभा चुनावों में 1 फीसदी वोट भी नहीं मिलता है। मोदी सरकार ने इस बात पर गंभीर चिंता व्यक्त की कि प्रतिबंधित सिख संगठनों की ओर से चलाए जा रहे अलगाववादी अजेंडे पर ब्रिटेन सरकार आंखें मूंद लेती है। पाकिस्तानी तत्वों के प्रभाव और समर्थन से कट्टरपंथी सिख संगठन ब्रिटेन में तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। एसएफजे 2019 से भारत में प्रतिबंधित संगठन है और इसके नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू को आतंकवादी घोषित किए जा चुका है। इसके बावजूद यूके ने यूएस-आधारित चरमपंथी संगठन को भारतीय पंजाब पर एक अवैध जनमत संग्रह कराने की अनुमति दी।

यूरोपीय देशों जैसे फ्रांस, स्पेन और नीदरलैंड्स के साथ भारत के करीबी संबंध हैं, लेकिन यूके के साथ रिश्ता अफगानिस्तान, पाकिस्तान, कश्मीर और तथाकथित खालिस्तान मुद्दे पर लंदन की भूमिका की वजह से पटरी से उतर चुका है। हालांकि, भारत और यूके 2004 से ही रणनीतिक साझेदार हैं, लेकिन अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान को मौन समर्थन देना मोदी सरकार के लिए चिंता का विषय रहा है। माना जा रहा है कि यूके के एनएसए लवग्रोव ने भारतीय समकक्ष को भरोसा दिया कि भारत विरोधी गतिविधियों को समर्थन नहीं दिया जाएगा, मोदी सरकार की नजर इस बात पर है कि वादे को कितनी गंभीरता से निभाया जा रहा है।

क्रिप्टोकरेंसी पर पीएम की अध्यक्षता में बड़ी बैठक, मनी लांड्रिंग-आतंकी फंडिंग में इस्तेमाल पर जताई चिंता

नई दिल्ली। क्रिप्टोकरेंसी के मुद्दे पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई. इस मीटिंग में क्रिप्टोकरेंसी से संबंधित बढ़ती चिंताओं पर चर्चा की गई. सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि युवाओं से झूठे वादे कर और पैसों का लालच देकर उन्हें बरगलाने की किसी भी कोशिश को नाकाम करने को लेकर इस मीटिंग में चर्चा की गई. बैठक में यह तय किया गया कि क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सरकार विशेषज्ञों और स्टेक होल्डर्स के साथ लगातार चर्चा करती रहेगी. इस बैठक में इस बात पर भी चर्चा की गई कि अस्थायी क्रिप्टो मार्केट को मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग का हथियार नहीं बनने दिया जाएगा. यह बैठक रिजर्व बैंक, वित्त मंत्रालय और गृह मंत्रालय की उस संयुक्त परामर्श प्रकिया के बाद हुई, जिसमें मंत्रालयों ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर विभिन्न देशों और दुनियाभर के विशेषज्ञों से इस बारे में परामर्श किया था. सरकारी सूत्रों की मानें तो, इस बैठक में दुनियाभर में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर हुए फैसलों व तौर-तरीकों पर भी चर्चा हुई. इस बात पर जोर दिया गया कि युवाओं में क्रिप्टोकरेंसी के बढ़ते क्रेज और बड़े-बड़े वादे करने वाले विज्ञापनों पर रोक लगनी चाहिए. साथ ही अनियमित क्रिप्टो मार्केट को मनीलॉन्ड्रिंग और आतंकवाद को वित्त पोषित करने वाला अवसर नहीं बनने दिया जा सकता है. सरकार का मानना है कि क्रिप्टो करेंसी एक लगातार विकसित हो रही तकनीक है इसलिए इस कड़ी नजर रखने के लिए एहतियान कदम उठाए जाएंगे. इस बैठक में यह आम राय बनी है कि सरकार इस मुद्दे पर जो भी कदम उठाएगी, वह प्रोगेसिव और भविष्य को ध्यान में रखकर लिए जाएंगे. इस मामले में सरकार विशेषज्ञों और अन्य स्टेक होल्डर से लगातार बातचीत जारी रखेगी. चूंकि यह मामला देशों की सीमाओं से ऊपर है इसलिए वैश्विक साझेदारी और साझा रणनीति भी बनाई जाएगी.

दिल्ली में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़: क्राइम ब्रांच ने दो विदेशी लड़कियों को किया गिरफ्तार, एक कैब चालन भी अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा से जिस्मफरोशी के आरोप में दो उज्बेकिस्तान की युवतियों समेत तीन को गिरफ्तार किया है। 24 और 28 साल की दो विदेशी युवतियों के अलावा तीसरा आरोपी कैब चालक है। इसकी पहचान जहांगीरपुरी निवासी पूरन सिंह (47) के रूप में हुई है। पूरन विदेशी लड़कियों से दो-दो हजार रुपये कमीशन लेकर उनको ग्राहकों के पास छोड़कर आता था। विदेशी युवतियां भी ग्राहकों से 20 से 25 हजार रुपये लेती थीं। पुलिस को मामले में कई अन्य आरोपियों की तलाश है। पुलिस उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि विदेशी युवतियां वीजा समाप्त होने के बाद

भी भारत में अवैध रूप से रह रही थीं। अपराध शाखा की पुलिस उपायुक्त मोनिका भारद्वाज ने बताया कि उनकी टीम को सूचना मिली थी कि कुछ विदेशी लड़कियां भारत में वीजा समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से रुककर सेक्स रैकेट चला रही हैं। मोनू नामक एजेंट ग्राहकों को जरूरत के हिसाब से विदेशी लड़कियां उपलब्ध करवाते हैं। पुलिस की टीम ने नकली ग्राहक की मदद से मोनू से तीन से चार लड़कियां सप्लाई करने के लिए कहा। उसने एक लड़की के लिए 20 से 25 हजार रुपये की डिमांड की। बातचीत होने के बाद सेक्टर-15, रोहिणी में लड़कियों को बुलाया गया। इसके बाद एक कैब में दो लड़कियां वहां पहुंची। दोनों विदेशी युवती थीं। नकली ग्राहक ने उनसे बातचीत की और सौदा बीस हजार रुपये में तय हुआ। इसके बाद ग्राहक के इशारे पर दोनों युवतियों और कैब चालक पूरन को दबोच लिया गया। पूछताछ के दौरान दोनों युवतियों ने बताया कि वह टूरिस्ट वीजा पर भारत आई थीं। अपने खर्चे पूरे करने के लिए दोनों ने जिस्मफरोशी का धंधा शुरू कर दिया। पूरन ने बताया कि वह चार-पांच माह पूव रमेश नामक एक दलाल के संपर्क में आया था। उसके कहने पर ही उसने लड़कियों को ग्राहकों के पास छोड़ना शुरू किया। लड़कियां उसे एक लड़की के हिसाब से दो-दो हजार कमीशन देती थीं। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

क्राइम डायरी : दिल्ली में हर रोज चोरी होते हैं 103 वाहन, झपटमारी की 25 वारदातें

नई दिल्ली । ये भले ही सुनने में अटपटा लगे, मगर ये हकीकत है। दिल्ली में हर रोज 103 से ज्यादा वाहन चोरी होती हैं। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष नौ वाहन ज्यादा चोरी हो रहे हैं। पिछले वर्ष के शुरूआती दस महीने के मुकाबले इस वर्ष के शुरूआती दस महीने में वाहन चोरी व झपटमारी समेत ज्यादा वारदातों का ग्राफ बढ़ा है। गंभीर अपराधिक मामलों में भी मामूली बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। हालांकि दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना दिल्ली में अपराध को काबू करने के लिए आए दिन नए-नए कदम उठा रहे हैं। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष एक जनवरी से 31 अक्तूबर तक दिल्ली से 31,374 वाहन चोरी हुए हैं। इस हिसाब से हर रोज करीब 103 से ज्यादा वाहन चोरी हो रहे हैं। पिछले वर्ष एक जनवरी से लेकर 31अक्तूबर तक कुल 28,732 वाहन चोरी हुए थे। पिछले वर्ष के वाहन चोरी के आंकड़ों को देखे तो पिछले वर्ष हर रोज करीब 94 वाहन चोरी हो रहे थे। इसी तरह दिल्ली में झपटमारी की वारदातों में भी काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इस वर्ष शुरूआती दस महीनों में झपटमारी की 7,504 वारदातों हुई है। इस हिसाब से देखे तो दिल्ली में झपटमारी की हर रोज करीब 25 वारदात हो रही है। पिछले

वर्ष झपटमारी की 6,318 वारदात हुई थीं और हर रोज झटमारी की करीब 21 वारदात हो रही थी। गंभीर अपराधिक वारदातों में भी मामूली बढ़ोत्तीर हुई है।

पिछले वर्ष शुरूआती दस महीने में 4,614 गंभीर अपराधिक वारदातें हुई थी वहीं इस वर्ष 31 अक्तूबर तक 4,666 वारदात हो चुकी हैं। डकैती की वारदातो में भी बेहताश बढ़ोत्तरी हुई है। पिछले वर्ष के शुरूआती दस महीने में जहां 8 वारदात हुई थी वहीं इस वर्ष अभी तक डकैती की 20 वारदात हो चुकी हैं।

दिल्ली में कुल आईपीसी की वारदातों में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। पिछले वर्ष जहां 2,06,978 वारदात हुई थी वहीं इस वर्ष आईपीसी की कुल 2,41,550 वारदातों हो चुकी है। दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना राजधानी में अपराध को काबू करने के लिए काफी मजबूत कदम उठा रहे हैं। वह स्ट्रीट क्राइम को रोकने पर जोर दे रहे है। उन्होंनें पीसीआर वैन को थाने में मर्ज कर दिया। थानों को दो भागों में बांटकर लॉ एंड ऑर्डर व जांच विंग बनाई है। जिले में एक डीसीपी को रात में रूकने के आदेश दिए गए हैं। इलाके में सीनियर अफसरों की उपस्थिति बढ़ाई गई है।

सम्पादकीय

रंग लाएंगे राजभाषा को राष्ट्रभाषा और विश्वभाषा बनाने की दिशा में चल रहे प्रयास

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति और संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो हमारे पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है। आज देश में तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ अंग्रेजी पूरे देश पर हावी होती जा रही है। देश की राजभाषा हिंदी होने के बावजूद आज हर जगह अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है। हिंदी जानते हुए भी लोग हिंदी में बोलने, पढ़ने या काम करने में हिचकने लगे हैं। इसलिए भारत सरकार का प्रयास है कि हिंदी के प्रचलन के लिए उचित माहौल तैयार किया जा सके। राजभाषा हिंदी के विकास के लिए खासतौर से भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग का गठन किया गया है। भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो। इसी क्रम में आगामी 13-14 नवंबर को वाराणसी में राजभाषा विभाग द्वारा दो दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन के मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह होंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस सम्मेलन में हिंदी से जुड़े विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देशभर के हिंदी से जुड़े विद्वान हिस्सा लेंगे। केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करना अधिक आसान एवं सुविधाजनक हो गया है। राजभाषा विभाग द्वारा वेब आधारित सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है, जिससे भारत सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा अन्य रिपोर्टें राजभाषा विभाग को त्वरित गति से भिजवाना आसान हो गया है। सभी मंत्रालयों और विभागों ने अपनी वेबसाइटें हिंदी में भी तैयार कर ली हैं। सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा संचालित जन कल्याण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों को हिंदी में मिलने से गरीब, पिछड़े और कमजोर वर्ग के लोग भी लाभान्वित होते हुए देश की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। देश की स्वतंत्रता से लेकर हिंदी ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत सरकार द्वारा विकास योजनाओं तथा नागरिक सेवाएं प्रदान करने में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हिंदी तथा प्रांतीय भाषाओं के माध्यम से हम बेहतर जन सुविधाएं लोगों तक पहुंचा सकते हैं। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय द्वारा 'विश्व हिंदी सम्मेलन' और अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष सरकार द्वारा 'प्रवासी भारतीय दिवस' मनाया जाता है, जिसमें विश्व भर में रहने वाले प्रवासी भारतीय भाग लेते हैं। विदेशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम से भारतीय मूल्यों का विश्व में और अधिक विस्तार हो रहा है। विश्वभर में करोड़ों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को एक नई पहचान मिली है। भारतीय विचार और संस्कृति का वाहक होने का श्रेय हिंदी को ही जाता है। आज संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में भी हिंदी की गूंज सुनाई देने लगी है। हिंदी आम आदमी की भाषा के रूप में देश की एकता का सूत्र है। सभी भारतीय भाषाओं की बड़ी बहन होने के नाते हिंदी विभिन्न भाषाओं के उपयोगी और प्रचलित शब्दों को अपने में समाहित करके सही मायनों में भारत की संपर्क भाषा होने की भूमिका निभा रही है। हिंदी जन-आंदोलनों की भी भाषा रही है। हिंदी के महत्त्व को गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, ÷भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी÷। हिंदी के इसी महत्व को देखते हुए तकनीकी कंपनियां इस भाषा को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही हैं। यह खुशी की बात है कि सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी का इस्तेमाल बढ़ रहा है। आज वैश्वीकरण के दौर में, हिंदी विश्व स्तर पर एक प्रभावशाली भाषा बनकर उभरी है। आज पूरी दुनिया में 260 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकें बड़े पैमाने पर हिंदी में लिखी जा रही हैं। सोशल मीडिया और संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है। भाषा का विकास उसके साहित्य पर निर्भर करता है। आज के तकनीकी के युग में विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भी हिंदी में काम को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि देश की प्रगति में ग्रामीण जनसंख्या सहित सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके लिए यह अनिवार्य है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तकनीकी ज्ञान से संबंधित साहित्य का सरल अनुवाद किया जाए। इसके लिए राजभाषा विभाग ने सरल हिंदी शब्दावली भी तैयार की है। राजभाषा विभाग द्वारा राष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन योजना के द्वारा हिंदी में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकों के लेखन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे हमारे विद्यार्थियों को ज्ञान-विज्ञान संबंधी पुस्तकें हिंदी में उपलब्ध होंगी। हिंदी भाषा के माध्यम से शिक्षित युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकें, इस दिशा में निरंतर प्रयास भी जरूरी है। भाषा वही जीवित रहती है, जिसका प्रयोग जनता करती है। भारत में लोगों के बीच संवाद का सबसे बेहतर माध्यम हिंदी है। इसलिए इसको एक-दूसरे में प्रचारित करना चाहिये। हिंदी भाषा के प्रसार से पूरे देश में एकता की भावना और मजबूत होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के माध्यम से हम हिंदी के संपर्क भाषा और राजभाषा, दोनों रूपों की तरक्की में बेहतर योगदान कर पाएंगे।

राजभाषा की ओर बढ़ती जनभाषा

हिंदी को राजभाषा की सांविधानिक प्रतिष्ठा और मान्यता तो प्राय 72 साल पहले 1949 में मिली, किंतु इसे व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए जारी प्रयासों में 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' का ऐतिहासिक महत्व है। हिंदी के साहित्य तीर्थ वाराणसी में 13-14 नवंबर को आयोजित सम्मेलन राजभाषा हिंदी के प्रति नवजागरण व प्रयोग का नया अध्याय लिखेगा और भविष्य की दिशा सुनिश्चित करेगा। ऐसी आशा की जानी चाहिए। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा पहली बार राजभाषा चेतना का यह राष्ट्रीय आयोजन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की संकल्पना है। पिछले 72 वर्ष में राजभाषा के अनेक प्रयोगधर्मी छोटे-छोटे कार्यक्रम क्षेत्रीय और स्थानीय स्तर पर होते रहे हैं, किंतु प्रथम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य व्यापक हैं। प्रस्तावित छह सम्मेलनों की शृंखला में पहला काशी सम्मेलन राजभाषा की संकल्पना को मूर्त रूप देने में आधारशिला या प्रस्थान-बिंदु का काम करेगा। भाषा का प्रश्न अंकों और आंकड़ों से कहीं अधिक भाव और भावनाओं से जुड़ा है। राजकाज में हिंदी के प्रयोग की धीमी गति को त्वरा प्रदान करने में केवल सांविधानिक प्रावधान या कानून ही सार्थक नहीं हो सकते। कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत पूरे देश को क, ख, ग क्षेत्रों में बांटकर राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग और विभिन्न व्यावहारिक प्रतिबंधों, जैसे- राजभाषा अधिनियम के अंतर्गत निर्धारित 14 प्रांतों को मूल या अनूदित रूप में हिंदी में जारी करने के प्रावधान धीरे-धीरे अमल में लाए जा रहे हैं, परंतु इस प्रावधान को पूर्ण रूप से व्यवहार में लाने के लिए अभी समर्पित प्रयासों की आवश्यकता लंबे अरसे से अनुभव की जा रही है। वैसे कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत ऐसे सभी प्रांतों में सूचना, निविदा, टिप्पणी-प्रपत्र, विज्ञप्ति, कार्यवृत्त, आदेश, मैनुअल, नामपट, ज्ञापन, संकल्प, अधिसूचना, नियम, अनुबंध, पत्र-पैड, लिफाफा आदि को राजभाषा में न जारी करना दंडनीय है, किंतु व्यवहार के स्तर पर यह मान्यता महत्व रखती है कि दंड के माध्यम से राजभाषा को शत-प्रतिशत लागू करना संभव नहीं है। प्रयोजनमूलक भाषा प्रयोग के स्तर पर कर्मियों, अधिकारियों में एक लगाव या समर्पण की भावना उत्पन्न करना दंड से कहीं अधिक प्रोत्साहन से संभव है। भारत के संघीय ढांचे में राजभाषा के रूप में हिंदी को संविधान के अनुच्छेद 343-351 में मान्य किया गया है। भारत संघ गणराज्य की भाषा हिंदी और वर्तनी देवनागरी है, किंतु अनुच्छेद 348 में उच्च और उच्चतम न्यायालयों में कामकाज, दावे, बहस और निर्णयों की भाषा के रूप में अंग्रेजी को मान्यता दी गई है, किंतु इसके अपवाद अब सामने आ रहे हैं। लगभग दो दशक पूर्व प्रयाग (उत्तर प्रदेश) उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रेमशंकर गुप्त ने हिंदी में चर्चित फैसला सुनाया था। उस समय न्यायपालिका में एक नई भाषायी चेतना का संचार हुआ। इसी क्रम में हाल में चेन्नई में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भारतीय भाषाओं में न्याय और निर्णय उपलब्ध कराए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है। महात्मा गांधी ने 'राष्ट्रभाषा बिना राष्ट्र गूंगा है' कहकर जिस चुनौती का हमारे स्वतंत्र भारत के लिए उल्लेख किया था, उस चुनौती का हल ढूंढ़ने की दिशा में, यानी एक राष्ट्रभाषा की ओर हमारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव 'राजभाषा' को लागू किया जाना है। देश के बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, अंडमान निकोबार द्वीप समूह को 'क', गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, चंडीगढ़, दमन-दीव, दादरा नगर हवेली को 'ख' और बाकी देश के शेष भाग को 'ग' क्षेत्र में विभाजित कर राजभाषा संबंधी व्यावहारिक नियम-कानून बनाए गए हैं, पर हिंदी के हृदय क्षेत्र 'क' राज्यों में राजभाषा नियमों के लागू किए जाने की शत-प्रतिशत उपलब्धि की स्थिति अभी व्यावहारिक रूप नहीं ले सकी है। 'ख' और 'ग' क्षेत्रों में भी अभी अथक प्रयास जरूरी हैं। वैसे, फीजी देश में राजभाषा के रूप में हिंदी की मान्यता और व्यवहार हमारे लिए अनुकरणीय हैं। भाषा की अपार शक्ति को पूरे विश्व ने पहचाना है। संयुक्त रूस (यूएसएसआर) का भाषायी आधार पर 15 देशों में विभाजन और भारत में भी भाषायी आधार पर राज्यों का गठन इसके प्रमाण हैं। संभवत इसे ही ध्यान में रखकर हमारे संविधान के उपबंध 351 में केंद्र सरकार को यह दायित्व सौंपा गया है, 'केंद्र सरकार हिंदी भाषा के विकास के लिए सतत कार्य करेगी और अन्य भारतीय भाषाओं की सहायता से हिंदी भाषा की समृद्धि, उन्नति सुनिश्चित करेगी।' इसी दायित्व से अभिप्रेरित केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय वाराणसी सम्मेलन को 'संकल्प सम्मेलन' कहना इसलिए उचित होगा कि इसमें देश भर के प्रायः ढाई हजार संकल्पवान हिंदीप्रेमी, हिंदीसेवी और राजभाषा अधिकारी आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर अपनी भाषा के प्रति समर्पण व्यक्त करेंगे। राजभाषा और राष्ट्रभाषा का प्रश्न जटिल अवश्य है, परंतु हल असंभव नहीं। दुनिया के केवल एक चौथाई देशों (51) की अपनी संविधान-घोषित राष्ट्रभाषा है। भारत में राजभाषा के रूप में हिंदी को मान्यता के 72 वर्षों में हिंदी के लिए एक सकारात्मक वातावरण बना है। इसे और मजबूत किए जाने की जरूरत सभी महसूस करते हैं। वस्तुत भाषा, मानवीय व्यवहार और संस्कृति निरंतन परिवर्तनशील प्रक्रिया हैं, परंतु यह परिवर्तन प्राय अत्यंत धीमी गति से रूप लेता है। यह परिवर्तन समय-साध्य है। आज भारत में हिंदी और राजभाषा हिंदी की जो वर्तमान स्थिति है, उससे कहीं अधिक कमजोर और नगण्य स्थिति साम्राज्यवादी इंग्लैंड में अंग्रेजी की थी। एक दौर था, जब धीरे-धीरे अंग्रेजों के लिए भी फ्रेंच भाषा का प्रयोग सम्मान का विषय बन गया था। सदियों लंबे विरोध और संघर्ष के बाद अंग्रेजी आज सिर्फ अपने देश इंग्लैंड में राज-कार्य की ही नहीं, बल्कि विश्व की संपर्क भाषा का रूप ले सकी है। अतः हिंदी को व्यावहारिक राजभाषा का स्थान दिलाने के प्रयासों-परिणामों में लंबा समय लगने से हताश होने की जरूरत नहीं।

शिक्षा की बात : अकादमिक ज्ञान आम आदमी का ज्ञान बने

बद्री नारायण

हाल ही में देश के नए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि शोध मात्र शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित होने के लिए ही न किया जाए, बल्कि उससे समाज को लाभ भी मिले। उनकी चिंता शायद यह थी कि अपने शोधों से हम जो ज्ञान सृजित कर रहे हैं, वह केवल अकादमिक वृत्त में ही सिमटकर न रह जाए, बल्कि वहां से निकलकर आम आदमी के जीवन में बदलाव लाने का भी काम करे। धीरे-धीरे ही सही, अकादमिक ज्ञान आम आदमी के ज्ञान (जन ज्ञान) में बदल जाए। ऐसा कहकर उन्होंने शायद भारतीय विश्वविद्यालयों में हो रहे शोध की सीमाओं के मर्म पर उंगली रख दी है। वैश्विक रैंकिंग में आने, स्टैन्फर्ड साइंटिस्ट सूची का हिस्सा बनने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि जनता के पैसे से हुए शोधों से निकले ये ज्ञान लोगों तक कितना पहुंचते हैं। अगर नहीं पहुंच पाते हैं, तो क्यों? और उससे लोगों के जीवन में कितना बदलाव आता है? हमें विचार करना होगा कि हमारा अकादमिक ज्ञान जगत कैसे जनता से जुड़ पाएगा। मैंने देखा और अनुभव किया है कि पश्चिमी मुल्कों, विशेषकर फ्रांस जैसे मुल्क इसको लेकर अत्यंत संवेदनशील रहे हैं। प्रायः वहां के विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में हुए अध्ययनों की दो तरह की रिपोर्ट बनती हैः एक तो अकादमिक रिपोर्ट, जो फंडिंग एजेंसियों तथा उक्त शोध से जुड़ी संस्थाओं को सौंपी जाती है। दूसरा, उनका लोक संस्करण भी तैयार होता है, जो वहां के लोकप्रिय अखबारों को दिया जाता है। या शोध करने वाले विद्वान अखबारों में उन पर लेख लिखते हैं। उनमें से कई महत्वपूर्ण शोध अखबारों, टीवी चैनलों, सोशल मीडिया आदि के जरिये जनता तक पहुंचते हैं। उनमें से कई वहां की जन चेतना एवं उनके दैनंदिन जीवन को प्रभावित करते हैं। भारत में शोध की समस्या यह है कि इसका सर्वाधिक बड़ा बजट विज्ञान संबंधी शोधों के लिए आवंटित किया जाता है। विज्ञान के कुछ शोध तो हमारे जीवन-जगत एवं विकास में महती भूमिका निभाते ही हैं, किंतु ज्यादातर शोध जर्नल्स के पन्नों एवं विश्वविद्यालयों की चहारदीवारी में ही दबकर रह जाते हैं। दूसरी समस्या है, कि आज ज्यादातर विश्वविद्यालय पढ़ाने के संस्थान के रूप में ही सक्रिय हैं, जबकि बिना शोध के शिक्षण नोट्स एवं कुंजियों का शिक्षण होकर रह जाता है। होना यह चाहिए था कि हमारे ज्यादातर विश्वविद्यालय शोध एवं शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित होते। शिक्षा मंत्रालय जिस नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन की दिशा में कार्यरत है, उसकी मूल आत्माओं में से एक विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थाओं को शोध की चेतना से जोड़ना है। शोध को सामाजिक, औद्योगिक एवं आर्थिक विकास से कैसे जोड़ा जाए, यह भी उनकी चिंता का एक हिस्सा है। नए शिक्षा मंत्री ने अपने उक्त बयान में नई शिक्षा नीति की मूल आत्मा को ही अभिव्यक्त किया है। अपने देश में एक समस्या यह भी है कि यहां सामाजिक विज्ञान से जुड़े शोधों को उतना महत्व नहीं दिया जाता, जितना विज्ञान के शोधों को।

आजादी के आंदोलन को नकारने का सिलसिला है

रवीश कुमार

क्या किसी को पद्म पुरस्कार इसलिए दिया जाता है कि वह आंदोलन करने वाले किसानों को आतंकवादी कहे और देश को बांटने वाला कहे. क्या इसलिए दिया जाता है कि पुरस्कार मिल जाने के बाद भारत की आज़ादी और उसके लिए बलिदान देने वाले असंख्य शहीदों का अपमान करे? कंगना रनौत कह रही हैं कि आज़ादी भीख में मिली थी असली आज़ादी 2014 में मिली थी कंगना ने यह बात एक न्यूज़ चैनल के कार्यक्रम में कही. वहां पर सूट बूट में आए कई लोगों ने इस बात पर तालियां भी बजाईं. आजादी के इन जानकारों को ताली बजाते हुए आप यू ट्यूब में देख सकते हैं, वहां वीडियो होगा ही. इन्हीं सूट बूट वालों को सरकार के खिलाफ एक लाइन बोलने के लिए कह दीजिए तो ताली ही नहीं बज पाएगी. हाथ जम जाएंगे. कंगना रनौत की इस बात की निंदा से पहले यह देखना ज़रूरी है कि इस तरह की बात कंगना ने पहली बार नहीं कही है. कई साल से अलग अलग माध्यमों से इस तरह की बातें जनता के बीच पहुंचाई जा रही हैं. व्हाट्सएप से लेकर ट्विटर तक पर ऐसी सामग्री की भरमार है जिनमें लतीफों और भद्दी गालियों का सहारा लिया गया है और आज़ादी के आंदोलन को नकारा गया है. एक मीम है जिमसें गांधी और नेहरू को बाल्टी चुराते दिखाया गया है. यह बताने के लिए कि आज़ादी के लिए संघर्ष बोस, भगत सिंह और तिलक ने किया. इस तरह गांधी और नेहरू को एक तरफ खड़ा किया जाता है, उसमें से सरदार पटेल को कुछ और अलग किया जाता है. बहुत चालाकी से सरदार पटेल को अलग कर ट्विटर पर और राजनीति में गांधी की हत्या का जश्न मनाया जाता है. ट्रेंड किया जाता है. तरह तरह की दलीलों से लोगों के दिमाग़ मे भूसा और नफरत भरा जाता है कि असली आज़ादी नहीं मिली. यह काम राजनीति के हिसाब से मनोवैज्ञानिक तरीके से किया जाता है. ऐसा करने वालों को पता है कि लोगों के भीतर कुछ नफरती पूर्वाग्रह होते हैं, कम जानकारियां होती हैं, उनके भीतर तरह तरह के नए पूर्वाग्रह और नई जानकारियों के नाम पर झूठ ठेल दिए जाते हैं. इस तरह से करोड़ों लोगों को तैयार किया जा चुका है. पद्म पुरस्कार प्राप्त कंगना रनौत का बयान पहले से समाज में पहुंचाए जा चुके बयानों को मंच देने भर के जैसा था. जो बातें अंदर अंदर पहुंचाई जा चुकी हैं उसके औपचारिक रूप दिए जाने का परीक्षण शुरू हो चुका है. यही वो बातें हैं जिन्हें आप चर्चा योग्य नहीं मानते, जवाब देने के लायक नहीं मानते. आपके ऐसा मानने या नहीं मानने से अलग यह प्रक्रिया चलती रहती है. इस तरह की दलीलें हमें पहले भी कई बार सुनने को मिली हैं. खासकर जब हम महंगाई के सपोर्टर सीरीज़ के लिए महंगाई के सपोर्टरों की दलीलें सुनते हैं, यही सब बातें निकल कर आती हैं कि आज़ादी अब मिली है. इस आज़ादी को धार्मिक और सांस्कृतिक आज़ादी के नाम पर लोगों के बीच घुसाया जा रहा है ताकि इसके बाद 1947 से पहले की आज़ादी और उसके शानदार संघर्षों को अपमानित कर पीछे धकेला जा सके. महंगाई के सपोर्टर कहीं आसमान से नहीं टपके हैं बल्कि इसी राजनीतिक प्रयोगशाला में तैयार किए गए हैं जो केवल न्यूज़ चैनल के कार्यक्रम में नहीं मिलते हैं बल्कि सड़क चौराहों और चाय की दुकानों पर भी मिलते हैं. अब आपको समझ आ सकता है कि कंगना रनौत ने जो कहा वो बात किस तरह से आम कर दी गई है. यह केवल अपमान नहीं है कि किसी ने कह दिया कि आज़ादी भीख में मिली और 2014 में असली आज़ादी मिली. हमें देखना चाहिए कि कौन कह रहा है, क्यों कह रहा है और जो कह रहा है वो बात क्या कोई अकेले में कही गई बात है तब आपको समझ आ जाएगा कि आपकी सहमति और भागीदारी से भारत को कहां पहुंचाया जा रहा है. यह काम बहुत चालाकी से हो रहा है और खुलेआम. धार्मिक और सांस्कृतिक आज़ादी के नाम पर तर्क गढ़े जा रहे हैं. कहते कहते लोग इस तरह भरम में आ ही जाएंगे कि धार्मिक आचार-व्यवहार 2014 के पहले नहीं करते थे, अब करने की आज़ादी मिली है. 1857 से 1947 के बीच असंख्य आम भारतीयों ने इसके लिए कुर्बानी दी. जान दी और जेल गए. 1857 की क्रांति के बाद इसी दिल्ली में कई हज़ार लोगों को पेड़ से बांध कर तोप से उड़ा दिया गया और मार कर पेड़ पर लटका दिया गया, जिस दिल्ली में कंगना ने कहा है कि आज़ादी भीख में मिली थी. हम सावरकर की माफी का ज़िक्र कर आज के कार्यक्रम के मेयार को छोटा नहीं करना चाहते हैं. भारत के संविधान में नागरिकों के लिए बताए गए मौलिक कर्तव्यों में इसे शामिल किया गया है. अनुच्छेद 51 में लिखा है कि स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखें और उनका पालन करें. संविधान का कहना है कि नागरिक का मौलिक कर्तव्य होगा कि हम उन उच्च आदर्शों को हृदय में संजो कर रखे जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया. यहां तो हम हृदय से ही निकाल फेंके जाने का दृश्य हर दिन देख रहे हैं. अक्टूबर महीने में झांसी की रानी के किरदार पर बनी फिल्म में अभिनय के लिए कंगना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला. उपराष्ट्रपति ने दिया जो इस देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है. कुछ दिनों के बाद राष्ट्रपति पद्म पुरस्कार देते हैं. बताने की ज़रूरत नहीं कि राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च संवैधानिक पद है. यह भी बताने की ज़रूरत नहीं है कि यह दोनों पद उस संविधान से निकले हैं जो आज़ादी की लड़ाई से निकला है. संविधान से आप इन पदों को और इनके फैसलों को अलग नहीं कर सकते हैं. न ही यहां बैठे प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को अलग कर सकते हैं. फिल्म अभिनेत्री को पता ही होगा कि रानी झांसी ने ब्रिटिश हुकूमत से लड़ते हुए शहादत दी थी. इसी विवादित इंटरव्यू में कंगना झांसी की रानी की तारीफ भी करती हैं लेकिन इस तारीफ के बदले इसका लाइसेंस नहीं मिल जाता कि आज़ादी को भीख में मिली बता दिया जाए और कह दें कि असली आज़ादी 2014 में मिली थी. आप व्यक्ति और बयान दोनों को इस राजनीतिक समर्थन से अलग नहीं कर सकते हैं. यह समर्थन न होता तो किसानों को आतंकवादी कहने वाली कंगना रनौत को पद्म पुरस्कार नहीं दिया जाता. न ही ऐसे शख्स को जो अदालत में तब हाज़िर होती हैं जब गिरफ्तारी का वारंट जारी करने की फटकार मिलती है. लेकिन सरकार ने दिया तो कुछ सोच कर दिया होगा ताकि वे जो बोल रही हैं बोलती रहें. आराम से बोलती रहें कि आज़ादी भीख में मिली थी और 2014 में असली आज़ादी मिली थी. उसी दिल्ली में जहां यह पद्म पुरस्कार दिया गया वहां से थोड़ी दूरी पर एक न्यूज़ चैनल के कार्यक्रम में पद्म पुरस्कार प्राप्त के करने के बाद कंगना रनौत कहती हैं कि हमें आज़ादी भीख में मिली और असली आज़ादी 2014 में मिली. उनके बयान से ज्यादा अपमानजनक था मंच के नीचे बैठे लोगों का ताली बजाना. आज़ादी भीख में मिलने वाली बात कह कर कंगना और आगे बढ़ती हैं और कहती हैं कि इस बयान के बाद मुझ पर मुकदमे होने वाले हैं. तब न्यूज़ ऐंकर कहती हैं कि अभी तो आप दिल्ली में हैं, वो आपके साथ मुंबई में होता है. कंगना दिल्ली में हैं, मुंबई में नहीं दरअसल यही वो बात है जिससे साफ होता है कि कंगना के बयान को निजी तौर पर नहीं देखा जा सकता. ऐंकर ने साफ कर दिया है कि दिल्ली का समर्थन प्राप्त है ऐसा कह सकती हैं. दिल्ली में कुछ नहीं होगा यह बात ऐंकर ने हौसला बढ़ाने के लिए भी कही और यह जताने के लिए कि दिल्ली का साथ है. अगर आपको इस बात में ज़रा भी संदेह है तो कुछ पुरानी घटनाओं को देख सकते हैं. जिस तरह से सीआरपीएफ का जवान कंगना रानौत के लिए दरवाज़ा खोल रहा है उसे देखकर कोई भी समझ सकता है कि कंगना रानौत को वाकई दिल्ली में कौन अरेस्ट करेगा, कमांडो का काम नहीं होता है दरवाज़ा खोलना. दूसरा कोई होता तो आज़ादी भीख में मिली है के बयान पर देश भर में राजद्रोह और क्रके मामले दर्ज हो जाता. ऐसा कुछ नहीं हुआ. दिल्ली का ही आशीर्वाद है कि इतनी सुरक्षा मिली है. बल्कि यही बात कन्हैया ने कही होती तो आज बीजेपी चारों तरफ सड़कों पर होती है, कांग्रेस विपक्ष में है इसलिए कांग्रेस ने ट्वीट ज़रूर किया होगा. आप कंगना और सरकार को अलग नहीं कर सकते हैं. कंगना पहले से ही नफरती बातें करती रही है. सुशांत सिंह राजपूत के फर्ज़ी विवाद के समय उन्हें सीआरपीएफ की सुरक्षा दी गई है. उनके ज़रिए इस डिबेट को खड़ा किया गया ताकि भारत की करोड़ों जनता फर्ज़ी बहस को महीनों देखे. आज भी उस समय के बयानों को लेकर कोर्ट में तरह तरह के मामले चल रहे हैं. एक तरफ सरकार कंगना को पद्म श्री देगी, कंगना आज़ादी का अपमान करेंगी, कहेंगी कि भीख में मिली है. दूसरी तरफ उन्हें पुरस्कार देने वाली सरकार आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाएगी. 24 अक्टूबर को प्रधानमंत्री ने मन की बात में बताया था कि आज़ादी के आंदोलन से जुड़े गीतों की प्रतियोगिता हो रही है. प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि क्या उन गीतों में आज़ादी के भीख मांगे जा रहे थे? यह तस्वीर प्रधानमंत्री को याद होगी. चरखा चलाते हुए. अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप और इज़राइल के प्रधानमंत्री को साबरमती ले गए थे. वहां चरखा का महत्व समझाया था. क्या चरखा भीख का प्रतीक है? क्या गांधी जी ने भीख मांगी थी, अगर भीख मांगी थी तो फिर गांधी के प्रति सम्मान का दिखावा ही क्यों किया जा रहा है. क्या भीख मांगने के जुर्म में गांधी ने ब्रिटिश राज में छह साल से अधिक समय जेल में बिताए थे. जब भी गांधी जयंती आती है या 30 जनवरी आता है इस दिन ट्विटर पर ट्रेंड कराया जाता है, गोड्से ज़िंदाबाद कहा जाता है. क्या कभी सरकार ने इसके लिए ट्विटर को नोटिस भेजा, बुलाया कि इसे हटाया जाए, क्या कभी त्रिपुरा पुलिस ने इन सबको नोटिस भेजा? भोपाल से बीजेपी की सांसद साध्वी प्रज्ञा ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि नाथूराम गोड्से देशभक्त था और देशभक्त रहेगा. गांधी के हत्यारे को देशभक्त कहने वाली प्रज्ञा ठाकुर को भोपाल की जनता वोट देती है और संसद में आकर वे फिर से गोड्से को देशभक्त बता जाती हैं. जबकि चुनाव के समय उनके बयान के बाद प्रधानमंत्री ने कहा था कि वे कभी माफ नहीं करेंगे. इसके बाद प्रज्ञा ठाकुर सांसद बनती हैं, भोपाल की जनता चुनती है और वे संसद में गोड्से को देशभक्त कहती हैं. एक तरफ आज़ादी के आंदोलन से जुड़े नायकों का औपचारिक सम्मान खूब चल रहा है दूसरी तरफ उनका भी सम्मान किया जा रहा है जो आज़ादी के शहीदों का अपमान करते हैं ताकि उस गुप्त नैरेटिव को अब सामने लाया जा सके जो कई सालों से भीतर भीतर चल रहा था. जिसमें आज़ादी के आंदोलन को लेकर तरह तरह के विवाद पैदा कर उसके प्रति नफरत पैदा की जाती रही है. आप दोनों चीज़ें देखेंगे. गांधी की तस्वीर भी लगाई जाती है और गोड्से ज़िंदाबाद का नारा भी लगाया जा रहा है.

यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर अमित शाह की बड़ी बैठक - रणनीति, नारे

स्वाति चतुर्वेदी

भारतीय जनता पार्टी शुक्रवार को चुनावी मोड में लौट आई-वो भी ऑनलाइन के बजाये आमने-सामने की बैठक में. यूपी का किला फिर से कैसे फतेह किया जाए इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वाराणसी में करीब 700 लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए एक घंटे की लंबी बैठक की. इस चुनाव को पार्टी नेता सभी चुनावों का बाप बता रहे हैं. सूत्रों ने मुझे बताया, बैठक में शाह सभी तरह की भूमिका में थे और राज्य के कुछ नेताओं को कड़ी फटकार भी लगाई, जिनकी योजना उन्हें असंतोषजनक लगी. गौर करने वाली बात है कि शाह ने कुछ हफ्ते पहले दिए अपने बयान को दोहराया- कि 2024 के आम चुनाव में पार्टी को फिर से सत्ता दिलाने के लिए 2022 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जीतना जरूरी है. हालांकि, इस बार शाह ने दावा किया कि आदित्यनाथ की सत्ता में वापसी न सिर्फ बीजेपी के लिए बल्कि भारत के लिए भी जरूरी है. उन्होंने कई बार दोहराया, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि योगी आदित्यनाथ की वापसी हो. यह सिर्फ विधायकों का चुनाव नहीं है बल्कि मोदी की सत्ता में वापसी की चाबी है. यूपी चुनाव में 300 से ज्यादा सीटें जीतें और 2024 का रास्ता साफ करें. सत्ताधारी दल के मुख्य चुनावी रणनीतिकार ने इस चुनाव में 403 में से 300 सीटें जीतने का टारगेट सेट किया है. बैठक में योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे. उनके दोनों डिप्टी, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जो यूपी चुनाव के प्रभारी हैं और सुनील बंसल (शाह के विश्वस्त सहयोगी), बीजेपी प्रदेश महामंत्री (संगठन) भी वहीं थे. शाह को गैर-योजनाबद्ध बैठकें नापसंद हैं, इसलिए राज्य नेतृत्व ने मोदी, योगी और शाह से जुड़ी अ

एक नजर

ध्यान चंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित होंगे 88 वर्षीय पहलवान सज्जन सिंह, राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम

चरखी दादरी। दादरी जिले के गांव समसपुर निवासी 88 वर्षीय पहलवान सज्जन सिंह को आज राष्ट्रपति भवन में ध्यान चंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द द्वारा उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया जाएगा। सेवानिवृत कोच व पहलवान सज्जन सिंह सम्मान समारोह में अपने बेटे कृष्ण कुमार व पौत्र पियूष के साथ शामिल होंगे। शनिवार शाम को उन्हें सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति भवन द्वारा तैयार शेड्यूल के अनुसार पहलवान सज्जन सिंह दो दिन पहले ही दिल्ली पहुंच चुके हैं। शुक्रवार को उन्होंने कार्यक्रम की रिहर्सल में भाग लिया था। बता दें कि गांव समसपुर निवासी सज्जन सिंह ने वर्ष 1960 में रोम ओलिंपिक में भाग लिया था। इसके साथ ही उन्होंने एक दशक तक एशियन गेम्स, कामनवेल्थ गेम्स, वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भी भाग लिया था। इन प्रतियोगिताओं में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कई पदक देश की झोली में डाले थे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहलवान सज्जन सिंह की कई उपलब्धियां होने के बावजूद अभी तक केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें कोई सम्मान नहीं दिया गया था। दैनिक जागरण द्वारा भी सितंबर माह में इस मुद्दे को प्रमुखता के साथ उठाया गया था। बाद में भारत सरकार ने उनकी उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें ध्यान चंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देने की घोषणा की गई। आज उन्हें सरकार द्वारा पहली बार सम्मान दिया जाएगा। - वर्ष 1966 में बैंकाक में आयोजित एशियन गेम्स में कांस्य पदक, - वर्ष 1970 में स्काटलैंड में आयोजित कामनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल, - वर्ष 1970 में रूस्तम-ए-हिंद का खिताब - वर्ष 1965 में इंग्लैंड में, 1967 में नई दिल्ली में, 1970 में कनाड़ा में आयोजित वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में प्रतिनिधित्व। स्वजनों, ग्रामीणों में खुशी का माहौल पहलवान सज्जन सिंह को भारत सरकार द्वारा ध्यान चंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिए जाने पर उनके स्वजनों सहित ग्रामीणों में खुशी का माहौल बना हुआ है। सज्जन सिंह के बेटे कृष्ण कुमार का कहना है कि उनके पिता को यह अवार्ड मिलना उनके परिवार सहित क्षेत्र के लिए भी गर्व की बात है। वहीं ग्रामीणों द्वारा 14 नवंबर को पहलवान सज्जन सिंह के स्वागत की तैयारियां भी की जा रही है।

कैथल में रेहड़ी वालों के बनेंगे ई-श्रम कार्ड, निदेशालय ने जारी किए निर्देश

कैथल। कैथल जिले भर के रेहड़ी वालों के ई-श्रम कार्ड बनाएंगे जाएंगे। शहरी स्थानीय निकाय विभाग की तरफ से यह निर्देश जारी किए गए हैं। जल्द ही कार्ड बनाने के लिए रेहड़ी वालों से आवेदन मांगे जाएंगे। नगर परिषद, नगर पालिका कार्यालय और अटल सेवा केंद्र में कार्ड के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकेगा। कार्ड बनाने का कारण है कि अब रेहड़ी वालों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ कार्ड से ही मिलेगा। कार्ड में रहेड़ी संचालक की पूरी जानकारी होगी। उसमें यह भी जानकारी होगी कि किस रेहड़ी वाली ने कौनसी सरकारी योजना का लाभ अभी तक लिया है। सरकार की तरफ से इनके लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई हुई हैं। सरकार की तरफ से रेहड़ी वालों के लिए प्रधानमंत्री स्व निधि योजना चलाई गई थी। इस योजना के तहत रेहड़ी वालों को दस हजार रुपये का ऋण दिया गया था। जिले भर के 628 रेहड़ी वालों को इस योजना के तहत लाभ दिया गया था। ये है जिले भर में रेहड़ी वालों की स्थिति नगर परिषद और नगर पालिका की तरफ से कुछ महीने पहले रेहड़ी वालों का सर्वे करवाया गया था। सर्वे का कारण था कि जिले भर में रेहड़ी वालों के लिए नियमित स्थानों का चयन करना। इस योजना पर कार्य चल रहा है। फिलहाल रेहड़ी वाले शहर में कहीं भी खड़े मिल जाते हैं। शहर में छात्रावास रोड और पार्क रोड पर रेहड़ी वालों के कारण जाम की स्थिति बन जाती है। सर्वे के अनुसार जिलेभर में 1500 रेहड़ी वाले हैं। इनमें कैथल में 706, कलायत में 123, गुहला में 333, पूंडरी में 247 और राजौंद में 91 रेहड़ी वाले शामिल किए गए हैं। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के नोडल अधिकारी विशाल गुप्ता ने बताया कि जिले भर के रेहड़ी वालों के ई-श्रम कार्ड बनाए जाएंगे। इसके लिए स्थानीय निकाय विभाग की तरफ से निर्देश आए हुए हैं। जल्द ही रेहड़ी वालों से आवेदन लिए जाएंगे। अब कार्ड से ही इन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

पाइप लाइन बिछा रहे मजदूरों के साथ बाइक सवार युवकों ने की मारपीट, एक घायल

सिरसा। शहर के बी ब्लाक क्षेत्र में बरसाती पानी की निकासी के लिए पाइप लाइन बिछाने के काम में लगे लेबर के साथ बाइक सवार युवकों ने मारपीट की।घायल लेबर गोरी को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। नगर परिषद अभियंता श्रवण कुमार ने इस मामले की शिकायत जेजे कालोनी पुलिस चौकी में दर्ज करवाई है। पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा था पुलिस को दी शिकायत में नगर परिषद अभियंता श्रवण कुमार ने बताया कि बी ब्लाक में नागरिक अस्पताल के निकट बरसाती पानी निकासी के लिए पाइप लाइन बिछाने का काम चल रहा था। पाइप लाइन बिछाने का कार्य एलएस कांट्रेक्टर को दिया गया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को लेबर काम पर लगी हुई थी। काम होने के चलते वाहनों की आवाजाही पूरी को बंद किया हुआ था। इसी दौरान बाइक सवार युवक आए और वहां से बाइक निकालने का प्रयास करने लगे। जब ठेकेदार के तहत काम कर रहे लेबर ने उन्हें जाने से रोका तो पहले उन्होंने बहस करनी शुरू कर दी। इसके बाद युवकों ने लेबर के साथ हाथापाई शुरू कर दी। इसके बाद युवकों ने लेबर को धमकाते हुए अपने कई साथियों को भी मौके पर बुला लिया। सभी युवकों ने मिलकर लेबर के साथ मारपीट की। सरकारी कार्य में पहुंचाई बाधा नगर परिषद अभियंता श्रवण कुमार ने पुलिस को दी शिकायत अनुसार मजदूर गोरी को बाइक सवार युवकों ने गंभीर चोटें मारी हैं। उसके उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने कहा कि ठेकेदार के मजदूर पाइप लाइन बिछाने के काम में लगे हुए थे। बाइक सवार युवकों ने सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई है और उनके साथ मारपीट की है। उन्होंने बताया कि झगड़ा करने वाले युवक अपना मोटरसाइकिल भी वहीं छोड़कर फरार हारे गए हैं। जेजे कालोनी पुलिस चौकी ने बाइक सवार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

चन्नी के आरएसएस पर बयान से सियासी घमासान, कहा था दुश्मन जमात, भाजपा का सीएम पर पलटवार

चंडीगढ़। पंजाब में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की टिप्पणी पर कांग्रेस और भाजपा में सियासी घमासान मच गया है। भाजपा ने बयान को लेकर सीएम चन्नी और कांग्रेस पर हमला किया है। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के विधानसभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को पंजाब की दुश्मन जमात बताया था। उन्होंने आरएसएस को पंजाब के लिए दुश्मन जमात बताया था। इसको लेकर भाजपा ने चन्नी और कांग्रेस पर पलटवार किया है। बता दें कि मुख्यमंत्री चन्नी ने यह बयान केंद्र सरकार की ओर से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का अधिकार क्षेत्र 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर करने के खिलाफ लाए

गए प्रस्ताव पर बहस का जवाब देते समय दिया रहा था। चन्नी ने शिरोमणि अकाली दल पर बरसते हुए कहा कि उनकी वजह से ही आरएसएस की पंजाब में जड़ें लगी हैं। अगर अकाली उनके साथ समझौता न करते तो आरएसएस जैसी दुश्मन जमात की पंजाब में एंट्री न होती। चन्नी के इस बयान पर भाजपा के प्रांतीय महासचिव डा. सुभाष शर्मा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चन्नी ऐसा बयान देने से पहले इतिहास को अच्छी तरह से पढ़ लिया करें। आरएसएस की पंजाब में जड़ें तब से हैं जब देश का विभाजन भी नहीं हुआ था। एक समाजसेवी संस्थान को दुश्मन बताना उनकी जानकारी कम होना है। उन्होंने चन्नी को संबोधित करते हुए कहा कि आरएसएस को आप जैसे लोगों से प्रमाणपत्र लेने की जरूरत नहीं है। डा. शर्मा ने कहा कि पंजाब में आतंकवाद में बलिदान देने वाले 32000 हिंदुओं के लिए एक भी सांत्वना का शब्द आजतक पंजाब के किसी मंत्री या विधायक के मुंह से नहीं निकला। आपने आरएसएस को नहीं संपूर्ण हिंदू समाज और देशभक्त लोगों के मन को अपनी इस टिप्पणी से ठेस पहुंचाने का काम किया है। आरएसएस को लेकर अपनी याददाश्त दरुस्त करें चन्नी ~ तिवारी आरएसएस को लेकर मुख्यमंत्री चन्नी के बयान पर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने भी कड़ी आपत्ति जताई है। बठिंडा में भाजयुमो के प्रदेश सचिव आशुतोश तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी को अपनी याददाश्त को दुरुस्त करने की जरूरत है। पंजाब में आरएसएस को शिरोमणि अकाली दल लेकर नहीं आया।

पंजाब में आरएसएस 1925 से है। नागपुर के बाद आरएसएस का दूसरा हेडक्वार्टर लाहौर में हुआ करता था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने आरएसएस पर सवाल उठाए हैं तो वह बताएं कि कोरोना काल में कांग्रेस की समाज को क्या देन है, जबकि संघ के आपदा के समय दिए गए योगदान को पूरी दुनिया जानती है। कोरोना हो या कोई और आपदा आरएसएस हमेशा लोगों की मदद के लिए आगे रही है।

लुधियाना में शिंगार सिनेमा रोड से श्मशानघाट तक भी ढका जाएगा नाला, नगर निगम ने टेंडर जारी किए

लुधियाना। लुधियाना शहर के बीचों बीच निकल रहे गंदे नालों को ढकने का काम नगर निगम करवा रहा है। नगर निगम अब तक दो बड़े नालों को ढक चुका है और अब निगम ने शिंगार सिनेमा रोड से श्मशानघाट तक भी नाले को ढकने की योजना बनाई है। निगम इस पर नौ करोड़ रुपये खर्च करने जा रहा है। इसके लिए नगर निगम ने टेंडर जारी कर दिए हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही नाले को ढकने का काम शुरू हो जाएगा। इस नाले को ढकने से हरचरण नगर, ढोका मोहल्ला, धर्मपुरा के लोगों को सीधे सीधे फायदा होगा। वहीं दूसरी तरफ श्मशान घाट की तरफ जाने वाले लोगों को भी गंदगी से रूबरू नहीं होना पड़ेगा। नगर निगम ने सबसे पहले गुरुद्वारा दुखनिवारण साहिब से शिंगार सिनेमा रोड स्थित पेट्रोल पंप तक नाले को ढका। जिससे इस इलाके के लोगों की बड़ी समस्या दूर हो गई। यही नहीं नाला ढकने से दुखनिवारण गुरुद्वारा साहिब से शिंगार सिनेमा रोड तक सड़क भी बन गई। जिससे सीएमसी रोड पर ट्रैफिक का दबाव कम हो गया। उसके बाद निगम ने ट्रांसपोर्ट नगर से शिंगार सिनेमा रोड पर पुली तक ढकने का काम शुरू किया गया है। इस प्रोजेक्ट पर

अभी काम चल रहा है। वहीं निगम ने अब इस पुली से आगे श्मशानघाट तक इस नाले को ढकने का प्रोजेक्ट तैयार किया है। सीनियर डिप्टी मेयर शाम सुंदर मल्होत्रा ने बताया कि लंबे समय से इस नाले को ढकने का प्रस्ताव था। अब इसे मंजूरी दी गई है और निगम ने इसका टेंडर लगा दिया है। उन्होंने बताया कि नाला ढकने से दो वार्डों के लोगों को फायदा होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि नाले के किनारे जो सड़क बनी है वह काफी संकरी है और यहां अक्सर ट्रैफिक जाम की स्थिति होती है। जिसकी वजह से कई बार शव वाहनों को भी ट्रैफिक जाम में फंसना पड़ता है। उन्होंने कहा कि नाले को ढकने के बाद सड़क चौड़ी हो जाएगी।

कांग्रेस में शामिल हो रहे सोनू सूद? सीएम चन्नी संग गुप्त मीटिंग के बाद अब सिद्धू से कर सकते हैं मुलाकात

चंडीगढ़। पिछले लॉकडाउन में लोगों की मदद कर लोगों के मसीहा बने अभिनेता सोनू सूद एक बार फिर से चर्चा में हैं। वैसे तो सोनू सूद ने साल 2020 के लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों की मदद की है। तब से वो अक्सर ही चर्चा में रहते हैं। लेकिन इस बार सोनू किसी मदद की वजह से नहीं बल्कि किसी और वजह से चर्चा में हैं और वो वजह है उनका सियासी डेब्यू। ऐसी खबर सामने आ रही है और ऐसे सवाल उठ रहे हैं कि क्या सोनू सूद कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। वैसे तो बीते रोज ये खबर थी कि सोनू सूद का झुकाव आम आदमी पार्टी की तरफ है और वो पंजाब में सियासी आजमाइश कर सकते हैं। इन खबरों के बाद कांग्रेस भी सोनू सूद की नब्ज टटोलने में जुट गई है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पंजाब के कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू सोनू सूद से मिलने के लिए मोगा पहुंच सकते हैं। सिद्धू के आने की खबर मिलते ही मोगा में सोनू सूद के घर पर हलचल भी तेज हो गई है। सुरक्षा के भी कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। सोनू सूद भी अपने आवास के अंदर हैं, लेकिन मीडिया को एंट्री नहीं दी जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस के पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने सूद के साथ गुप्त मीटिंग की है। मीटिंग में सोनू सूद से ये समझने की कोशिश की गई है कि वो खुद राजनीति में आना चाहते हैं या अपने परिवार के किसी सदस्य को सियासी अखाड़े में उतारने की ख्वाहिश रखते हैं। लंबे वक्त तक चली इस गुप्त बैठक की जानकारी को पूरी तरह से गुप्त रखा गया है। इसके साथ ही ये भी खबर है कि पंजाब सरकार सोनू सूद को अपनी योजनाओं का ब्रॉड एम्बेसडर बनाना चाहती है। जिससे सरकार के बिजली-पानी, पेट्रोल डीजल से जुड़े फैसलों का प्रचार हो सके। गौरतलब है कि सोनू सूद इससे पहले दिल्ली के सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल संग भी मुलाकात हो चुकी है। जिसके बाद से ये चर्चा तेज हो गई थी कि वो आप की तरफ से चुनावी मैदान में उतर सकते हैं और यहां तक की उनके मुख्यमंत्री चेहरा बनाए जाने की भी चर्चा होने लगी थी।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री को झारखंड सरकार सौंपेगी 40 हजार करोड़ का हिसाब

रांची। लंबे समय से कोल कंपनियों एवं केंद्रीय उपक्रमों पर हजारों करोड़ बकाया होने का दावा करती रही झारखंड सरकार एक बार फिर शनिवार को केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री प्रहलाद जोशी के सामने लगभग 40 हज़ार करोड़ रुपये बकाया से संबंधित दस्तावेज सौंपेगी। एक दिवसीय झारखंड दौरे पर पहुंच रहे प्रहलाद जोशी शनिवार को दोपहर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलेंगे। दोपहर में 3 से 4 बजे तक चलने वाली बैठक में मूल रूप से इन्हीं मुद्दों पर चर्चा होगी और माना जा रहा है कि राज्य सरकार को केंद्र से बकाया मध्य में राशि मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्य सरकार ने कोल कंपनियों और सेल समेत तमाम केंद्रीय उपक्रमों पर लगभग 40 हज़ार करोड रुपये बकाया का दावा किया है। इस दावे के साथ

राज्य सरकार ने सभी जिलों से रिपोर्ट भी मंगाई है जिससे पता चल रहा है कि किस कंपनी ने कितनी अतिरिक्त जमीन का उपयोग सरकार की अनुमति के बगैर किया है। ज्ञात हो कि कॉमन कॉज नामक एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में पीआइएल दायर कर यह दावा किया था कि कोयला कंपनियों ने आवंटन से अधिक भूखंडों पर खनन कार्य किया है। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर सभी राज्यों को जुर्माना लगाने का निर्देश दिया और इसी आलोक में राज्य सरकार ने तमाम कंपनियों पर जुर्माना लगाया है जिसके भुगतान के लिए पूरी मशक्कत की जा रही है।

इस बीच कंपनियों ने कल भाई से बचने के लिए स्टे लिया हुआ है। कॉमन कॉज मामले में 33069 करोड़ रुपये बकाया पर राज सरकार की दावेदारी है। इसके अलावा राज्य सरकार धुले हुए कोयले पर अलग से रॉयल्टी की मांग कर रही है जो कि 1676 करोड़ रुपए के बराबर होता है। इसी प्रकार केंद्र सरकार द्वारा हाल में लागू किए गए एमएनडीसी एक्ट के तहत राज्य सरकार 2980 करोड़ रुपए का दावा केंद्रीय उपक्रमों से कर रही है।

पिछली बार केंद्रीय मंत्री के साथ हुई बैठक में राज्य सरकार ने अपनी दावेदारी पेश की थी जिस पर पुख्ता प्रमाण के तौर पर जिलों से प्रशासन और कोल कंपनियों की संयुक्त रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया था। सूत्रों के अनुसार यह रिपोर्ट तैयार हो चुकी है। केंद्र सरकार से हाल ही में मुख्य सचिव ने रॉयल्टी गणना के फार्मूले और तरीके पर आपत्ति दर्ज कराई है।

चंडीगढ़ में 2 गाड़ियों से सामान चोरी, मजार पर माथा टेकने पहुंचे व्यक्ति की कार का शीशा तोड़ लैपटाप उड़ा ले गए चोर

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में दो गाड़ियों से सामान चोरी की घटनाएं हुई हैं। पहली घटना सेक्टर-45 में सामने आई है। यहां स्थित मजार पर वीरवार रात माथा टेकने पहुंचे एक व्यक्ति के कार का शीशा तोड़कर चोर गाड़ी में रखा बैग सहित लैपटॉप, पेन ड्राइव और अन्य दस्तावेज चोरी फरार हो गए। पीड़ित अमित शर्मा की शिकायत पर सेक्टर-34 थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सेक्टर-47 में रहने वाले अमित शर्मा वीरवार रात 9.30 बजे मजार पर गए थे। इस दौरान अपनी क्रेटा कार पार्किंग में खड़ी कर दी। वापस आने पर देखा कि कार का शीशा टूटा हुआ था। गाड़ी में रखा बैग, लैपटॉप सहित अन्य सामान भी गायब था। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम में घटना की शिकायत दी। पहले भी हो चुकी चोरियां वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि इससे पहले भी एरिया के आसपास लोगों की गाड़ियों से चोरी हो चुकी है। लोगों ने आरोप लगाया कि एरिया में चोर गैंग सक्रिय है। मौका पाकर

आरोपित आने-जाने वाले लोगों के सामान पर हाथ साफ कर देते हैं। इसी तरह इससे पहले सेक्टर-25 स्थित श्मशानघाट के परिसर में भी चोरियां हुई हैं। अंतिम संस्कार में शामिल होने आने वाले लोगों की गाड़ियों से सामान चोरी हुआ है। गाड़ी का शीशा तोड़कर साउंड सिस्टम और स्पीकर चोरी सेक्टर-51 निवासी रतिंदर बेनर्जी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया की देर रात को उसने वैगनार गाड़ी घर के बाहर खड़ी की थी। दूसरे दिन सुबह उनकी कार का शीशा टूटा हुआ था। कार का दरवाजा खोलकर चेक किया तो गाड़ी से साउंड सिस्टम और स्पीकर चोरी हो गए थे। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। सेक्टर-49 थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन के बाद मामला दर्ज किया है।

हरियाणा में डीएपी किल्लत से किसान परेशान, महिलाएं भी चूल्हा चौका छोड़ कतार में खड़ी

सिरसा। सरकारी केंद्रों पर डीएपी न मिलने से नाराज किसानों ने डीएपी खाद के वितरण पर भेदभाव के आरोप लगाए हैं। किसानों ने शुक्रवार सुबह जनता भवन रोड पर पहले मार्केट कमेटी कार्यालय के समीप डीएपी से लदे ट्रक को रूकवाकर विरोध जताया। बाद में जनता भवन के पास सहकारी समिति के कार्यालय के आगे सड़क के बीच बैठ कर रोष जताया। किसानों ने करीब दो घंटे तक जाम लगाए रखा। जिसके कारण राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ी। दो घंटे बाद मौके पर पहुंचे कृषि विभाग के अधिकारी करीब दो घंटे के बाद कृषि विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों को डीएपी का वितरण करवाने और सभी किसानों को कूपन जारी करवाने का आश्वासन दिया। जिसके बाद किसानों ने जाम हटाया। जाम के कारण करीब दो घंटे तक डीएपी से भरा एक ट्रक फंसा रहा, जिसे निजी केंद्र में जाना था। बाद में किसानों ने खुद ही टोकन काटने में अधिकारियों की मदद की। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि आज जिन किसानों को कूपन जारी किए जाएंगे, उन्हें शनिवार को डीएपी उपलब्ध करवाई जाएगी। किसान नेता सुरजीत सिंह बेगू ने कहा कि सरकार किसानों को बेवजह परेशान कर रही है। किसान सुबह पांच बजे से खरीद केंद्र के बाहर खड़े थे लेकिन केंद्र में सिर्फ अपने चहेतों को ही कूपन जारी हो रहे थे। किसानों ने प्रशासन व सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों का कहना था कि कभी मंडियों में उपज बेचने के लिए तो कभी डीएपी और बीज लेने के लिए किसानों को लाइनों में लगना पड़ रहा है। डीएपी का स्टाक खत्म, 15 नवंबर को रैक लगने की उम्मीद जिले में डीएपी का शुक्रवार को स्टाक खत्म हो गया। डीएपी के लिए किसानों को अब इंतजार करना होगा। डीएपी खाद का 15 नवंबर को रैक लगने की उम्मीद है। गेहूं व सरसों की बिजाई करने के लिए किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल रही है। किसानों को पहले आए रैक में कूपन देकर तीन या दो बैग डीएपी दी गई। डीएपी खाद के लिए सहकारी समिति केंद्र व दुकानें खुलने से पहले ही किसानों की लाइनें लग रही है। किसान केंद्रों के आगे रात्रि व सुबह तड़के से ही लाइन में लग रहे हैं। सरसों की बिजाई का समय निकाल गया है। सरसों की जिले में 170 एकड़ में बिजाई हो चुकी है। हालांकि फिर भी किसान सरसों की बिजाई कर रहे हैं। वहीं जिले में गेहूं की 7 लाख 30 हजार एकड़ में बिजाई होनी है। अभी तक 15 प्रतिशत बिजाई हुई है। गेहूं की दिसंबर माह तक बिजाई होगी। जिले में 42 हजार मीट्रिक टन डीएपी की जरूरत है। जिले में अभी तक करीब 22 हजार 500 मीट्रिक टन डीएपी पहुंची है। जिले में डीएपी का तीन दिन पहले रैक लगा था। उसमें 1500 एमटी डीएपी मिली थी। उसका स्टाक खत्म हो गया है। जिले में 15 नवंबर को रैक लगेगा। जिस पर किसानों को डीएपी मिल जाएगी। गेहूं की बिजाई सीजन तक पर्याप्त मात्रा में डीएपी आ जाएगी। अब समय समय पर रैक लगते रहेंगे। - डा. बाबूलाल, कृषि उपनिदेशक, कृषि विभाग, सिरसा डीएपी वितरण में अव्यवस्था ने महिलाओं को कतार में ला खड़ा किया है। शुक्रवार को डबवाली अनाज मंडी में विभिन्न गांवों से आई महिलाएं कतार में थी। जिस महिला के हाथ में कूपन था, उसे एक बैग डीएपी मिली।

महिलाओं ने ऐसी अव्यवस्था पर प्रशासनिक अधिकारियों को कोसते हुए सरकार से व्यवस्था बनाने की मांग की। महिलाओं ने कहा कि पहली बार ऐसा हो रहा है जब डीएपी के लिए हम चूल्हा-चौका छोड़कर कतार में खड़ी है। अनाज मंडी में खाद विक्रेता शटर डाउन करके खाद बेच रहे है। केवल उन्हीं किसानों को खाद दी जा रही है, जिनके पास 11 नवंबर के कूपन है। इस संबंध में खाद विक्रेता ने नोटिस बोर्ड लगाया हुआ है। बिना कूपन वाले किसान सुबह पांच बजे से कतार में खड़े है। गांव देसूजोधा के किसानों का कहना है कि उनके गांव में पैक्स है। वहां डीएपी आई थी लेकिन उन्हें नहीं मिली, क्योंकि उन्होंने पैक्स में खाता नहीं खुलवा रहा। किसानों का कहना है कि दुकान का अगला दरवाजा बंद है, पिछले दरवाजे से खाद वितरण हो रहा है।

भिवानी के सूई में आएंगे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, 1400 पुलिस कर्मचारी सुरक्षा में तैनात

भिवानी। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के गांव सूई में आगमन को लेकर ग्रामीणों व जिला प्रशासन ने स्वागत की तैयारियों में पलके बिछाई हुई हैं। राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए जिला पुलिस ने विशेष सुरक्षा इंतजाम किए है। उनके आगमन से 48 घंटे पहले ही 1400 पुलिस कर्मचारियों के सुरक्षा घेरा गांव के चारों तरफ लगा दिया गया है। वीआइपी सुरक्षा के मद्देनजर जेड प्लस सुरक्षा व अन्य नेशनल सिक्योरिटी पैरा मीटर के इंतजाम अलग से किए जा रहे है। गांव में पुलिस के डाग स्कवायड दस्ते व बम निरोधक दस्ते ने विशेष तौर पर मोर्चा संभाल लिया है। हेलीपैड की शुक्रवार शाम को बम निरोधक दस्ते व डाग स्क्वायड दस्ते ने जांच की। सूई में राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियां पूरी भिवानी जिले के छोटे से गांव सूई में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा अंतिम तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गांव में साफ-सफाई के बाद अब सुरक्षा का मोर्चा भी जिला पुलिस ने संभाल लिया हैं। पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत, जिले के पांच डीएसपी के नेतृत्व में स्थानीय स्तर की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे है। जिला पुलिस के 1400 पुलिस कर्मचारियों की सुरक्षा का पहला घेरा बनाया गया है। इसके साथ ही जेड प्लस सुरक्षा से लेकर नेशनल लेवल के तीन सुरक्षा घेरे अलग से रहेंगे। सभा स्थल नेशनल सिक्योरिटी वीआइपी सुरक्षा घेरा तैयार किया जा रहा है। राष्ट्रपति की विशेष सुरक्षा टीम संभालेगी। वीआइपी सुरक्षा को लेकर गोपनीयता भी बरती जा रही है। गांव सूई को जाने वाले रास्तों पर लगाए आठ नाके गांव में जाने वाले आठ रास्तों पर नाके लगाए गए हैं। गांव में जाने वाले हर वाहन की बारीकी से जांच की जा रही है। वाहनों चालकों व वाहन का नंबर भी दर्ज किया जा रहा हैं। बाहर से आने वाले वाहनों की विशेष निगरानी शुरू कर दी गई है। पैरा मिल्ट्री फोर्स की एक कंपनी भी रहेगी तैनात इसके साथ ही पैरा मिल्ट्री फोर्स की एक कंपनी तैनात की गई है। यह कंपनी हरियाणा पुलिस के सहयोग में रहेगी। पैरा मिल्ट्री फोर्स को हालांकि गांव की बाहरी सीमा पर रखा जा रहा है। हेलीपैड की सुरक्षा के लिए स्पेशल गार्ड प्राथमिक सुरक्षा के आधार पर जिला पुलिस ने हेलीपैड पर राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के तहत स्पेशल गार्ड तैनात की है, जो कि शुक्रवार से ही वहां पर मोर्चा संभाल रही है। यह गार्ड राष्ट्रपति के आने से लेकर जाने तक तैनात रहेगी। राष्ट्रीय मानकों के तहत बनाया गया विशेष सुरक्षा दायरा एसपी भिवानी अजीत सिंह शेखावत ने बताया कि सुरक्षा के मददेनजर गांव में फोर्स तैनात कर दी गई है। राष्ट्रपति सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय मानकों के तहत विशेष सुरक्षा दायरे बनाए गए हैं।

शिअद ने विधायक सिमरजीत बैंस के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया का किया स्वागत, ढांडा बोले- अब पीड़ित महिला को न्याय मिलेगा

लुधियाना। लुधियाना में लोक इंसाफ पार्टी के प्रधान एवं हलका आत्मनगर से विधायक सिमरजीत सिंह बैंस के खिलाफ अदालत में चार्जशीट पेश होने का शिअद नेता हरीश राय ढांडा ने स्वागत किया है। शनिवार को सीपी दफ्तर के समक्ष पीड़ित महिला के साथ पहुंचे ढांडा ने कहा कि अब इस मामले में पीड़ित को न्याय मिलेगा। उम्मीद है कि पुलिस इस मामले में अब और तथ्य जुटाएगी। ढांडा ने आरोप लगाया कि कुछ अफसरों के चलते ही इस केस की जांच में अनावश्यक देरी की गई, लेकिन देश का कानून सर्वोपरि है और सभी को

कानून पर पूरा भरोसा है। ढांडा ने कहा कि जांच में कई तथ्य साबित हुए हैं, जिनसे यह साफ है कि पीड़िता के साथ अन्याय हुआ है। पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में विधायक बैंस समेत छह अन्य के खिलाफ दर्ज केस में 11 नवंबर को एडीशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत में चार्जशीट दायर की थी। पीड़ित महिला ने विधायक सिमरजीत बैंस पर दुष्कर्म के आरोप लगाए थे। अभी तक इस मामले में किसी भी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बैंस ने इस मामले में हाईकोर्ट में भी चुनौती दी थी, लेकिन वहां से भी उनकी याचिका खारिज हो गई। ढांडा ने कहा कि राजनीतिक संरक्षण के चलते बैंस को बचाने का प्रयास शुरू से ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि कई पुलिस अफसरों ने भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी नहीं निभाई। ढांडा ने उम्मीद जताई कि अब कानून अपना काम करेगा।

गोरखपुर में अखिलेश यादव की जनसभा, कहा- बीजेपी का सफाया होना निश्चित है

अखिलेश यादव ने कहा कि ये जनसमर्थन देखकर लग रहा है कि किसी को बुखार चढ़ा होगा या उतर गया है.

गोरखपुर । गोरखपुर में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ये चुनाव लोकतंत्र को बचाने का है. बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग इतने दिनों से किसानों की आवाज़ को नहीं सुन सके, आने वाले समय में कोई भी आंदोलन करेगा तो वो उसे कुचलने का काम करेंगे. उन्होंने कहा कि ये जनसमर्थन देखकर लग रहा है कि किसी को बुखार चढ़ा होगा या उतर गया है. अखिलेश यादव ने कहा कि जनसैलाब देखकर लग रहा है कि जनता बदलाव चाहती है. जनता पर भरोसा है और यकीन है कि यही से बीजेपी का सफाया हो जाएगा. बीजेपी ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, कहां दोगुनी हुई. आमदनी और मुनाफा घट गया. आय बढ़ाने की बजाय महंगाई बढ़ा दी. अन्नदाता का अपमान सबसे ज्यादा बीजेपी ने किया है. किसान भाइयों और साथियों का धन्यवाद देना चाहूंगा. इतना जन समर्थन मिला है. बीजेपी की सरकार जाने वाली है. बीजेपी के लोग कहते थे कि हवाई चप्पल पहनने वाला हवाई जहाज पर नहीं चला. डीजल-पेट्रोल इतना महंगा कर दिया कि मोटरसाइकिल नहीं चला पा रहे हैं. सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारी सरकार बनेगी तो मां-बहनों का भी सम्मान होगा. बाबा जी के क्षेत्र में बदलाव होगा. बदलाव और खुशहाली, नौजवानों की नौकरी के लिए सपा की मदद करिए. उन्होंने कहा कि कोरोना काल में मजदूर कहां-कहां से पैदल लौटे. अस्पताल, दवा, बिस्तर, ऑक्सीजन और अन्य सुविधा नहीं दे पाई. लोगों की जान चली गई. किसी युवा को नौकरी और रोजगार नहीं मिला. डॉलर के सामने रुपये की कोई कीमत नहीं बची. गरीबों की जेब काटकर उद्योगपतियों की जेब भर दी. इनका सफाया होना निश्चित है.

30 नवंबर को मेरठ में जनसभा कर पश्चिम में चुनावी बिगुल फूंकेंगी प्रियंका गांधी

मेरठ । कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी 30 नवंबर को मेरठ में चुनावी जनसभा करेंगी। अक्तूबर में प्रियंका का कार्यक्रम फाइनल हुआ था। लेकिन मौसम खराब होने के कारण ऐन वक्त पर कार्यक्रम कैंसिल हो गया था। शुक्रवार देर शाम पार्टी हाईकमान से फिर से प्रियंका गांधी की मेरठ रैली का कार्यक्रम जारी हुआ। हाईकमान से संदेश मिलते ही शुक्रवार को बुढ़ाना गेट पार्टी कार्यालय पर आकस्मिक बैठक की। बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं को रैली की तैयारियों में जुटने के लिए कहा गया है। प्रियंका की रैली की सूचना के बाद जिला महानगर कांग्रेस कमेटी की बैठक पार्टी कार्यालय पर हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष अवनीश काजला, जाहिद अंसारी ने कार्यकर्ताओं को रैली में अधिक से अधिक भीड़ जुटाने का टार्गेट दिया है। संभवत भैंसाली मैदान में प्रियंकां गांधी

जनसभा करेंगी। बैठक में सीसीएसयू के छात्र प्रवीण पवार सहित अन्य छात्रों ने कांग्रेस की सदस्यता भी ली। जिलाध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं से कहा कि 30 नवंबर की रैली में अधिकतम भीड़ पहुंचे, शहर के अलावा देहात से भी लोगों को लाकर रैली को सफल बनाना है। जिला प्रभारी प्रदेश सचिव अजीत सिंह दोला व शहर प्रभारी प्रदेश सचिव नसीम खान, हरिकिशन मौजूद रहे।

गहने लादकर निकलने वाला जुमला देते हैं गृहमंत्री अमित शाह : प्रियंका गांधी

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने यूपी के कानपुर में अपराध की कुछ घटनाओं को लेकर शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह गहने लादकर निकलने वाला जुमला देते हैं, लेकिन ये तो राज्य की महिलाओं को ही पता है कि उन्हें रोज किस तरह की चीजों से जूझना पड़ता है। उन्होंने ट्वीट किया, देश के गृहमंत्री जी गहने लादकर निकलने वाला जुमला देते हैं, लेकिन ये तो उ0प्र की महिलाओं को ही पता है कि उन्हें रोज किस तरह की चीजों से जूझना पड़ता है। कांग्रेस की यूपी प्रभारी ने जोर देकर कहा, इसलिए लड़की हूं लड़ सकती हूं जरूरी है। ताकि राजनीति में व सुरक्षा से जुड़ी नीतियां बनाने में महिलाओं की भागीदारी बढ़े। गौरतलब है कि अमित शाह ने पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति की तारीफ करते हुए कहा था कि आज 16 साल की बच्ची भी गहने लेकर रात 12 बजे भी यूपी की सड़कों पर चल सकती है।

यूपी विद्युत उपभोक्ता परिषद ने ऊर्जा मंत्री को सौंपा प्रस्ताव, स्मार्ट प्रीपेड मीटर का खर्च उठाए सरकार

लखनऊ। पहले से ही महंगी बिजली से परेशान विद्युत उपभोक्ताओं पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर का भी भार डालने की तैयारी है। इतना ही नहीं मीटर की कैपिटल कास्ट पर बिजली महंगी कर प्रतिमाह जीएसटी भी वसूली जा सकती है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इसका विरोध करते हुए ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा को प्रस्ताव सौंपा है। परिषद अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने मंत्री से मांग की है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर का खर्च केंद्र सरकार उठाए और जीएसटी का भार भी उपभोक्ताओं पर न डाला जाए। मंत्री ने आश्वस्त किया कि उपभोक्ताओं पर किसी तरह का कोई अतिरिक्त भार नहीं पड़ने दिया जाएगा। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा रेवैम्प स्टैंडर्ड बिल्डिंग डाक्यूमेंट संबंधी जारी दिशा-निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि छह हजार रुपये के प्रीपेड स्मार्ट मीटर की कुल लागत का 900 रुपये सरकार देगी और शेष 5100 रुपये बिजली कंपनियों को खर्च करना होगा। ऐसे में मीटर पर आने वाला खर्च का भार अंतत वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) व बिजली दर के जरिए उपभोक्ताओं पर ही आएगा।

मुरादाबाद में प्रशासकों का ग्राम पंचायतों के धन में गोलमाल, 10 अधिकारी निलंबित

लखनऊ। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान मुरादाबाद जिले में प्रशासकों ने 20 ग्राम पंचायतों से करीब साढ़े चार करोड़ की धनराशि निकाल ली, उसमें 83 लाख से अधिक धन का कोई उपभोग प्रमाणपत्र नहीं मिला है। जांच में बड़े पैमाने पर धन की हेराफेरी होने की पुष्टि होने पर तत्कालीन जिला पंचायत राज अधिकारी राजेश कुमार सिंह को निलंबित कर दिया गया है। इसी तरह से दो विकासखंडों के 10-10 ग्राम पंचायत सचिवों को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबित होने वाले कुल अधिकारियों की संख्या 10 है, क्योंकि ग्राम पंचायत सचिवों के पास कई गांवों का प्रभार रहा है। अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह की ओर से शुक्रवार को जारी आदेश में कहा गया है कि सारा गोलमाल मुरादाबाद जिले के विकास खंड कुंदरकी और मूढ़ापांडे में प्रशासक कार्यकाल के दौरान हुआ है।

अखिलेश के गढ़ में शाह की रैली : बोले- सपा सरकार में आजमगढ़ कट्टरवादी सोच और आतंकवाद का पनाहगार कहा जाता था

आजमगढ़ । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज आजमगढ़ में विश्वविद्यालय का शिलान्यास हो रहा है। जिस आजमगढ़ को सपा शासन में दुनिया भर में कट्टरवादी सोच और आतंकवाद की पनाहगार के रूप में जाना जाता था। आज उसी आजमगढ़ की भूमि पर आज मां सरस्वती का धाम बनाने का काम होने जा रहा है। गृहमंत्री ने कहा कि भाजपा ने 2017 में अपने घोषणा पत्र में कहा था कि 10 नए विश्वविद्यालय बनाएंगे। आज 10 विश्वविद्यालय बनाने का काम पूरा हो चुका है।

40 मेडिकल कॉलेज बनाने का हमने वादा किया था, ये वादा भी हमने पूरा किया है। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई

परिवर्तन किए हैं। पहले यहां जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण का राज चलता था, सबको न्याय नहीं मिलता था। सीएम योगी ने जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण पर पूर्ण विराम लगाने का काम किया है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश, देश की छठी अर्थव्यवस्था थी, आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था उत्तर प्रदेश की है। प्रदेश की जीडीपी 10,90,000 करोड़ थी, आज 21,31,000 करोड़ करने का काम हुआ है। अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश को माफिया राज से मुक्ति दिलाने का काम योगी सरकार ने किया है। आजमगढ़ इसका उदाहरण है। कैराना से लोग पलायन कर रहे थे। बेटियों की उच्च शिक्षा नहीं हो पाती है। आज माफिया उत्तर प्रदेश छोड़कर चले गए हैं। अब यहां

गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को आजमगढ़ में राज्य विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। जहां उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर जमकर हमला बोला।

कानून का राज है।

भाजपा और सपा में JAM का मतलब समझाया

गृह मंत्री ने JAM अर्थ बताते हुए कहा किभाजपा सरकार में JAM का अर्थ है,

J- जन धन बैंक खाते, A– आधार कार्ड, M– हर आदमी को मोबाइल।

जबकि समाजवादी पार्टी के लिए JAM का अर्थ है,

J - जिन्ना, A –आजम खान, M - मुख्तार अंसारी।

आजमगढ़ को आर्यमगढ़ बनाएगा राज्य विवि, 2014 से पहले यहां के लोगों को बाहर नहीं मिलता था कमरा-योगी

आजमगढ़ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को राज्य विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया। इस दौरान आयोजित जनसभा को मुख्यमंत्री ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ की पहचान के संकट को खत्म करेगा तो वहीं आजमगढ़ को आर्यमगढ़ बनाएगा। 2014 के पूर्व आजमगढ़ के लोगों को कहीं बाहर कमरा नहीं मिलता था। इसके पीछे आजमगढ़ का होना प्रमुख कारण था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब आजमगढ़ को आतंक का गढ़ नहीं कहा जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य विश्वविद्यालय पूरी तरह से आजमगढ़ की पहचान के संकट को खत्म कर देगी। आजमगढ़ के विकास को लेकर सरकार ने एक्सप्रेस-वे बनाया। यह एक्सप्रेस आजमगढ़ के विकास में रीढ़ बनेगा। एयरपोर्ट का काम भी 95 प्रतिशत पूरा हो गया है,

जल्द ही आजमगढ़ एयरपोर्ट से उड़ान भी शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि एक वक्त था जब आजमगढ़ की पहचान आतंक के गढ़ के रुप में होती थी। पूर्व की सरकारों ने जातिवाद, परिवारवाद व तुष्टिकरण वाद को बढ़ावा देने का काम किया लेकिन हमारी सरकार ने जनता के हित की योजनाओं को आगे बढ़ाने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी योजनाओं का प्रदेश में सफल संचालन हुआ। गरीबों को 2020 में जहां पांच माह तो 2021 में आठ माह मुफ्त राशन बांटा गया। पूर्व की सरकार इसी राशन को कालाबाजारी कर बांग्लादेश भेज देती थी। हमने साढ़े चार लाख को सरकारी तो तीन लाख को संविदा नौकरी दी। नौकरी पाने वाले ये नवजवान मेरे, मोदी या शाह के परिवार के नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा के दौरान सपा मखिया और आजमगढ़ सांसद अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि कोरोना काल में आप के सांसद आप के बीच नहीं आए लेकिन चुनाव का वक्त आते ही नजर आने लगे हैं। आजमगढ़ हमारा कार्य क्षेत्र है। 2007 में यहीं मुझ पर हमला हुआ था। शिब्ली पीजी कॉलेज में अजीत राय की हत्या इसलिए कर दी गई कि उसने गणतंत्र दिवस पर वंदेमातरम का गान करने की मांग की थी। वह विद्यार्थी परिषद का सदस्य था। यह सब पूर्ववर्ती सरकार में हुआ है लेकिन आज की सरकार में किसी में ऐसा करने की हिम्मत नहीं है।

आयोजन के दूसरे दिन राष्ट्रीय सुरक्षा, अखंडता और राष्ट्रवाद पर मंथन

वाराणसी। काशी में धर्म- संस्कृति और संस्कारों संग राष्ट्रीय सुरक्षा, अखंडता और राष्ट्रवाद पर वैचारिक मंथन का शनिवार को दूसरा दिन है। संस्कृति संसद के दूसरे दिन शनिवार को चतुर्थ सत्र में भारत की सांस्कृतिक विरासत पर सुबह 10 बजे से 11 बजे तक आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल, केरल ने वक्तव्य दिया तो संचालक अशोक श्रीवास्तव ने किया। पांचवां सत्र ढाई युद्ध के मोर्चे पर भारत व राष्ट्रीय सुरक्षा में आम नागरिकों की भूमिका पर सुबह 11 से 12 बजे अंबिका बाजपेयी का वक्तव्य हुआ तो राष्ट्रीय सुरक्षा पर चिंतन भी आयोजन में उभरा। वहीं इसी सत्र में आरके सिंह, ऊर्जा मंत्री, भारत सरकार, जनरल वीके सिंह, राज्य मंत्री, नागरिक उड्डयन, भारत सरकार, डा. अशोक बेहुरिया, निदेशक, आईडीएसए ने भी अपने विचार व्यक्त किए तो संचालक प्रवेश खन्ना ने किया। छठवें सत्र में हिंदू होलोकास्टः हिंदू संस्कृति पर दो हजार वर्षों तक हुए हमले दोपहर 12 से एक बजे तक मंथन होना है। इसमें कोनराड एल्स्ट, प्रसिद्ध इतिहासकार, डा. विक्रम संपथ, इतिहासकार व लेखक परिचर्चा करेंगे तो संचालन डा. राज मिश्रा संभालेंगे। सांतवें सत्र में पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक चुनौतियां विषय पर दोपहर दो से तीन बजे तक मंथन होगा। आठवें सत्र में उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम 1991 एवं अन्य धार्मिक कानूनः धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हिंदुओं का दमन पर शाम तीन से चार बजे तक अंबिका बाजपेयी का व्याख्यान होना है। जबकि स्वामी जीतेन्द्रानंद सरस्वती, महामंत्री, अखिल भारतीय संत समिति, आलोक कुमार, अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद, अश्विनी उपाध्याय, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्चतम न्यायालय भी अपने विचार रखेंगे। नौवें सत्र में संस्कृति की अविरल धारा मां गंगा पर शाम 4.30 से 5.30 बजे तक विमर्श होगा। जिसमें गजेंद्र सिंह शेखावत, जलशक्ति मंत्री, भारत सरकार, इंद्रेश कुमार, वरिष्ठ प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, रत्नाकर, संगठन महामंत्री, भाजपा, गुजरात शामिल होंगे। वहीं समानांतर सत्र-में हिंदू मंदिर प्रबंधन हिंदुओं के द्वारा एवं भारत के प्रत्येक संप्रदाय को शिक्षण एवं सांस्कृतिक संस्थानों के संचालन की स्वतंत्रता पर आलोक कुमार, अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद, एडवोकेट एलवी सुब्रमण्यम, प्रो. रामचंद्र पांडेय, पूर्व विभागाध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, बीएचयू, अशोक तिवारी, संत संपर्क प्रमुख, विहिप विचार व्यक्त करेंगे। समानांतर सत्र के अगले चरण में युगानुकूल आचार संहिता एवं हिंदुओं के धार्मिक निर्णयपर वाचस्पति त्रिपाठी शर्मा, प्रसिद्ध धर्मशास्त्री, प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी, उपाध्यक्ष, श्रीकाशी विद्वत परिषद, प्रो. विनय पांडेय, पूर्व अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, बीएचयू वक्तव्य देंगे। वहीं सांस्कृतिक आयोजनों के क्रम में व्यास मौर्या व सुचरिता गुप्ता शाम सात बजे से स्वर साधना करेंगे।

पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति को उम्रकैद, सामूहिक दुष्कर्म मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने सुनाई सजा

लखनऊ। सूबे के पूर्व काबीना मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति को एमपी-एमएलए की विशेष अदालत ने सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में उम्र कैद की सजा सुनाई है। विशेष अदालत ने इस मामले में गायत्री के दो सहयोगी अभियुक्त आशीष शुक्ला व लेखपाल अशोक तिवारी को भी उम्र कैद की सजा सुनाई है। गायत्री समेत तीनों अभियुक्तों पर दो-दो लाख का जुर्माना भी ठोंका है। विशेष जज पवन कुमार राय ने कहा है कि जुर्माने की समस्त धनराशि पीड़िता की नाबालिग बेटी को दी जाएगी। क्योंकि इस मामले में पीड़िता का आचरण ऐसा नहीं रहा कि उसे जुर्माने का भुगतान किया जाए। उसकी बड़ी बेटी भी पक्षद्रोही घोषित हो चुकी है। ऐसे में उसकी छोटी बेटी ही वास्तव में पीड़िता है। जिसके पुर्नवास की आवश्यक्ता है। लिहाजा अर्थदंड की सम्पूर्ण धनराशि उसे ही दिया जाएगा। बीते बुधवार को विशेष जज ने इन तीनों अभियुक्तों को आईपीसी की धारा 376 डी व पॉक्सो एक्ट की धारा 5जी/6 के तहत दोषी करार दिया था। लेकिन पॉक्सो एक्ट के प्राविधानो के मुताबिक जिस धारा के तहत अधिक सजा होगी, अभियुक्त को उसी धारा से दंडित किया जाएगा। लिहाजा उन्होंने अभियुक्तों को सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में उम्र कैद की सजा सुनाई। क्योंकि वर्ष 2019 से पहले पॉक्सो की धारा 5जी/6 के तहत 10 साल से उम्र कैद तक की सजा का प्राविधान था। जबकि यह मामला वर्ष 2017 का है। मंत्री होने के नाते गायत्री का दायित्व जनता की सेवा करना था, लेकिन अपने पद का दुरुपयोग किया विशेष जज ने अपने 72 पन्ने के फैसले में कहा है कि अभियुक्तों द्वारा एक असहाय महिला जिसका पति उसे 14 साल पहले छोड़कर चला गया था, की कमजोर परिस्थिति का लाभ उठाया। उसे खनन-पट्टे का लालच दिया।

यूपी के करीब तीन लाख किसानों को बड़ी राहत, योगी सरकार ने जारी किए 102.63 करोड़

लखनऊ। राज्य सरकार ने 29 जिलों में बाढ़ और बारिश से फसलों को हुए नुकसान से प्रभावित 2.98 लाख किसानों को मुआवजा देने के लिए 102.63 करोड़ रुपये की धनराशि और आवंटित की है। राज्य आपदा मोचक निधि से यह राशि संबंधित जिलाधिकारियों को जारी कर दी गई है। राजस्व विभाग ने इस बारे में शासनादेश जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ और बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान से प्रभावित किसानों को राहत देने का निर्देश दिया था। मुआवजे के लिए राहत आयुक्त कार्यालय की वेबसाइट पर अब तक 11.44 लाख किसानों का डाटा फीड किया जा चुका है। इससे पहले राजस्व विभाग की ओर से प्रदेश के 52 जिलों के 8.25 लाख किसानों के लिए पांच किस्तों में कुल 282.09 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। बचे हुए 2.98 लाख किसानों के लिए अब 102.63 करोड़ रुपये की धनराशि और दी गई है। इसे मिलाकर इस साल बाढ़ व बारिश से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए अब तक राज्य आपदा मोचक निधि से 377.41 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। जिन जिलों के किसानों के लिए यह धनराशि जारी की गई है उनमें सर्वाधिक 92,941 कृषक ललितपुर के हैं। इसके अलावा, लखीमपुर खीरी के 29,535, बरेली के 28,049, महोबा के 27,082, बहराइच के 21,282, मुरादाबाद के 16,290, रामपुर के 13,545, बदायूं के 10,158, श्रावस्ती के 9055, हरदोई के 8708, सीतापुर के 7,697, बाराबंकी के 6,490, कन्नौज के 6,296, बलरामपुर के 3,412, उन्नाव के 3,143, जालौन के 2,710, कानपुर नगर के 2,678, अलीगढ़ के 2,334, फर्रुखाबाद के 2,090, बस्ती के 1,211, अमेठी के 1,041, अंबेडकरनगर के 919, गोंडा के 765, मेरठ के 472, अयोध्या के 236, मथुरा के 174, आजमगढ़ के 104, मुजफ्फरनगर के 78, और फतेहपुर के एक किसान को मुआवजा देने के लिए रकम जारी की गई है। मुख्यमंत्री ने जारी की गई धनराशि को किसानों के बैंक खातों में जल्दी से जल्दी भेजने का निर्देश दिया है।

यूपी में सहकारी समितियों की हड़ताल खत्म, उच्च स्तरीय कमेटी गठित; प्रमुख सचिव ने बुलाई थी बैठक

लखनऊ। आखिरकार प्रारंभिक कृषि ऋण सहकारी समिति (पैक्स) कर्मचारी संगठन व अफसरों के बीच हड़ताल खत्म करने पर सहमति बन गई है। प्रमुख सचिव सहकारिता ने उप्र सहकारी समिति कर्मचारी समन्वय समिति व अफसरों की बैठक करके मांगों के निस्तारण पर चर्चा की। उन्होंने अपर आयुक्त बी चंद्रकला की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित की है। पैक्स सचिव व अन्य कार्मिकों ने वेतन भुगतान व अन्य मांगों को लेकर एक नवंबर को आयुक्त कार्यालय का घेराव किया, मांगे पूरी न होने पर दो नवंबर से कार्मिकों का कार्य बहिष्कार शुरू हुआ था। 7479 समितियों में खाद-बीज का वितरण व धान खरीद आदि कार्य ठप हो गए थे। सहकारिता विभाग व जिला प्रशासन ने इसे विफल करने के लिए पहले कार्मिकों को मनाने का प्रयास किया लेकिन, असफल होने पर सख्ती से कार्रवाई की। प्रदेश अध्यक्ष सहित कई कार्मिक निलंबित हुए। कर्मचारी संगठन का आरोप है कि अफसर एफआइआर दर्ज कराने व अन्य तरह की धमकी दे रहे हैं। सहकारिता विभाग ने समितियों में छह माह तक हड़ताल करने पर प्रतिबंध लगाया था। इधर कार्मिकों के इस्तीफा देने से विभाग ने स्थिति को संभाला। सहकारिता विभाग के आयुक्त एवं निबंधक बीएल मीणा ने संगठन पदाधिकारी व अफसरों की बैठक बुलाकर समस्याएं सुनी। प्रमुख सचिव ने उनकी मांगों पर विचार करके नियमानुसार समाधान करने आश्वासन दिया। इस पर समिति पदाधिकारियों ने हड़ताल खत्म करने का निर्णय अधिकारियों को बताया। कार्मिकों की मांगों पर विचार संस्तुति देने के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। इसमें अपर आयुक्त व अपर निबंधक बी चंद्रकला अध्यक्ष, वित्तीय सलाहकार पीके अग्रवाल, प्रबंध निदेशक श्रीकांत गोस्वामी, यूपीसीबी के एमडी वरुण कुमार मिश्र, पीसीयू के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, कार्यकारी निदेशक जमुना प्रसाद पांडेय, संयुक्त आयुक्त आरके कुलश्रेष्ठ, सहायक आयुक्त वैशाली सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी हरीश चंद्र दीक्षित को सदस्य बनाया गया है।

यूपी में 29 नवंबर तक होंगे आइटीआइ में प्रवेश, राजकीय संस्थानों को बनाया गया नोडल केंद्र

लखनऊ। राजकीय और निजी आइटीआइ में पढ़ाई के साथ ही प्रवेश प्रकिया भी चल रही है। व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद की ओर से पूरे प्रदेश के सभी जिलों में स्थापित राजकीय औद्योगिक संस्थानों को नोडल केंद्र बनाकर वरीयता के आधार पर प्रवेश करने का निर्देश दिया गया है। 19 नवंबर तक राजकीय और 29 नवंबर तक प्राइवेट आइटीआइ में प्रवेश होंगे। व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के संयुक्त निदेशक राजेंद प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में 305 सरकारी और 2939 निजी आइटीआइ संस्थान हैं। सभी में रिक्त सीटों के सापेक्ष प्रवेश के निर्देश दिए गए हैं। सूची सभी नोडल केंद्रों को भेजी जा चुकी है। केंद्र व राज्य सरकार की 67 ट्रेडों की रिक्त सीटों पर प्रवेश होगा। तीसरी प्राइवेट आइटीआइ एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष राजेंद्र द्विवेदी ने बताया कि महानिदेशक प्रशिक्षण एवं सेवायोजन की ओर से तीसरी शिफ्ट शुरू करने का आदेश किया गया है। 11 नवंबर को प्रदेश सरकार की ओर से प्रवेश की अनुमति दी गई। ऐसे में समय के अभाव के चलते विद्यार्थियों को प्रवेश का कम अवसर मिलेगा। ऐसे में अंतिम तिथि को बढ़ाने पर परिषद को विचार करना चाहिए। सरकार द्वारा निर्धारित फीस ही ली जाएगी। कोई अतिरिक्त फीस नहीं लेगा। कोरोना संक्रमण काल में हम सब सरकार के साथ हैं। हालांकि, निजी संस्थानों में प्रवेश की प्रक्रिया सरकारी के मुकाबले धीमी और अधिकतर संस्थानों में अभी भी सीटें रिक्त हैं। परिषद की ओर से पोर्टल पर पंजीकृत विद्यार्थी का ही प्रवेश लेना है। सीधे प्रवेश से पहले पंजीयना करना अनिवार्य होगा। संस्थानों की ओर से शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ दिलाने का भरोसा देकर अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए बुलाया जा रहा है। वहीं चारबाग के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य ओपी सिंह ने बताया कि सरकार की गाइड लाइन के अनुरूप कक्षाओं का संचालन होगा।

लखनऊ का एक ऐसा मंदिर जहां बिना झगड़े नहीं होता कोई काम, सदियों पुराना है झगड़ेश्वर महादेव मंदिर

लखनऊ। लक्ष्मणनगरी का हर रंग निराला है। गंगा जमुनी रंग जहां इसे अन्य शहरों से अलग करता है तो दूसरी ओर यहां की इमारतें पर्यटकों को बरबस अपनी ओर खींचती हैं। यहां स्थापित धार्मिक स्थलों की भी अपनी अलग पहचान बनी हुई है। अलीगंज के पुराने हनुमान मंदिर की शिला पर चांद का निशान हिंदू-मुस्लिम एकता की पहचान है तो चौक के अली और बजरंग बली के अखाड़े में हिंदू-मुस्लिम एक साथ एकता का दांव लगाते हैं। ऐसा ही एक अनोखा शिव मंदिर है जहां भगवान शिव का नाम लेने के साथ ही बिना झगड़े के कोई शुभ काम नहीं हो सकता है। कुछ पल के लिए ही सही मंदिर में आयोजन को लेकर झगड़ा जरूर होता है। यहां भगवान शिव की आराधना करने मात्र से ही सभी दुःखों का नाश होता है। रुद्राभिषेक कर श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने की कामना करते हैं। महिलाएं सोमवार को व्रत रखकर मनचाहा वरदान मांगने के लिए यहां आती हैं। राजाबाजार के डेग वाली गली स्थित झगड़ेश्वर महादेव की स्थापना कब हुई थी इसके बारे में तो किसी को जानकारी नहीं है, लेकिन कहा जाता है कि यह मंदिर सदियों पुराना है। यहां पास में कभी किला

हुआ करता था जिसमे शिवलिंग मिला और उसकी स्थापना कर दी गई। 1938 में मंदिर जीर्णोद्धार किया गया। मान्यता है कि झगड़ेश्वर महादेव के दर्शन करने से झगड़ा शांत हो जाता है। हर सोमवार को रुद्राभिषेक के साथ ही सुबह शिवार्चन व शाम को फूलों से बाबा का श्रृंगार किया जाता है। दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी न हो इसके लिए महिलाओं और पुरुषों की अलग-अलग लाइनें लगाने की व्यवस्था की गई है। मंदिर के पुजारी अंबिकेश्वर तिवारी ने बताया कि मंदिर की स्थापना से लेकर अब तक बिना झगड़े के मंदिर का कोई आयोजन नहीं होता है, लेकिन कुछ पल के बाद ही बाबा सब कुछ सही कर देते हैं।

झगड़ा शांत करने के लिए लोग दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर में दर्शन मात्र से ही सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। श्रावण के सभी सोमवार को दर्शन का विशेष इंतजाम किया जाता है। बाबा के दर्शन के लिए राजधानी समेत प्रदेश के कई जिलों के श्रद्धालु भी आते हैं। मंदिर के अंदर प्रवेश करते ही शांति की अनुभूति होती है। मंदिर के निर्माण से शुरू हुआ झगड़ा अभी तक जारी है। मंदिर की दीवारों और गुंबदों पर भगवान के प्रतीक बने हैं। मंदिर परिसर में हनुमान जी के दरबार के साथ ही शनि देव की भी स्थापना है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के कप्तान अजिंक्य रहाणे के नाम हैं ये क्रिकेट रिकॉर्ड

नयी दिल्ली। टेस्ट मैच के उप कप्तान अजिंक्य रहाणे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। विराट कोहली ने पहले टेस्ट मैच की कप्तानी से ब्रेक लिया है, दूसरे टेस्ट के दौरान वह भारतीय टीम को ज्वाइंन करेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच की सीरीज से सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा, विकेटकीपर ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी जैसे कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर रखा गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए भारत की टेस्ट टीम की घोषणा शुक्रवार को की गई। अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने 25 नवंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम का चयन किया है। बीसीसीआई की कार्यभार प्रबंधन नीति के तहत नव नियुक्त टी20 कप्तान और नियमित सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा, विकेटकीपर ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को आराम दिया गया है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक बयान में कहा, विराट कोहली दूसरे टेस्ट के लिए टीम में शामिल होंगे और टीम की अगुवाई करेंगे। मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने ऑफ स्पिनर जयंत यादव के साथ टेस्ट टीम में वापसी की।

भारत तीन टी20 (17 नवंबर, 19 और 21 नवंबर) और दो टेस्ट (25-29 नवंबर और 3-7 दिसंबर) में न्यूजीलैंड से खेलेगा। पहला टेस्ट कानपुर में और दूसरा मुंबई में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम के खिलाड़ी

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की टेस्ट टीम- अजिंक्य रहाणे (सी), केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा (वीसी), शुभमन गिल, एस अय्यर, रिद्धिमान साहा (डब्ल्यूके), केएस भारत (डब्ल्यूके), रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, अक्षर पटेल, जे यादव, इशांत शर्मा, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में रोहित शर्मा टीम की अगुवाई करेंगे। श्रृंखला के लिए टीम की आधिकारिक घोषणा मंगलवार को की गई, जिसमें विराट कोहली, जिन्होंने टी20ई कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है, को आराम दिया गया है। अन्य उल्लेखनीय बहिष्करणों में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और रवींद्र जडेजा के साथ-साथ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी शामिल हैं। यह वह खिलाड़ी भी है जिनके निराशाजनक प्रदर्शन के कारण टीम इंडिया टी20 विश्व कप से बाहर हो गयी। अजिंक्य रहाणे टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाजों में से एक हैं। वह भारतीय क्रिकेट टीम में टेस्ट सीरीज के दौरान उप कप्तान की भूमिका निभाते हैं। अजिंक्य रहाणे अधिकतर टेस्ट मैच खेलते हैं। इसके अलावा घरेलू मैचों में वह मुंबई के लिए खेलते हैं इसके अलावा इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हैं। उन्होंने 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय कैरियर की शुरुआत की उसके बाद 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने टेस्ट कैरियर का आगाज किया जिसमें उन्हें कामयाबी हासिल हुई। रहाणे ने 2007-08 में मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी सीज़न में प्रथम श्रेणी में पदार्पण किया। उन्होंने अगस्त 2011 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ एक ट्वेंटी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। रहाणे ने मार्च 2013 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। उनका पहला टेस्ट शतक न्यूजीलैंड के खिलाफ बेसिन रिजर्व, वेलिंगटन में आया था।

उनकी कप्तानी में, भारत ने ऑस्ट्रेलिया में 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती। मई 2021 तक रहाणे 688 अंकों के साथ ICC टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 15वें स्थान पर हैं।

विराट कोहली को लेकर अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने दिया यह सुझाव

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी को लगता है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली को बल्लेबाज के तौर पर और अधिक बेहतर प्रदर्शन करने के लिये खेल के सभी प्रारूपों में कप्तानी की भूमिका छोड़ देनी चाहिए।

'समा टीवी चैनल' पर बात करते हुए अफरीदी ने कहा कि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का रोहित शर्मा को भारतीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त करने का फैसला अच्छा है। कोहली ने भारत के टी20 विश्व कप में अभियान समाप्त होने पर टी20 कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था, जिसके बाद बीसीसीआई ने यह फैसला किया। अफरीदी ने कहा, ''मुझे लगता है कि वह भारतीय क्रिकेट के लिये अद्भुत ताकत रहा है लेकिन मुझे लगता है कि यह अच्छा होगा, अगर वह अब सभी प्रारूपों में बतौर कप्तान संन्यास लेने का फैसला कर लें। '' उन्होंने कहा, ''मैं एक साल के लिये रोहित के साथ खेला था और वह मजबूत मानसिकता वाला लाजवाब खिलाड़ी है। उसकी सबसे मजबूत चीज है कि जब जरूरी हो तो वह 'रिलैक्स' रह सकता है और जब बहुत जरूरी हो तो वह आक्रामकता भी दिखा सकता है। '' इस पाकिस्तानी स्टार ने कहा कि रोहित में अच्छे कप्तान के लिये मानसिक मजबूती है और उन्होंने अपनी आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के लिये यह दिखा भी दिया है। उन्होंने कहा, ''वह शीर्ष स्तर का खिलाड़ी है, उनका शॉट चयन शानदार है और खिलाड़ियों के लिये अच्छे नेतृत्वकर्ता के लिये उनके पास मानसिकता भी है। '' अफरीदी आईपीएल के शुरू होने वाले वर्ष में डेक्कन चार्जर्स में रोहित के साथ खेले थे। कोहली के टी20 कप्तानी छोड़ने के फैसले पर अफरीदी ने कहा कि वह इसकी उम्मीद कर रहे थे। अफरीदी को लगता है कि कोहली को कप्तानी छोड़कर सभी तीनों प्रारूपों में अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान लगाना चाहिए और इसका लुत्फ उठाना चाहिए। अफरीदी ने कहा, ''मुझे लगता है कि विराट को कप्तानी छोड़कर अपना बचे हुए क्रिकेट का लुत्फ उठाना चाहिए और मुझे लगता है कि उनका अभी काफी क्रिकेट बचा है। वह शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं और वह दिमाग में किसी अन्य दबाव के बिना 'फ्री' होकर खेल सकते हैं। वह अपने क्रिकेट का आनंद लेंगे। '' तैंतीस वर्षीय कोहली ने हाल में आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की कप्तानी से भी हटने का फैसला किया था।

वहीं मुख्य कोच के तौर पर कार्यकाल खत्म कर चुके रवि शास्त्री ने हाल में एक साक्षात्कार में संकेत दिया था कि कोहली वनडे की कप्तानी भी छोड़ सकते हैं और सिर्फ टेस्ट टीम की अगुआई पर ही ध्यान लगायेंगे जो उनका पसंदीदा प्रारूप है। कोहली ने 2019 के अंत से कोई टेस्ट शतक नहीं लगाया है।

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट सीरीज होगी या नहीं? आईसीसी ने दी बड़ी जानकारी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच जब क्रिकेट मुकाबले होते हैं, तो रोमांच चरम पर होता है और इतिहास जरूर रचा जाता है. जैसे इस बार के टी20 विश्व कप में हुआ. पहला पाकिस्तान ने भारत को विश्व कप (वनडे और टी20) में 12 मैच के बाद पहली पार हराया और दूसरा यह मैच टी20 इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मुकाबला बना. इस मैच को करीब 167 मिलियन (16.7 करोड़) लोगों ने देखा. हालांकि, इतना रोमांच, व्यूअरशिप होने के बावजूद दोनों देशों के बीच 2012-13 के बाद द्विपक्षीय सीरीज नहीं हुई है. भारत और पाकिस्तान के बीच कब द्विपक्षीय सीरीज होगी ? यह ऐसा सवाल है, जिसके जवाब का इंतजार दोनों देशों के क्रिकेट फैंस को सालों से है. हालांकि, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने दोनों देशों की सीरीज को लेकर जो नई जानकारी दी है, वो बहुत उम्मीदें जगाने वाली नहीं हैं.

आईसीसी के अंतरिम चीफ एग्जीक्यूटिव ज्योफ अलार्डिस ने भारत-पाकिस्तान द्विपक्षीय सीरीज पर बड़ी जानकारी दी है. उन्होंने दुबई में पत्रकारों से हुई बातचीत में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फॉर्मेट, अफगानिस्तान क्रिकेट और भारत-पाकिस्तान सीरीज को लेकर अपनी राय जाहिर की. अलार्डिस से जब यह सवाल पूछा गया कि क्या आईसीसी भविष्य में भारत-पाकिस्तान द्विपक्षीय सीरीज को कराने में किसी तरह की भूमिका निभाएगा. इस पर आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ने कहा, द्विपक्षीय सीरीज में हमारी भूमिका नहीं रहेगी. जाहिर तौर पर हमें मजा आता है, जब आईसीसी इवेंट्स में दोनों देशों की टीमें एक-दूसरे का मुकाबला करती हैं. लेकिन दोनों देशों और क्रिकेट बोर्ड के बीच मौजूदा रिश्ते ऐसे हैं, जिसे आईसीसी किसी भी सूरत में प्रभावित नहीं कर सकता है. उन्होंने आगे कहा, किसी भी द्विपक्षीय क्रिकेट की तरह, यदि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड सहमत होते हैं तो आपस में सीरीज खेलते हैं और रजामंदी नहीं होने पर नहीं खेलते. मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान के बीच फिलहाल, क्रिकेट सीरीज को लेकर हालात में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हुए हैं. बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच बीते 8 सालों में कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं हुई है. आखिरी द्विपक्षीय सीरीज 2012-13 में हुई थी. इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट से जुड़ा रिश्ता पूरी तरह खत्म हो चुका है. आईसीसी के टूर्नामेंट में ही दोनों टीमों को आपस में भिड़ता देखा जाता रहा है. भारत और पाकिस्तान की टीमों ने 2007 में आखिरी बार टेस्ट सीरीज खेली थी. यह सीरीज भी भारत में ही हुई थी. 2009 में भारतीय टीम को पाकिस्तान में सीरीज खेलने के लिए जाना था, लेकिन मुंबई में हुए आतंकी हमलों के बाद सीरीज को रद्द कर दिया गया था.

जिमी नीशम ने ऑस्ट्रेलिया को दी चेतावनी, कहा- सिर्फ सेमीफाइनल जीतने के लिए नहीं लगाया आधी दुनिया का चक्कर

दुबई। जिमी नीशम ने कहा कि उनकी टीम सिर्फ सेमीफाइनल जीतने के लिए आधी दुनिया का चक्कर लगाकर यहां नहीं आई है. टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ आतिशी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने वाले न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ने फाइनल से पहले बड़ी बात कह दी है. नीशम ने इंग्लैंड के खिलाफ 11 गेंद में 27 रन की पारी खेलकर मैच का रुख न्यूजीलैंड की ओर मोड़ दिया था. 14 नवंबर को फाइनल में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे. जिमी नीशम 2019 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में सुपर ओवर के बाद बाउंड्री काउंट के आधार पर इंग्लैंड से मैच गंवाने वाली न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे. उन्होंने कहा कि उनकी टीम के खिलाड़ियों की नजरें रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले फाइनल पर टिकी हैं. ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने अब तक टी20 वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीता है. सेमीफाइनल में जीत के बाद न्यूजीलैंड के खिलाड़ी जब जश्न मना रहे थे, तब नीशम शांत बैठे थे. उनकी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में रही. जिमी नीशम से जब इस शांत जश्न के बारे में पूछा गया तो उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, 'मुझे लगता है यह जश्न मनाने का मौका था, लेकिन आप सिर्फ सेमीफाइनल जीतने के लिए आधी दुनिया का सफर नहीं करते हैं.' उन्होंने कहा, 'हमारी नजरें कुछ दिनों के बाद होने वाले फाइनल पर हैं. मैं व्यक्तिगत रूप से और हम एक टीम के रूप में ज्यादा आगे की नहीं सोच रहे हैं. मुझे यकीन है कि अगर हम फाइनल जीतने में सफल रहे तो खुल कर भावनाओं का इजहार कर सकेंगे.' न्यूजीलैंड वर्ल्ड क्रिकेट में और विशेष रूप से आईसीसी टूर्नामेंटों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक है.

धोनी को पीछे छोड़ कोहली के पास हैं कई विराट रिकॉर्ड्स लेकिन आईसीसी टूर्नामेंट्स में मिली निराशा, छोड़ सकते हैं वनडे की कप्तानी

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली आईसीसी टी20 विश्वकप के बाद खुद को टी20 की कप्तानी से अलग कर लिया। इसका ऐलान उन्होंने टी20 विश्व कप से पहले ही कर दिया था और अब रोहित शर्मा को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लेकिन माना जा रहा है कि विराट कोहली जल्द ही एकदिवसीय मुकाबलों और फिर टेस्ट की कप्तानी से भी खुद को अलग कर सकते हैं। हालांकि अभी उन्होंने ऐसे कोई भी संकेत नहीं दिए हैं लेकिन भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने इसके संकेत दिए हैं।

क्या कप्तानी छोड़ देंगे कोहली ?

विराट कोहली ने कहा था कि टी20 विश्व कप के बाद वो क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ देंगे। हालांकि वो एकदिवसीय मुकाबलों और टेस्ट की कप्तानी जारी रखेंगे लेकिन माना जा रहा है कि टी20 विश्व कप के बाद उनपर एकदिवसीय मुकाबलों की कप्तानी छोड़ने का भी दवाब बन सकता है क्योंकि अगले साल विश्व कप होने वाला है। इसी बीच पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने बातचीत में कहा कि विराट कोहली भविष्य में बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कप्तानी छोड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में उनकी कप्तानी में भारत पिछले पांच साल से शीर्ष पायदान पर काबिज है। जब तक वह मानसिक रूप से थका हुआ महसूस नहीं करेंगे तब तक वह उसे छोड़ना नहीं चाहेंगे। वह हालांकि निकट भविष्य में बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कप्तानी छोड़ सकते हैं। यह तुरंत नहीं होगा, लेकिन ऐसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि सफेद गेंद के क्रिकेट के साथ भी ऐसा हो सकता है। वह कह सकते है कि वह अब सिर्फ टेस्ट कप्तानी पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

कोहली का कप्तानी रिकॉर्ड

विराट कोहली ने 95 एकदिवसीय

मुकाबलों में कप्तानी की। जिसमें से भारतीय क्रिकेट टीम ने 65 मुकाबलों में जीत दर्ज की। जबकि 27 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। महेंद्र सिंह धोनी, सौरव गांगुली और मोहम्मद अजहरुद्दीन के बाद विराट कोहली चौथे सफलतम एकदिवसीय कप्तान हैं। इसके अलावा विराट कोहली के नाम एकदिवसीय मुकाबलों में धोनी के बाद कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड हैं। धोनी ने 200 मुकाबलों में 6641 एकदिवसीय रन बनाए। जबकि विराट कोहली ने 5320 रन बनाए। वहीं विराट कोहली के एकदिवसीय कॅरियर की बात की जाए तो उन्होंने कुल 254 मुकाबलों में 43 शतक और 62 अर्धशतक की मदद से 12169 रन बनाए हैं। टेस्ट मुकाबलों में कप्तानी की बात की जाए तो विराट कोहली की अगुवाई में भारतीय क्रिकेट टीम ने 65 मुकाबले खेले हैं। जिनमें से 38 में जीत मिली, 16 मुकाबले गंवा दिए और 11 ड्रा हो गए। इन 65 मुकाबलों में से विराट कोहली ने 23 मुकाबले अपनी सरजमीं पर और 15 मुकाबले घर के बाहर जीते हैं। ऐसे में विराट कोहली के नाम कप्तान के रूप में सर्वाधिक टेस्ट मैचों का रिकॉर्ड है।

विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में बतौर कप्तान अपना 61वां टेस्ट मुकाबला खेला और इसी के साथ ही उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया। धोनी ने बतौर कप्तान 60 टेस्ट मुकाबले खेले हैं। इसके अलावा विराट कोहली ने 96 मुकाबलों की 162 इनिंग में 51.09 के औसत से 7765 रन बनाए। जिसमें 27 अर्धशतक, 27 शतक और 7 दोहरे शतक शामिल हैं।

विराट कोहली की किस्मत आईसीसी मुकाबलों के लिए बेहद खराब साबित हुई। साल 2013 में भारतीय क्रिकेट टीम ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में अपना आखिरी आईसीसी खिताब जीता था। इसके बाद टीम ने 7 टूर्नामेंट खेले और सभी में निराशा ही हाथ लगी। महेंद्र सिंह धोनी के बाद कप्तानी का जिम्मा विराट कोहली के कंधों पर आ गया और उन्होंने कई मौकों पर टीम को मजबूत भी किया लेकिन आईसीसी टूर्नामेंट के मामलों में उनकी किस्मत उनके साथ नहीं दिखाई दी।

साल 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय टीम की स्थिति और भी ज्यादा दयनीय हो गई। टी20 विश्व कप 2014, विश्व कप 2015, टी20 विश्व कप 2016, चैंपियंस ट्रॉफी 2017, विश्व कप 2019, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021 और टी20 विश्व कप 2021 में भारतीय टीम का प्रदर्शन साधारण दिखाई दिया और कोई भी टूर्नामेंट नहीं जीत पाए।

एक नजर

टेस्ट और वनडे में नंबर-1 है न्यूजीलैंड, जानिए टी-20 में यह मुकाम पाने के लिए क्या करना होगा

नई दिल्ली । केन विलियम्सन की टीम इस समय विश्व क्रिकेट पर राज कर रही है। वे वर्तमान में टेस्ट क्रिकेट और वनडे में नंबर एक टीम हैं। वहीं, विलियम्सन की सेना टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भी जगह बना चुकी है। 14 नवंबर को वर्ल्ड कप का फाइनल खेला जाना है। कीवी टीम अगर फाइनल जीतने में सफल रही तो दुनिया की पहली टीम बन जाएगी, जिसने एक साल में आईसीसी की दो ट्रॉफी जीती हो। न्यूजीलैंड ने इस साल जून में टीम इंडिया को हराकर आईसीसी टेस्ट चैंपियन शिप पर कब्जा जमाया था। विलियम्सन एंड कंपनी ने भारत को 8 विकेट से फाइनल में मात दी थी। अब हूँ टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल खेलने के लिए तैयार है, अगर टीम टूर्नामेंट जीतने में कामयाब रही तो वाकई में इतिहास रच देगी।

तीनों फॉर्मेट में नंबर- 1 बन सकती है न्यूजीलैंड

अगर न्यूजीलैंड वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हरा देती है फिर भी वो टी-20I में वर्ल्ड की नंबर एक टीम नहीं बन पाएगी। इसके लिए उनको 17 नवंबर से टीम इंडिया के खिलाफ होने वाली टी-20I सीरीज में भारत को 3-0 से हराना होगा। टी-20 क्रिकेट में विलिययम्सन की टीम इस समय नंबर-4 पर है। वहीं, नंबर एक पर इंग्लैंड है। न्यूजीलैंड 2019 विश्व कप के फाइनल में मिली हार का बदला इंग्लैंड से पहले ही ले चुकी है। अब उनकी नजरें टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराने पर होंगी। इसके साथ ही विलिययम्सन की टीम ये भी सोच रही होगी कि कैसे भारत को 3-0 से हराया जाए और क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में नंबर एक बनकर इतिहास में अपनी टीम का नाम दर्ज किया जाए। न्यूजीलैंड को 2015 के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। विलियमसन की टीम 14 नवंबर को उनसे भी बदला लेने उतरेगी। दोनों टीमों ने अब तक एक बार भी टी-20 वर्ल्ड कप अपने नाम नहीं किया है। ये टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार होगा जब दोनों टीमें फाइनल में एक दूसरे के खिलाफ भिड़ेगी।

भारतीय बल्लेबाज मुरली विजय ने किया कोरोना वैक्सीन लेने से इनकार, वजह जानकर हो जाएंगे हैरान

नई दिल्ली। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज मुरली विजय को लेकर हैरान करने वाली खबर सामने आ रही है, जहां वे कथित तौर पर कोविड-19 वैक्सीन नहीं लगवाना चाहते हैं। बीसीसीआई इस समय घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का आयोजन करवा रही है और बोर्ड ने कोरोना वायरस से बचाव के लिए कोविड-19 वैक्सीन को लगवाना सभी खिलाड़ियों के लिए जरूरी कर रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुरली बायो बबल में भी एंट्री नहीं लेना चाहते हैं और इसलिए वे तमिलनाडु की टीम और टूर्नामेंट से दूर हैं, साथ ही उन्होंने क्रिकेट से दूरी भी बना ली है। मुरली अगर कोरोना प्रोटोकॉल का पालन भी करते हैं तो भी उनके टीम में सिलेक्शन की गारंटी नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि 37 साल के इस क्रिकेटर ने पिछले दो साल से अधिक समय से कोई घरेलू टूर्नामेंट नहीं खेला है। मुरली पिछले दो आईपीएल सीजन में भी हिस्सा नहीं ले सके थे और उन्होंने घरेलू टीम तमिलनाडु के लिए अपना आखिरी मैच 2019 में कर्नाटक के खिलाफ खेला था। यही वजह है कि सिलेक्टर्स ने अपनी मीटिंग में उनके बारे में चर्चा तक नहीं की। बता दें कि मुरली ने भारत के लिए 61 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 38.3 की औसत से 3982 रन बनाए हैं। इसमें 12 शतक और 15 अर्धशतक शामिल रहे हैं। टेस्ट के अलावा उन्हें वनडे क्रिकेट में भी खेलने का मौका मिला है, जहां उन्होंने 17 मैचों में 339 रन बनाए हैं। उन्होंने नेशनल टीम के लिए 2018 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आखिरी टेस्ट खेला था। यहां भारत ने विराट कोहली की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया को उन्हीं के घर में टेस्ट सीरीज में पहली बार हराकर परचम लहराया था।

टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के लिए अंपायरों

का ऐलान, एक भारतीय भी शामिल

नई दिल्ली । टी-20 वर्ल्ड फाइनल शुरू होने में अब एक दिन का समय रह गया है। आईसीसी को इस बार नया टी-20 वर्ल्ड चैम्पियन मिलना तय है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में से कोई भी अब तक इस खिताब पर कब्जा नहीं कर सका है। इस बड़े मैच के लिए आईसीसी ने अंपायरों की घोषणा कर दी है। दक्षिण अफ्रीका के मराइस इरास्मस और इंग्लैंड के रिचर्ड केटलब्रॉ को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के लिए मैदानी अंपायर नियुक्त किया गया। इसमें भारत के नितिन मेनन भी शामिल हैं, जो टीवी अंपायर की भूमिका निभाएंगे। आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद) ने एक बयान में कहा, अंपायर मराइस इरास्मस और रिचर्ड केटलब्रॉ रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2021 फाइनल में मैदानी अंपायर की जिम्मेदारी संभालेंगे। आईसीसी एलीट पैनल में एकमात्र भारतीय अंपायर मेनन फाइनल में टीवी अंपायर होंगे, जबकि श्रीलंका के पूर्व स्पिनर कुमार धर्मसेना चौथे अंपायर होंगे। मेनन अपने पहले मेंस वर्ल्ड कप में अंपायरिंग कर रहे हैं जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को जबकि न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। रंजन मदुगले इस मैच में रैफरी की भूमिका निभाएंगे।

शाहीन को 19वें ओवर में बेहतर गेंदबाजी करनी चाहिए थी : शाहिद अफरीदी

कराची । पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में टीम की हार के बाद कहा कि शीर्ष तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को 19वें ओवर में बेहतर गेंदबाजी करनी चाहिए थी। विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने गुरुवार को खेले गये मैच में कैच छूटने के बाद ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर लगातार तीन छक्के लगातार पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। शाहिद ने 'समा टीवी चैनल' पर कहा, ''मैं शाहीन के प्रदर्शन से खुश नहीं हूं। हसन अली ने कैच टपका दिया इसका यह मतलब नहीं है कि आप लगातार तीन छक्के दे दो।'' उन्होंने कहा, '' शाहीन के पास अच्छी गति है और उसे समझदारी से इसका इस्तेमाल करना चाहिये था। भले ही कैच छूट गया हो। उन्हें अपने दिमाग का इस्तेमाल करना चाहिए था और अपनी गति का इस्तेमाल करते हुए ऑफ स्टंप के बाहर यॉर्कर डालने पर ध्यान देना चाहिये था। वह उस तरह का गेंदबाज नहीं है जिसके खिलाफ ऐसे रन बने।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भारती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार भारती, मो0 : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/08863)

फिल्मी न्यूज

तेजस की रैपअप पार्टी में कंगना का जलवा

कंगना रनोट की फिल्म तेजस की रैप अप पार्टी शुक्रवार को रखी गई। कंगना ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस फोटोज शेयर कीं। प्रोड्यूसर रॉनी स्क्रूवाला की पार्टी के साथ तेजस के रैप-अप का जश्न मनाया गया। कंगना का ये लुक उसी पार्टी के लिए था। कंगना ने दिलचस्प कैप्शन के साथ एक खूबसूरत चमकदार ड्रेस में फोटोज पोस्ट कीं। एक कैप्शन में कंगना ने लिखा, मेरे सिर में एक गाना बज रहा है मेरे महबूब तुझे मेरी मोहब्बत की कसम..। कंगना तेजस में कंगना फाइटर पायलट की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

अली अब्बास जफर की फिल्म में एक्शन करते दिखेंगे शाहिद कपूर

शाहिद कपूर जाने-माने फिल्म डायरेक्टर अली अब्बास जफर के अगले प्रोजेक्ट में नजर आएंगे। नए प्रोजेक्ट का टाइटल रिवील नहीं किया गया है, लेकिन यह एक एक्शन फिल्म होगी। शाहिद ने जफर की इस फिल्म की शूटिंग भी शुक्रवार से UAE में शुरू कर दी है। इसकी जानकारी अली ने सोशल मीडिया पर शेयर की है। इसमें वे शाहिद कपूर के साथ हंसते हुए नजर आ रहे हैं। इस फोटो के साथ अली ने कैप्शन में लिखा है- 'चलो शुरू करते हैं, शाहिद कपूर क्या आप क्रेजी, बंदूक और गैंग्स की पागलपन वाली राइड के लिए तैयार हैं। इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये एक एक्शन फिल्म होगी।

10 जून को रिलीज होगी विक्की की फिल्म गोविंदा मेरा नाम

करन जौहर के प्रोडक्शन में बनने वाली विक्की कौशल, भूमि पेडणेकर और कियारा आडवाणी स्टार गोविंदा नाम मेरा की रिलीज डेट और पोस्टर शुक्रवार को जारी किए गए। फिल्म में विक्की गोविंदा वाघमारे के रोल में होंगे। फिल्म की रिलीज डेट 10 जून 2022 रखी गई है। फिल्म की कहानी और डायरेक्शन शशांक खैतान का है। फिल्म में भूमि विक्की की हॉटी पत्नी के रोल में होंगी, वहीं कियारा उनकी नॉटी गर्लफ्रैंड के रोल में नजर आएंगी। विक्की के पास इस दिनों सैम मानेक शॉ की बायोपिक जैसे बड़े प्रोजेक्ट भी हैं। वहीं कटरीना कैफ से उनकी शादी की खबरें भी सुर्खियों में हैं।

राकेश- शमिता के रिश्ते का मजाक उड़ाने पर रिद्धि डोगरा ने दी प्रतिक्रिया, कहा- बाहर होने चाहिए ऐसे लोग

शुरुआत में दर्शकों का मनोरंजन करने में कामयाब रहे बिग बॉस के 15वें सीजन का असर अब दर्शकों पर कम ही नजर आ रहा है। दरअसल, शो के इस सीजन से अब दर्शक बोर होते नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं बीते दिनों आई रिपोर्ट के मुताबिक शो की टीआरपी में भी लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। दरअसल, मायशा और ईशान में बाद शो में आए करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश के लव एंगल को लोग कुछ खास पसंद नहीं कर रहे हैं। इसी बीच सामने आई एक वीडियो क्लिप ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इस वीडियो क्लिप में विशाल कोटियन शमिता शेट्टी और राकेश बापट के रिश्ते का मजाक उड़ाते नजर आ रहे हैं। विशाल ने राकेश पर तंज कसते हुए कहा कि भाई ने बड़ा हाथ मारा है। वहीं, विशाल की इस टिप्पणी पर राकेश बापट की एक्स-वाइफ रिद्धी डोगरा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। सामने आई इस वीडियो पर कमेंट करते हुए रिद्धी डोगरा ने ट्वीट किया कि, कुछ ऐसे भी हैं, जो पीठ पीछे लोगों का मजाक उड़ाकर खेलते हैं। फिर बाद में इसे मजेदार कहकर अपनी मूर्खता का प्रमाण देते हैं। ऑडियंस क्या आप इस तरह से अपना मजाक उड़वाना पसंद करेंगे?? ऐसे लोगों को बाहर कर देना चाहिए। गौरतलब है कि विशाल की इस टिप्पणी पर रिद्धी डोगरा से पहले शमिता शेट्टी की मां सुनंदा शेट्टी ने भी बेटी का मजाक उड़ाने पर विशाल कोटियान को खूब लताड़ लगाई थी। उन्होंने अपने ट्वीट में विशाल को सांप बताते हुए उन पर भरोसा ना करने के लिए कहा।

खुलासा : मर्डर के सेट पर मल्लिका शेरावत का हुआ था इमरान हाशमी से झगड़ा, एक-दूसरे से बातचीत थी बंद

इमरान हाशमी ने जब अपने करियर की शुरुआत की थी तो उन्हें बॉलीवुड में सीरियल किसर के रूप में जाना जाता था तो वहीं मल्लिका शेरावत का नाम उन दिनों बॉलीवुड की सबसे बोल्ड अभिनेत्रियों की लिस्ट में शुमार था। इन दोनों ने साथ में साल 2004 में आई फिल्म 'मर्डर' में काम किया था। इस फिल्म में दोनों के बीच काफी बोल्ड सींस फिल्माए गए थे। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बासु ने किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा खासा कलेक्शन किया था। कई सालों के बाद अब मल्लिका शेरावत ने खुलासा करते हुए बताया है कि इमरान हाशमी और वो सेट पर एक-दूसरे से बातचीत तक नहीं करते थे। मंदिरा बेदी के शो में खुलासा करते हुए मल्लिका ने कहा था, 'बॉलीवुड में कई कलाकार ऐसे हैं जो चाहते हैं कि जैसे ही वो सेट पर आए उन्हें कुर्सी मिले। लेकिन मैंने ऐसा कभी नहीं किया, उल्टा इन सब चीजों को लेकर मेरी कई बार मेरे सह-कलाकारों के साथ लड़ाई भी हुई है। मल्लिका शेरावत ने बताया कि आज वो सब मजाक लगता है। लेकिन उस दौरान हम सब बचे थे। इमरान हाशमी के साथ भी मेरा एक ऐसा ही झगड़ा हुआ था। ये झगड़ा हमारा फिल्म मर्डर के दौरान हुआ था। हम दोनों एक-दूसरे से बात तक नहीं करते थे'। मल्लिका ने इस बातचीत में आगे कहा, 'हम दोनों में ही उस वक्त बहुत बचपना था। ये सब शायद फिल्म की शूटिंग के खत्म होने के बाद हुआ था। मल्लिका शेरावत ने बताया कि हम लोगों के बीच मनमुटाव था। लेकिन मैं यही कहूंगा कि इमरान हाशमी बहुत कमाल के सह-कलाकार हैं। इमरान बहुत ही प्यारे इंसान हैं। मैं अब उन चीजों के बारे में सोचकर हंसती हूं कि हम कैसा करते थे।

शाहरुख खान की इस अदा पर फिदा हैं मालविका राज, कभी खुशी कभी गम में किया था साथ काम

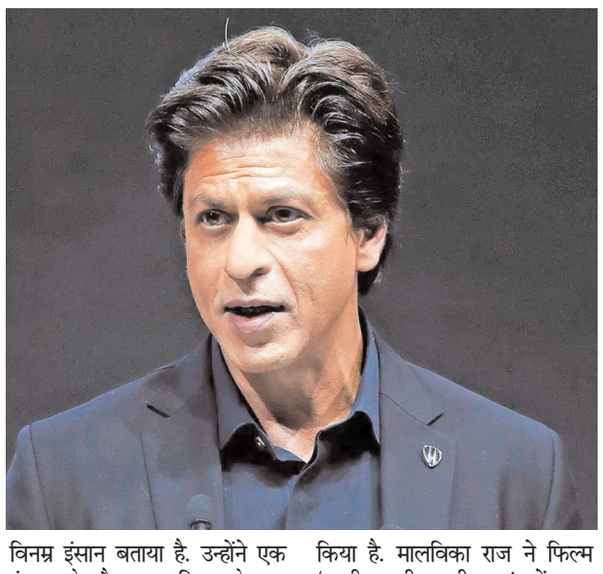

फिल्म कभी खुशी कभी गम में यंग करीना कपूर की भूमिका निभाने वाली मालविका राज ने अपने को-एक्टर शाहरुख खान को अद्भुत और विनम्र इंसान बताया है. उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान इस फिल्म के शूट से जुड़ी यादें भी शेयर कीं. वे कहती हैं, मैं उस समय बहुत छोटी थी. मुझे नहीं पता था कि शाहरुख खान, काजोल, अमिताभ बचन जैसे एक्टर्स के साथ स्क्रीन शेयर करना कितनी खास बात थी. बता दें कि मालविका राज ने जी 5 की फिल्म स्क्वॉड में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया है. मालविका राज ने फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' में युवा करीना कपूर का रोल निभाया था. वे जी 5 की फिल्म 'स्क्वॉड' में लीड रोल निभा रही हैं. उन्होंने एक इंटरव्यू में फिल्म के बारे में बात की. एक्ट्रेस ने फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' की शूटिंग के दिनों को भी याद किया. मालविका ने शाहरुख खान के साथ सेट पर अपनी अनमोल यादों के बारे में भी बताया. मालविक हमेशा एक्टिंग में जाने के बारे में सोचती थीं. वे कहती हैं कि जब उन्होंने मॉडलिंग शुरू की तो वे इस दुनिया से काफी एट्रेक्ट हो गई थीं. वे हिन्दुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहती हैं, 'मुझे फैशन इंडस्ट्री में इतना मजा आया कि मैं इससे पूरी तरह इंप्रेस हो गई. जब मुझे 'स्क्वॉड' का ऑफर मिला तो मैं एक्साइटेड थी, पर जब मुझे बताया गया कि यह एक एक्शन फिल्म है, तो मैंने इसे एक चुनौती के रूप में लिया, क्योंकि यह ऐसा कुछ है जो मैंने पहले कभी नहीं किया था. एक्शन कुछ ऐसा है जो मेरे लिए नया था.' मालविका का एक कॉमन फ्रेंड था जिसने 'स्क्वॉड' के डायरेक्टर नीलेश सहाय को उनके नाम की सिफारिश की थी. वे कहती हैं, 'नीलेश और मेरा एक कॉमन फैमिली फ्रेंड है. जब वे अपनी फिल्म के लिए एक एक्ट्रेस की तलाश कर रहे थे, तो उन्होंने मेरे नाम की सिफारिश की. उन्होंने सोशल मीडिया पर मेरी तस्वीरें देखीं, उन्होंने मेरे पिताजी को फोन किया. मैंने इसके लिए ऑडिशन भी दिया और मुझे यह फिल्म मिल गई.' मालविका को फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' में निभाए रोल के लिए याद किया जाता है. उन्होंने इस फिल्म के शूट से जुड़ी यादें भी शेयर कीं. वे कहती हैं, 'मैं उस समय बहुत छोटी थी. मुझे नहीं पता था कि शाहरुख खान, काजोल, अमिताभ बचन जैसे एक्टर्स के साथ स्क्रीन शेयर करना कितनी खास बात थी. मैंने इसे नॉर्मल तरीके से लिया.' वे आगे कहती हैं, 'ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्होंने मुझे ऐसा महसूस कराया. मैंने इस फिल्म से जमीन से जुड़े रहना और विनम्र होना सीखा, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी. उनका बहुत पॉजिटिव रवैया था कि सेट पर कोई भी छोटा नहीं होता, हर कोई बराबर होता है.' मालविका ने खासतौर पर शाहरुख खान की तारीफ की.

वे कहती हैं, 'मुझे याद है एक बार हम सब सेट पर लंच के लिए बैठे थे और शाहरुख सर भी वहीं बैठे थे. मैं अंदर आई तो उन्होंने वाकई में अपना खाना छोड़ दिया और मुझसे मिलने के लिए उठ खड़े हुए. मुझे उनके इस अंदाज ने वाकई में छू लिया. लोग आमतौर पर ऐसा नहीं करते हैं. शाहरुख सर, बहुत ही अद्भुत और विनम्र हैं.'

उर्फी जावेद का टिप टिप बरसा पानी गाने पर दिखा गजब का बोल्डनेस, वायरल हुआ वीडियो

अक्षय कुमार और मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन की फिल्म मोहरा के एक मशहूर गाने टिप टिप बरसा पानी पर एक्ट्रेस उर्फी जावेद ने पोज देते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसे उनके फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं. उर्फी ने अपना ये वीडियो अपने इंस्टा अकाउंट पर शेयर किया है, अब तक उर्फी के इस वीडियो को इंस्टा पर 43 हजार से यादा बार देखा भी जा चुका है. बता दें, उर्फी आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरों की वजह से सोशल मीडिया में छाई रहती हैं. साल 1994 में रिलीज हुई बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार और मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन की फिल्म 'मोहरा' का एक गाना 'टिप टिप बरसा पानी' आज भी लोगों के बीच मशहूर है. खबरों की मानें तो उस वक्त इस गाने का लोगों में इतना क्रेज था कि सिर्फ इस गाने को देखने के लिए भी कई लोग सिनेमाघर जाया करते थे और आज भी इस गाने का क्रेज लोगों में देखने को मिलता है. वहीं, इस गाने पर अब टीवी एक्ट्रेस उर्फी जावेद ने पोज देते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसे उनके फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं. उर्फी ने अपना ये वीडियो अपने इंस्टा अकाउंट पर शेयर किया है, अब तक उर्फी के इस वीडियो को इंस्टा पर 43 हजार से यादा बार देखा भी जा चुका है. तो आइए, आप भी देखिए उर्फी का ये वायरल वीडियो- बता दें, उर्फी आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरों की वजह से सोशल मीडिया में छाई रहती हैं. 'बिग बॉस ओटीटी' के घर में उन्होंने खूब धमाल मचाया था. उर्फी अपने बोल्ड और अजीबोगरीब फैशन सेंस की वजह से घर में छाई रही थीं. शो खत्म होने के बाद भी उर्फी चर्चा में बनी हुई हैं. हर रोज उर्फी अपने ऑउटफिट को फ्लॉन्ट करते देखी जाती हैं. उनका फैशन सेंस काफी बोल्ड और हॉट है. उनके इस फैशन सेंस के चलते ही सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग बहुत यादा है. बता दें, इन दिनों उर्फी जावेद अपनी एक से बढ़कर एक तस्वीरें अपने इंस्टा अकाउंट पर शेयर करती दिख रही हैं, जिसमें उर्फी जावेद का बेहद बोल्ड लुक देखने को मिला. यही नहीं, उनके शेयर करते ही ही उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर छा जाती हैं. लोग उनके ड्रेसिंग सेंस से काफी इंप्रेस भी होते हैं, लेकिन कई बार उन्हें अपनी ड्रेस की वजह से ट्रोल का शिकार भी होना पड़ता है. उर्फी जावेद ने 'बिग बॉस ऑटीटी'में हिस्सा लिया था. मगर वो बहुत जल्द ही घर से बेदखल हो गई थीं, मगर कम समय में ही सोशल मीडिया पर उन्होंने अछी खासी फैन फैन फॉलोइंग बढ़ा ली हैं. उर्फी के इंस्टाग्राम पर इस वक्त साढ़े दस लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं. अपने फैंस को इंगेज रखने के लिए उर्फी इंस्टाग्राम पर नियमित तौर पर ग्लैमरस फोटोज और वीडियोज अपलोड करती रहती हैं. बहुत कम लोगों को पता है कि उर्फी एक बेहतरीन सिंगर भी हैं. उन्हें रैप करना अछा लगता है. मुंबई आने से पहले उर्फी दिल्ली की एक कंपनी में अस्टिटेंट मैनेजर के तौर पर कुछ दिन काम भी किया है. बता दें, ऊर्फी जावेद ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टीवी शो 'डेढ़ी-मेढ़ी फैमली' से की थीं. इसके बाद उन्होंने 'बड़े भैया की दुल्हनिया', 'नामकरण', 'मेरी दुर्गा' और 'जीजी मां' जैसे सीरियलों में काम कर अपनी पहचान बनाई.

'सूर्यवंशी' की मजबूत पकड़, वीकेंड का मिलेगा फायदा

अक्षय कुमार और कटरीना कैफ की फिल्म 'सूर्यवंशी' ने जिस तरह ताबड़तोड़ कलेक्शन किया है उसके बाद मेकर्स के साथ सिनेमाघर मालिक भी काफी खुश हैं। कोरोना महामारी की वजह से पिछले काफी समय से सिनेमाघर बंद रहे। जब सिनेमाघर खुले तो 'सूर्यवंशी' पहली बड़ी फिल्म है जो रिलीज हुई। एक हफ्ते में ही 'सूर्यवंशी' 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है और अब यह जल्द ही 150 करोड़ का कलेक्शन पार कर सकती है। 'सूर्यवंशी' 5 नवंबर को रिलीज हुई थी। इस तरह फिल्म ने सात दिन में 120.66 करोड़ कमा लिए थे। बॉक्स ऑफिस इंडिया वेबसाइट के मुताबिक, आठवें दिन शुक्रवार को फिल्म ने छह से सात करोड़ का कलेक्शन किया है। हालांकि गुरुवार की अपेक्षा शुक्रवार की कमाई में गिरावट देखी गई लेकिन शनिवार और फिर रविवार को इसका बिजनेस बढ़ने की उम्मीद है। फिल्म ने आठ दिन में अभी तक लगभग 127 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। इस वीकेंड में अगर फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिलता रहा तो अगले हफ्ते तक यह 150 करोड़ तक का कलेक्शन कर लेगी। ओवरसीज में भी फिल्म की रिफ्तार धीमी पड़ी है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, सात दिन में फिल्म ने 37.22 करोड़ कमा लिए हैं। सूर्यवंशी की मुश्किलें अगले हफ्ते बढ़ सकती हैं क्योंकि कई फिल्में रिलीज होने के लिए लाइन में हैं। इनमें 'बंटी और बबली 2' और 'सत्यमेव जयते 2' मुख्य रूप से है।

पुरानी अंगूरी भाभी शिल्पा शिंदे ने मांगी भरभूति जी आसिफ शेख से माफी, आखिर एसी क्या हुई खता?

भाबीजी घर पर हैं लोगों का फेवरेट कॉमेडी शो है। 2015 से चल रहे इस शो की दीवानगी का आलम ये है कि दर्शकों को इसके एक-एक किरदार के तकिया कलाम तक रटे हुए हैं। तो वहीं सोशल मीडिया पर चर्चा है कि बात बात पर सही पकड़े हैं बोलने वाली पुरानी अंगूरी भाभी यानि शिल्पा शिंदे ने अपने चहते भरभूति जी मतलब आसिफ शेख से माफी मांगी है। दरअसल, शो की शुरुआत में अंगूरी भाभी का किरदार शिल्पा शिंदे निभा रही थीं। इस दौरान शिल्पा के अभिनय के लोग इतने कायल हो गए कि इनकी फैन फॉलोइंग जबरदस्त हो गई। भाबीजी टीएआरपी में नंबर वन चलता था। दर्शकों को शिल्पा की मासूमियत बहुत भाती थी। पर साल 2106 में मेकर्स के साथ मन मुटाव के कारण शिल्पा शिंदे ने चलते शो को अलविदा कह दिया। अब इतने साल बाद शिल्पा ने आसिफ शेख से माफी मांगी है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफी बज है। पर इसके पीछे क्या कराण है ये हम आपको बताते हैं। शिल्पा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर लिखा, आसिफ जी आपने बुलाया और मैं नहीं आ पाई, उसके लिए शॉरी। शिल्पा आगे लिखती हैं, आपने मुझे अपनी पार्टी में बुलाया, लेकिन मैं वहां नहीं आ पाई उसके लिए शॉरी, मुझे अभी पता चला है कि आज आपका जन्मदिन है। मेरी शुभकामनाएं हमेशा आपके साथ हैं, इस दिन आपके लिए सभी खुशियों की कामना करती हूं। आपके साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना एक सम्मान की बात थी और मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती कि आप कितने अछे हैं। आप एक अद्भुत इंसान हैं, धन्य रहें और मुस्कुराते रहें। जन्मदिन मुबारक आसिफजी । बता दें कि शिल्पा शिंदे ने भाबीजी छोड़ने के बाद बिग बॉस के घर में कदम रखा था। जहां उन्होंने हिना खान जैसी मजबूत दावेदार को हराकर ट्रॉफी अपना नाम की थी। इसी सीजन में घर में विकास गुप्ता के साथ शिल्पा की अछी झड़प भी देखने को मिली, जो कि बाद में दोस्ती में बदल गई थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो शिल्पा

'तारक मेहता' की 'बबीता जी' ने साझा किया ट्रांसफॉर्मेशन लुक, 4 महीने में हो गई इतनी फिट

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' टीवी के लोकप्रिय शोज में से है। शो के हर एक किरदार के अपने प्रशंसक हैं। बबीता जी का रोल करने वालीं अभिनेत्री मुनमुन दत्ता शो में जितनी ग्लैमरस दिखती हैं असल जिंदगी में वह उससे कहीं ज्यादा बोल्ड हैं। मुनमुन सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इस बार उन्होंने अपने ट्रांसफॉर्मेशन लुक की तस्वीरें पोस्ट की हैं। इसके जरिए उन्होंने पहले और अभी के लुक में अंतर दिखाया है। मुनमुन दत्ता ने जिस तरह से अपना वजन कम किया है प्रशंसक उनकी तारीफें कर रहे हैं। मुनमुन दत्ता ने अपनी दो तस्वीरों को साझा किया है। पहले में उनका वजन बढ़ा हुआ था जबकि अब वह पहले से काफी फिट हैं। एक फोटो में उन्होंने सलवार सूट पहना है तो दूसरे में वह जिम के कपड़ों में हैं। तस्वीर के साथ मुनमुन ने अपनी वेट लॉस जर्नी के बारे में बताया और लिखा- 'नियमित एक्सरसाइज के साथ विशेष तरह का डाइट शामिल किया और मेरे शरीर में होने वाले बदलाव को महसूस किया।' 'अच्छी बात यह थी कि चार महीने वर्कआउट नहीं करने के बाद मैं फिर से लगातार वर्कआउट करने लगी। बदलाव को देखते और महसूस करते हुए, मैं अपने व्यस्त शेड्यूल में से जब भी संभव हो पाता है एक्सरसाइज करने के अपने स्वभाव में वापस आ गई हूं। परफेक्ट बॉडी पाने के लिए लंबा रास्ता तय करना है लेकिन मैं ट्रैक पर हूं और प्रेरित भी हूं। यह एक यात्रा होगी और मैं आगे देख रही हूं।' मुनमुन दत्ता ने हाल ही में मुंबई में अपना घर खरीदा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर घर की कई तस्वीरें साझा की थीं। मुनमुन ने बताया कि यह उनके लिए किसी सपने के पूरा होने जैसा है।

जूही चावला ने 6 साल तक छुपाई थी शादीशुदा होने की बात, हर लड़की के दिल को छू जाएगी इसके पीछे की वजह

जूही चावला का जन्म 13 नवंबर 1967 को पंजाब में हुआ था। उनके पिता पंजाबी और मां गुजराती थीं। जूही ने अपनी स्कूली पढ़ाई मुंबई के फोर्ट कॉन्वेंट स्कूल से पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने सिडेनहैम कॉलेज से पढाई की। फिल्मों में आने से पहले साल 1984 में जूही ने मिस इंडिया का खिताब जीता था।इसके बाद उन्होंने साल 1986 में आई फिल्म सल्तनत से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हालाँकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही। पहली हिट 1988 में फिल्म आई कयामत से कयामत तक जूही के कॅरियर की पहली हिट फिल्म साबित हुई। इस फिल्म में जूही के अपोजिट रोल में आमिर खान थे। इसके बाद जूही साल 1990 में आई फिल्म प्रतिबंध में नजर आईं। साल 1992 में आई फिल्म बोल राधा बोल में जूही ने ऋषि कपूर के साथ काम किया था। जूही चावला ने एक के बाद एक तीन हिट फिल्में आईना, हम हैं राही प्यार के और डर दीं। हम हैं राही प्यार के में जूही चावला की एक्टिंग की खूब सराहना की गई थी। इस फिल्म में दर्शकों ने जूही और आमिर की जोड़ी को खूब पसंद किया था। 1990 से 1999 के बीच जूही चावला की यादातर फिल्में हिट रहीं। जूही ने हिंदी के अलावा बंगाली, पंजाबी, मलयालम, तमिल, कन्नड़ और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। जूही ने बिजनेसमैन जय मेहता से शादी कर ली थी। जूही और जय की मुलाकात फिल्म कारोबार के सेट पर हुई थी। जय फिल्म के डायरेक्टर राकेश रोशन के दोस्त थे। पहले जूही को जय में कोई दिलचस्पी नहीं थी लेकिन जब जूही को पता चला कि जय की पहली पत्नी की मौत एक कार एक्सीडेंट में हो गई तो जूही का जय के प्रति लगाव बढ़ने लगा। धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। इसी दौरान जूही की माँ की मौत हो गई। जूही के बुरे वक्त में जय ने उनका पूरा साथ निभाया। जूही ने साल 1995 में जय से शादी कर ली थी। उनके दो बचे जान्हवी और अर्जुन हैं। जूही ने कॅरियर के चलते करीब 6 साल तक अपनी शादी की खबर छिपा कर रखी थी। एक इंटरव्यू के दौरान जूही ने बताया था कि अपनी शादी की खबर छुपाने के पीछे आखिर क्या वजह थी। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि, उस वक्त शादी का मतलब होता है हीरोइन का करियर का खत्म हो जाना। मैं उस दौर में अपने कॅरियर के पीक पर थी। मैं किसी भी तरह से अपने कॅरियर को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती थी। मैं अपने कॅरियर को जारी रखना चाहती थी इसलिए शादी के बारे में किसी को नहीं बताया और काम करती रही।